@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
सोमवार, 30 जून 2025

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 230 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

उत्तरकाशी में तबाही: बड़कोट में बादल फटे, बाढ़ में 8 से 9 मजदूर बह गए, तलाश जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देहरादून(ईएमएस)। उत्तरकाशी जिले के बड़कोट तहसील क्षेत्र में सिलाई बैंड के पास बादल फटने की घटना से हड़कंप मच गया। घटना के बाद क्षेत्र में भारी तबाही की खबर हैं। प्रशासन ने बताया गया कि, सिलाई बैंड के पास रात 3ः12 बजे बादल फटने की सूचना मिली थी। सूचना मिलने के बाद आपातकालीन परिचालन केंद्र की तरफ से राजस्व विभाग, एसडीआरएफ और पुलिस टीम रवाना की गई है। सिलाई बैंड के पास 19 मजदूर रहते थे, जिसमें से 9 मजदूरों के लापता होने की सूचना है। एसडीआरएफ, पुलिस राजस्व विभाग की टीमें लापता लोगों के लिए तलाशी अभियान चल रही हैं। वहीं 10 मजदूरों को सुरक्षित स्थान पर लाया गया है।

उत्तरकाशी में स्थानीय प्रशासन ने बताया कि यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग सिलाई बैंड के पास दो-तीन स्थानों पर मलबा और पानी आने से बाधित हो गया है। इस संबंध में एनएच विभाग को सूचित कर दिया गया है ताकि यातायात बहाल किया जा सके। इसके अलावा कुथनौर गांव में भी बादल फटने के चलते हुए भूस्खलन से कृषि भूमि को नुकसान पहुंचा है। प्रशासन का कहना है कि लापता मजदूरों की तलाश तेज कर दी गई है और स्थानीय लोगों से भी सहयोग लिया जा रहा है। प्रभावित क्षेत्र में लगातार निगरानी रखी जा रही है और एहतियाती उपाय भी किए जा रहे हैं। बादल फटने के अलावा, राज्य भर में लगातार बारिश के कारण काफी नुकसान पहुंचा है। नंदप्रयाग और भनेरोपानी के पास राष्ट्रीय राजमार्ग अवरुद्ध हो गया है, जबकि रुद्रप्रयाग जिले के अधिकारियों को इस सप्ताह की शुरुआत में भूस्खलन और मलबा गिरने के कारण सोनप्रयाग-मुनकटिया मार्ग पर आवाजाही रोकनी पड़ी।

केदारनाथ जाने वाले तीर्थयात्रियों के लिए यह विशेष मार्ग महत्वपूर्ण है। सोनप्रयाग शटल पुल और मुनकटिया स्लाइडिंग जोन के पास इसे पूरी तरह से बंद कर दिया गया है, जिससे तीर्थयात्रियों को उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सोनप्रयाग और गौरीकुंड में अस्थायी रूप से रोकना पड़ा है।

यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग भी सिलाई बैंड के पास दो से तीन स्थान बाधित हुआ है। एनएच बड़कोट के अधिकारियों को अवरोध के बारे में सतर्क कर दिया गया है। इसके अलावा, स्यानाचट्टी के पास एक नाले में मलबा जमा होने के कारण यमुना नदी का प्रवाह बाधित हो गया है, जिससे क्षेत्र के निचले इलाकों में स्थित होटलों के लिए खतरा और बढ़ गया है। राज्य के कई जिलों में भारी बारिश हो रही है, जिनमें चमोली, पौड़ी, देहरादून और रुद्रप्रयाग शामिल हैं। यहां भूस्खलन के कारण कई संपर्क मार्ग बंद हो गए हैं।

पाइपलाइन डालने के दौरान मिट्टी धसीं, 3 की मौत 12 मलबे में दबे

-7 लोगों को बाहर निकाला, राहत व बचाव कार्य जारी

भरतपुर (एजेंसी)। भरतपुर जिले के गहनौली में रविवार सुबह चंबल प्रोजेक्ट के तहत पाइप लाइन डालने के दौरान मिट्टी ढहने से एक ही परिवार के 12 लोग मलबे में दब गए। हादसे में दो महिलाएं और एक युवक की मौके पर मौत हो गई, जबकि सात लोगों को ग्रामीणों और प्रशासन की मदद से बाहर निकाला गया अन्य लोगों की तलाश और बचाव कार्य जारी है। जानकारी के मुताबिक यह हादसा रूपवास के पास जग्गी का नगला गांव में सुबह करीब 8ः30 बजे हुआ, जहां चंबल परियोजना के तहत पानी की पाइपलाइन डालने का कार्य चल रहा था। फतेहपुर सीकरी के उत्तु सांवरा गांव के रहने वाले करीब 12 लोग पास ही निकाली जा रही पीली मिट्टी को भरने पहुंचे थे तभी अचानक खुदाई के दौरान करीब 10–12 फीट गहरे गड्ढे की मिट्टी ढह गई और सभी लोग उसमें दब गए। घटना की सूचना मिलते ही गहनौली थाना प्रभारी पुलिस व जिला प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंचीं। ग्रामीणों ने भी मौके पर पहुंचकर फावड़े और जेसीबी मशीन की मदद से राहत कार्य शुरू किया। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद अब तक 7 लोगों को बाहर निकाला जा चुका है, जिनमें कुछ घायल हैं उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतकों की पहचान अनुकूल (24), विमला (45) और विनोद (55) में हुई है। शवों को भरतपुर जिला अस्पताल की मर्च्युरी में रखवा दिया है। लोगों ने बताया कि जिस स्थान पर खुदाई चल रही थी, वहां कोई सुरक्षा उपाय नहीं थे और मिट्टी का ढेर भी असंतुलित तरीके से जमा था। बारिश के बाद मिट्टी और ज्यादा ढीली हो गई थी, जिससे वह ढह गई। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मुआवजे और प्रोजेक्ट कार्य में सुरक्षा मानकों को लागू करने की मांग की है। प्रशासन की ओर से राहत व बचाव कार्य जारी है और हादसे की जांच के आदेश दे दिए गए हैं।

पुरी में जगन्नाथ रथयात्रा के बाद भगदड़, तीन की मौत

50 से ज्यादा लोग घायल, सीएम माझी ने माफी मांगी

2 अफसर हुए सस्पेंड, पुरी कलेक्टर-एसपी को हटाया

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा के पुरी में जगन्नाथ रथयात्रा के बाद रविवार तड़के करीब 4 बजे भगदड़ मच गई। इसमें 3 लोगों की मौत हो गई, जबकि 50 घायल हो गए। घायलों में 6 की हालत गंभीर है। हादसा जगन्नाथ मंदिर से करीब 3 किमी दूर गुंडिचा मंदिर के सामने हुआ। यहां भगवान जगन्नाथ के नंदीघोष रथ के दर्शन करने के लिए भारी भीड़ जुटी थी, इसी दौरान भगदड़ मची। सीएम मोहन चरण माझी ने घटना पर माफी मांगी है। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'मैं और मेरी सरकार भगवान जगन्नाथ के सभी भक्तों से व्यक्तिगत रूप से क्षमा मांगते हैं। यह लापरवाही माफ करने लायक नहीं है।' इसके बाद राज्य सरकार ने पुरी के कलेक्टर और एसपी का तबादला कर दिया। चंचल राणा को नया कलेक्टर और पिनाक मिश्रा को नया एसपी बनाया गया है। साथ ही डीएसपी और कमांडेंट को निलंबित कर दिया गया है। पुरी की रथयात्रा में भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के रथों को उनकी मौसी के घर गुंडिचा मंदिर के सामने 9 दिन के लिए खड़ा कर दिया जाता है। यहां बलभद्र और सुभद्रा के रथ पहले पहुंच चुके थे। जगन्नाथ रथ बाद में पहुंचा, जिससे लोगों में उसके दर्शन करने की होड़ लग गई। इसी दौरान भगदड़ मची, जिसमें गिरने से कई लोग कुचल गए। बताया जा रहा है कि घटना के समय वहां पर्याप्त पुलिस बल तैनात नहीं था। हादसे में मारे गए लोगों के नाम बसंती साहू (36), प्रेमकांति महांति (78) और प्रभाती दास हैं। इनके शव पुरी मेडिकल कॉलेज में रखे गए हैं। शुक्रवार को सैकड़ों श्रद्धालुओं की तबीयत बिगड़ी थी।

2-3 महीनों में ही झुग्गियां तोड़कर आपकी छत छीन ली

- अरविंद केजरीवाल बोले-झूठी निकली मोदी की सब गारंटी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी ने रविवार को दिल्ली में झुग्गियों को तोड़े जाने के खिलाफ जंतर-मंतर पर 'घर रोजगार बचाओ आंदोलन' का आयोजन किया। इसमें आप के मुखिया अरविंद केजरीवाल ने भारतीय जनता पार्टी पर जमकर

हमला बोला। उन्होंने कहा, 'मैंने चुनाव से पहले कहा था कि इन्हें वोट मत देना, नहीं तो ये आपकी जमीन छीन लेंगे। इन लोगों ने झुग्गियां तोड़ दीं। प्रधानमंत्री मोदी झूठे हैं, उन्होंने चुनाव से पहले वादा किया था कि 'जहां झुग्गी है, वहीं मकान देंगे' लेकिन ऐसा नहीं हुआ।' दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा, 'मैं बीजेपी के एक बड़े नेता से बात कर रहा था। वो बोला कि दिल्ली की सारी झुग्गियां तोड़ेंगे।

पहाड़ से मैदान..बारिश बाढ़ से सब हलाकान

झारखंड में 162 बच्चे फंसे, रेसक्यू टीम ने बचाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। झारखंड के जमशेदपुर में लव कुश आवासीय स्कूल में बारिश के बाद बाढ़ जैसे हालात बन गए। स्कूल में 162 बच्चे फंस गए। सोशल मीडिया से जानकारी मिलने के बाद जमशेदपुर पुलिस ने बच्चों को बचाया। उधर, उत्तरकाशी में यमुनोत्री मार्ग पर बादल फटने से निर्माणाधीन होटल में काम करने वाले 2 मजदूरों की मौत हो गई और 7 मजदूर लापता हैं। वहीं, बागेश्वर में सरयू नदी ने खतरे का निशान पार कर लिया है। अलकनंदा और सरस्वती भी खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। देश के ज्यादातर हिस्सों में मानसूनी बारिश जारी है। उत्तराखंड में शनिवार से भारी बारिश जारी है। यहां चारधाम यात्रा अगले 24 घंटे के लिए रोक दी गई है। यात्रियों को हरिद्वार, ऋषिकेश, श्रीनगर, रुद्रप्रयाग, सोनप्रयाग और विकासनगर में ही रोकने के आदेश दिए गए हैं। मानसून ने पूरे देश को कवर कर लिया है। मौसम विभाग ने बताया है कि आमतौर पर यह 8 जुलाई तक होता है, लेकिन इस बार मानसून 9 दिन पहले ही पूरे देश में फैल गया। देशभर में आज बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। केरल में भारी बारिश के बाद कई नदियों का जलस्तर बढ़ गया है। राज्य के पलक्कड़ और पथानामथिट्टा जिलों के बांधों के गेट खोले गए हैं। निचले इलाकों से लोगों को निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है। भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र ने कहा-आज केरल तटीय इलाकों में 2- 3 मीटर तक ऊंची लहरें उठने की संभावना है।

विधायक की कार गुजरी, लेकिन एंबुलेंस नहीं जाने दी

यूपी में मां का शव लेकर 1 किमी पैदल चला बेटा, फिर ऑटो से घर ले गया

हमीरपुर (एजेंसी)। यूपी के हमीरपुर से मानवता को शर्मसार करने वाली तस्वीर सामने आई है। यहां यमुना पुल पर मरम्मत के चलते वाहनों की एंट्री बंद है। इसके बाद भी भाजपा विधायक की कार पुल से होकर गुजरी, लेकिन मजदूर की मां का शव लेकर जा रही एम्बुलेंस को रोक दिया गया। बेटों ने पुलिसकर्मियों के हाथ-पैर जोड़े, काफी देर तक मिन्नतें कीं, लेकिन पुलिसकर्मी एम्बुलेंस को भेजने के लिए राजी नहीं हुए। इसके बाद बेटे ने स्ट्रेचर सहित एम्बुलेंस से शव को उतारा और करीब 1 किमी पैदल चलकर पुल पार किया। स्ट्रेचर को एक तरफ बेटा, तो दूसरी तरफ एम्बुलेंस ड्राइवर और चिकित्सा कर्मी पकड़े हुए थे। इसके बाद शव को ऑटो से लेकर घर गया। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो भी सामने आया है मामला कानपुर-सागर हाईवे एनएच-34 का है। कानपुर-सागर (एनएच-34) पर यमुना नदी पर बने पुल की मरम्मत का काम शनिवार सुबह 6 बजे से शुरू हुआ। इसके चलते पुल से वाहनों की आवाजाही दो दिन के लिए रोक दी गई। शनिवार सुबह 6.44 बजे सदर विधायक मनोज प्रजापति की कार को पार कराने के लिए यमुना पुल

पर लगी बैरिकेडिंग हटा दी गई। इसके तीन घंटे बाद सुबह 9.30 बजे टेढ़ा गांव निवासी बिंदा (25) अपनी मां शिवदेवी (63) के शव को लेकर कानपुर से एम्बुलेंस में लौटे, लेकिन पुल पर तैनात पुलिसकर्मियों ने एम्बुलेंस को रोक दिया। इसके बाद बिंदा को स्ट्रेचर पर अपनी मां के शव को करीब 1 किमी तक पुल के उस पार ले जाना पड़ा। फिर उन्होंने शव को एक ऑटो में रखवाया और घर के लिए रवाना हुए।

वरिष्ठ अधिकारियों के बच्चों को आरक्षण के लाभ क्या जरुरत: सीजेआई गवई

नागपुर (एजेंसी)। देश के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) भूषण रामकृष्ण गवई ने कहा है कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा एससी एसटी के भीतर क्रीमी लेयर सिद्धांत को लागू करने की मान्यता देना बतौर न्यायाधीश उनके करियर के सबसे महत्वपूर्ण क्षणों में से एक रहा है। उन्होंने इसे सामाजिक न्याय को परिष्कृत करने की दिशा में एक निर्णायक कदम बताया। उन्होंने कहा, उच्च पद पर बैठे एससी एसटी जाति के अधिकारियों के बच्चों को उन्हीं लाभों का पात्र मानना आरक्षण की मूल भावना को कमजोर करता है। वह इसी का लाभ लेकर इस पद पर पहुंचे हैं। सीजेआई गवई ने एक इंटरव्यू में यह बातें कही हैं।

यह टिप्पणी उस जनहित याचिका (पीआईएल) पर सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले के बाद आई है जिसमें एससी एसटी समुदाय के भीतर उप–वर्गीकरण को मंजूरी दी गई है ताकि आरक्षण का लाभ वंचितों तक सही रूप में पहुंच सके।14 मई को 52वें सीजेआई नियुक्त किए गए गवई ने न्यायिक अतिक्रमण के खिलाफ भी चेतावनी दी। उन्होंने कहा, न्यायिक सक्रियता बनी रहेगी, लेकिन इसे न्यायिक दुस्साहस या न्यायिक आतंकवाद नहीं बनना चाहिए। संसद कानून बनाती है, कार्यपालिका उन्हें लागू करती है और न्यायपालिका संवैधानिक अनुपालन सुनिश्चित करती है। अतिक्रमण इस संतुलन को बिगाड़ता है। संविधान केवल एक कानूनी दस्तावेज नहीं है, यह सामाजिक परिवर्तन का एक साधन है। उन्होंने लगभग 300 निर्णय लिखे हैं, जिनमें अनुच्छेद 370, चुनावी बॉन्ड और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर ऐतिहासिक फैसले शामिल हैं। गवई पांच न्यायाधीशों की पीठ का हिस्सा थे, जिसने अनुच्छेद 370 को निरस्त करने का समर्थन किया। इसे अंबेडकर के एक राष्ट्र, एक संविधान के दृष्टिकोण के अनुरूप बताया।

ये देश किसी के बाप का नहीं...

- वक्फ संशोधन बिल के खिलाफ जमकर गरजे तेजस्वी यादव

पटना (एजेंसी)। पटना में वक्फ संशोधन बिल के खिलाफ मुस्लिम संगठनों ने आवाज बुलंद की है। इस रैली में बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव भी शामिल हुए हैं। पटना के गांधी मैदान में वक्फ बचाओ दस्तूर बचाओ कांफ्रेंस के दौरान अपने भाषण में तेजस्वी यादव मंच से खूब गरजे। तेजस्वी यादव ने कहा कि यह देश किसी के बाप का नहीं है। आजाद की लड़ाई में सभी लोगों के पूर्वजों ने अपना बलिदान दिया है। बिहार में

किसी भी कीमत पर वक्फ बिल संशोधन लागू नहीं किया जाएगा। उत्तर से दक्षिण हिन्दुस्तान की सरजमीं का हर एक-एक इंच का इतिहास और हर एक पन्ना चीख-चीख कर इस बात की गवाही देता है कि हमारे स्वतंत्रता संग्राम की लड़ाई में चाहे हिंदू या मुसलमान, सिख हो या ईसाई सभी लोगों ने देश की आजादी के लिए कुर्बानी देने का काम किया है, ये देश किसी के बाप का देश नहीं है..हम सबों का देश है। तेजस्वी यादव ने कहा कि इस देश के लिए सभी लोगों ने शहादत दी है तब जाकर हम लोगों को आजादी मिली है। सबसे अहम बात यह है कि आपके जमीनों को छिना जा रहा है। अब भाजपा सत्ता से जाने वाली है।

आने वाले समय में और सशक्त होगा भारत

पीएम मोदी ने कहा-जनभागीदारी से देश और आगे बढ़ रहा है

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी ने रेडियो शो मन की बात के 123वें एपिसोड के तहत देश को संबोधित किया। एपिसोड की शुरुआत में उन्होंने योग दिवस के बारे में बात की। उन्होंने कहा- 21 जून

- मन की बात में बोले-इमरजेंसी में लोगों को प्रताड़ित किया गया

को देश-दुनिया के करोड़ों लोगों ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस में हिस्सा लिया। योग की भव्यता बढ़ती जा रही, लोग दैनिक जीवन में इसे अपना रहे। पीएम ने कहा- इस बार हमने योग दिवस की आकर्षक तस्वीरें देखीं। विशाखापत्तनम में 3

लाख लोगों ने एक साथ योग किया। हमारे नौसेना ने जहाजों पर और जम्मू में लोगों ने दुनिया के सबसे ऊंचे ब्रिज पर योग किया। वडनगर में 2100 लोगों ने एक साथ भुजंगासन करके रिकॉर्ड बना दिया। पीएम ने आगे कहा- इमरजेंसी के दौर में लोगों को प्रताड़ित किया गया। अनेक लोगों को कठोर यातनाएं दी गई। मीसा के तहत किसी को भी ऐसे ही गिरफ्तार कर लिया जाता था। उन पर ऐसे ही अमानवीय अत्याचार किए गए। आखिर में जनता की जीत हुई और आपातकाल हटा लिया गया। जनता की जीत हुई और आपातकाल लगाने वालों की हार हुई। इंटरनेशनल लेबल ऑर्गनाइजेशन की रिपोर्ट आई है। इसमें सामने आया है कि देश के 95 करोड़ लोग किसी न किसी सरकारी योजना का लाभ उठा रहे हैं। इन सफलताओं ने एक विश्वास दिलाया है कि आने वाले समय में भारत और सशक्त होगा। साथियों, जनभागीदारी से देश और आगे बढ़ रहा है। धार्मिक यात्राएं सेवा के अवसर का महाअनुष्ठान होती है। जितने लोग यात्रा में जाते हैं उससे ज्यादा लोग उनकी सेवा में जुट जाते हैं। लंबे समय के बाद कैलाश मानसरोवर की यात्रा शुरू हुई है।

तेलंगाना में कांग्रेस का भरोसा खत्म, अब भाजपा की सरकार बनेगी: अमित शाह

-केन्द्रीय मंत्री अमित शाह ने निजामाबाद में किसानों की सभा को किया संबोधित

नई दिल्ली (एजेंसी)। निजामाबाद, 29 जून (वेब वार्ता)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने निजामाबाद में एक जनसभा में कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा। शाह ने कहा कि राहुल गांधी ऑपरेशन सिंदूर का सबूत मांग रहे हैं। राहुल गांधी पाकिस्तान की बातें सुन रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर से पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी दी गई थी। तेलंगाना में कांग्रेस पर जनता का भरोसा खत्म हो गया लेकिन राज्य में भ्रष्टाचार जारी है। उन्होंने दावा किया अब तेलंगाना में भी भाजपा की सरकार बनेगी।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह रविवार को यहां राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड कार्यालय के उद्घाटन के बाद स्थानीय पॉलिटेक्निक मैदान पर आयोजित किसान सभा को संबोधित कर रहे थे। शाह ने राज्य की कांग्रेस सरकार और राहुल गांधी पर प्रहार किये। उन्होंने कहा कि तेलंगाना कांग्रेस ने राज्य की सरकार को दिल्ली के लिए एटीएम बना दिया है। तेलंगाना में भरोसा खत्म हो गया है, लेकिन भ्रष्टाचार खत्म नहीं हुआ है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ऑपरेशन सिंदूर का सबूत मांग रहे हैं। वे देश की जनता की नहीं बल्कि पाकिस्तानियों की बातें सुन रहे हैं।

स्मृति मंधाना के शतक से भारत ने इंग्लैंड को पहले टी20 में 97 रन से हराया

नॉटिंघम (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने शनिवार को नॉटिंघम में खेले गए पहले टी20 मुकाबले में मेजबान इंग्लैंड को 97 रन से करारी शिकस्त देकर पांच मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। भारत की इस शानदार जीत की नायक रहीं कप्तान स्मृति मंधाना, जिन्होंने दमदार शतक जड़कर टीम की नींव मजबूत की।

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत सधी हुई रही, लेकिन असली कमाल कप्तान स्मृति मंधाना ने किया। उन्होंने 55 गेंदों पर 103 रन की तूफानी पारी खेली, जिसमें 14 चौके और 3 छक्के शामिल थे। उनके साथ जेमिमा रॉड्रिग्स (32 रन) और दीप्ति शर्मा (28 रन) ने भी अहम योगदान दिया। भारत ने निर्धारित 20 ओवरों में 5 विकेट पर 210 रन बनाए, जो कि इंग्लैंड के खिलाफ भारत का अब तक का सर्वाधिक टी20 स्कोर है।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। शुरुआती झटकों के बाद कप्तान नेट सिवर ब्रंट ने 41 गेंदों में 66 रन बनाकर लड़ाई की कोशिश जरूर की, लेकिन उन्हें कोई खास सहयोग नहीं मिला। इंग्लैंड की पूरी टीम 14.5 ओवर में 113 रन पर सिमट गई।

भारतीय गेंदबाजों ने विपक्षी बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया। श्री चरणी ने अपनी शानदार गेंदबाजी से 4 विकेट झटके, जबकि दीप्ति शर्मा और राधा यादव ने 2-2 विकेट अपने नाम किए। अमनजोत कौर और अरुंधति रेड्डी ने भी 1-1 सफलता हासिल कर इंग्लैंड की कमर तोड़ दी। अब दोनों टीमें 01 जुलाई को ब्रिस्टल में दूसरे टी20 मुकाबले में आमने-सामने होंगी। भारत इस जीत को दोहराने की कोशिश करेगा, जबकि इंग्लैंड वापसी की रणनीति पर काम करेगा।

विंबलडन रिकॉर्ड 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने का सबसे अच्छा मौका : नोवाक जोकोविच

लंदन (एजेंसी)। नोवाक जोकोविच से भले ही अब किसी टूर्नामेंट के शुरू होने पर अक्सर उनके संन्यास को लेकर सवाल किया जाता है लेकिन इस स्टार टेनिस खिलाड़ी की निगाह सोमवार से शुरू होने वाले विंबलडन पर टिकी हैं जिसे वह अपना रिकॉर्ड 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने का सर्वश्रेष्ठ मौका मानते हैं।

जोकोविच अभी 38 साल के हैं और विंबलडन से पहले उनसे यही सवाल पूछा गया कि क्या वह आखिरी बार इस प्रतियोगिता में खेलेंगे। इस 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन का जवाब भी रटा रटाया था। जोकोविच ने कहा, 'क्या यह मेरा आखिरी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट हो सकता है। इसको लेकर अभी मैं पक्के तौर पर कुछ नहीं कह सकता हूं। मैं अगले साल फ्रेंच ओपन या किसी अन्य ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में भाग लूंगा या नहीं, इसको लेकर निश्चित नहीं हूं।' उन्होंने कहा, 'मेरी इच्छा कई और साल तक खेलना है। मैं शारीरिक और मानसिक रूप से पूरी तरह फिट रहना चाहता हूं। यही मेरा लक्ष्य है लेकिन उम्र के इस पड़ाव पर आप पक्के तौर पर कुछ नहीं कह सकते कि आगे क्या होगा।'

जोकोविच ने यह स्वीकार किया कि ऑल इंग्लैंड क्लब उन्हें एक और ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीतने का सबसे अच्छा अवसर प्रदान कर सकता है, जिससे वह अपने करियर में कुल 25 खिताब जीत सकेंगे। यह एक ऐसी संख्या जिस तक कोई भी टेनिस खिलाड़ी नहीं पहुंच पाया है। विंबलडन में सात बार के चैंपियन जोकोविच ने कहा, 'मैं इस बात पर सहमत हो सकता हूं कि विंबलडन में फिर से चैंपियन बनने का यह मेरे लिए सबसे अच्छा मौका हो सकता है। यह परिस्थितियों पर निर्भर करेगा लेकिन अभी मैं बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं।' जोकोविच मंगलवार को पहले दौर में एलेक्जेंडर मुलर का सामना करेंगे।

विदेश में ऋषभ पंत के शतक वाले ज्यादातर मैचों में भारत हारा

– पंत के 5 टेस्ट में 6 शतक के बावजूद 4 हार और 1 ड्रॉ

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के आक्रामक विकेटकीपर-बल्लेबाज़ ऋषभ पंत ने विदेशी जमीन पर टेस्ट क्रिकेट में अब तक 6 शानदार शतक जड़े हैं, लेकिन यह भारतीय क्रिकेट के लिए एक अनोखा और कुछ हद तक निराशाजनक संयोग भी रहा है कि जिन 5 टेस्ट मैचों में उन्होंने ये सेंचुरी लगाई, उनमें से एक में भी भारत को जीत नसीब नहीं हुई। पंत के विदेशी शतकों में भारत को चार बार हार झेलनी पड़ी और एक मुकाबला ड्रॉ रहा। उनका यह सिलसिला इंग्लैंड के खिलाफ लीड्स टेस्ट से शुरू होता है और अब तक जारी है।

पंत ने इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की सीरीज के दौरान हेडिंग्ले के मैदान पर पहली पारी में 134 और दूसरी पारी में 118 रन की दो जबरदस्त पारियां खेलीं। लगा कि यह मैच भारत के पक्ष में जाएगा, मगर भारत 5 विकेट से हार गया। इसके बाद भी पंत का शानदार प्रदर्शन जारी रहा, लेकिन नतीजे भारत के पक्ष में नहीं जा सके। साल 2018 में उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ केनिंगटन ओवल में अपने करियर का पहला टेस्ट शतक जमाया था। उन्होंने 114 रन बनाए थे, पर भारत वह मैच भी हार गया। 2019 में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर सिडनी टेस्ट में उन्होंने 159 रन की नाबाद पारी खेली। उस समय उनकी बल्लेबाज़ी ने टीम इंडिया को मजबूत स्थिति में पहुंचाया, लेकिन मैच का नतीजा नहीं निकल सका और मुकाबला ड्रॉ रहा। 2022 में पंत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ केप टाउन के न्यूलैंड्स टेस्ट में 100 रन की नाबाद पारी खेली थी। इसके बावजूद भारत को हार का सामना करना पड़ा। इसी साल इंग्लैंड के खिलाफ एजबस्टन में पंत ने 146 रन की शानदार पारी खेली। यह पारी उस मुश्किल समय में आई जब भारत संकट में था। उन्होंने टीम को संभाला, लेकिन इसके बावजूद भारत मैच हार गया। इस तरह ऋषभ पंत ने विदेशी सरजमीं पर पांच टेस्ट में छह शतक लगाए हैं, मगर इनमें से भारत को एक भी जीत नसीब नहीं हुई।

फैंस और विशेषज्ञ दोनों ही मानते हैं कि पंत का विदेशी पिचों पर यह आक्रामक और भरोसेमंद अंदाज भारतीय टेस्ट क्रिकेट के लिए बेहद जरूरी है। अब सभी की नजरें इस बात पर हैं कि क्या आने वाले इंग्लैंड दौरे में यह संयोग टूटेगा और पंत की शतकीय पारी भारत को जीत दिला पाएगी। भारतीय क्रिकेट प्रेमियों को उम्मीद है कि ऋषभ पंत का यह दुर्भाग्यपूर्ण आंकड़ा जल्द ही बदल जाएगा और उनकी शतकीय पारियां भविष्य में भारत की जीत की गारंटी बनेंगी।

गौतम गंभीर पर बढ़ा दबाव, टेस्ट क्रिकेट में नतीजे देने की चुनौती: आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। गौतम गंभीर जब से भारतीय क्रिकेट टीम के कोच बने है तब से टीम के प्रदर्शन को लेकर लगातार चर्चा हो रही है। उनके कोच बनने के बाद टीम में कई बदलाव देखे गए हैं। हालांकि गंभीर बार-बार यह कहते रहे हैं कि टीम का चयन वे नहीं करते, लेकिन सभी जानते हैं कि चयन समिति कप्तान और कोच से बातचीत के बाद ही टीम को अंतिम रुप देने का काम करती है। रोहित शर्मा की कप्तानी में भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी जैसे अहम टूर्नामेंट जीते हैं, लेकिन टेस्ट क्रिकेट में हाल के वर्षों में टीम के प्रदर्शन में लगातार गिरावट दर्ज की गई है। इसी को लेकर उनके पुराने साथी और पूर्व भारतीय ओपनर आकाश चोपड़ा ने भी खुलकर कहा है कि अब गंभीर को नतीजे देने होंगे।

हाल ही में न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में भारत को हार झेलनी पड़ी। इंग्लैंड के खिलाफ भी सीरीज की शुरुआत अच्छी नहीं रही। हेडिंग्ले टेस्ट में शुभमन गिल की कप्तानी वाली टीम ने 371 रन का बड़ा लक्ष्य देने के बावजूद पांच विकेट से हार का सामना किया। आकाश चोपड़ा का मानना है कि अब गंभीर के पास ज्यादा समय नहीं है और उन्हें जल्द अच्छे नतीजे देने होंगे वरना उन पर दबाव और बढ़ेगा। आकाश चोपड़ा ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा कि शुभमन गिल को फिलहाल दोष नहीं दिया जा सकता क्योंकि उन्होंने हाल ही में कप्तानी संभाली है और उन्हें अभी वक्त मिलेगा। लेकिन कोच के तौर पर गंभीर से सवाल जरूर पूछे जाने चाहिए। उनके मुताबिक 'भारतीय क्रिकेट में यह सिद्धांत है कि अच्छा होगा तो तारीफ होगी और खराब होगा तो आलोचना भी होगी। मैं गिल के साथ अभी धैर्य रखूंगा, लेकिन गंभीर से सवाल जरूर होंगे।'

आकाश चोपड़ा ने गंभीर के टेस्ट रिकॉर्ड की भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि गंभीर की कोचिंग में भारत ने बांग्लादेश के खिलाफ दो और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक टेस्ट मैच जीता है, लेकिन न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन और इंग्लैंड के खिलाफ एक टेस्ट हार भी झेली है। उन्होंने साफ कहा कि गंभीर लगातार हार रहे हैं और दबाव बढ़ता जा रहा है।

चोपड़ा ने यह भी कहा कि बीसीसीआई ने गंभीर की सभी मांगें मानी हैं। 'जो भी खिलाड़ी मांगा गया, वो दिया गया। चयनकर्ता वही दे रहे हैं जो टीम मैनेजमेंट चाहता है। ऐसे में अब कोई बहाना नहीं है। आपको नतीजे देने होंगे। सफेद गेंद क्रिकेट में प्रदर्शन अच्छा है, लेकिन टेस्ट में सवाल उठेंगे और इंग्लैंड के खिलाफ यह सीरीज बहुत अहम है। अगर यह सीरीज खराब गई तो सवाल जरूर खड़े होंगे।'

शास्त्री बोले, शुभमन को अगले तीन साल तक कप्तान बने रहने दें

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने कहा है कि युवा कप्तान शुभमन गिल की कप्तान का अंदाज काफी अच्छी है । इसलिए अगले तीन साल तक उन्हें अवसर दिया जाना चाहिये । शास्त्री ने कहा कि इस दौरान टीम का प्रदर्शन चाहे कैसा भी रहे शुभमन को नहीं बदला जाना चाहिये । रोहित शर्मा के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के बाद शुभमन को इंग्लैंड दौरे से पहले कप्तान बनाया गया था । शुभमन की कप्तानी में भारतीय टीम ने पहले ही टेस्ट में पांच शतक लगाये पर इसके बाद भी उसे हार का सामना करना पड़ा । भारतीय टीम का प्रदर्शन पूरे मैच के दौरान अच्छा था हालांकि कुछ गलतियों के कारण उसे हार झेलनी पड़ी पूर्व कोच के अनुसार रोहित शर्मा और विराट कोहली व आर अश्विन जैसे सीनियर खिलाड़ियों के बाहर होने के बाद शुभमन अब एक बदलाव के दौर से गुजर रही भारतीय टीम की कप्तानी कर रहे हैं । शास्त्री ने कहा कि गिल में क्लास और शांति का एक अनोखा संगम है जो उन्हें दूसरों से अलग बनाता है । इसलिए अगर वह कप्तानी में आगे नहीं बढ़ते हैं तो मुझे निराशा होगी । उनमें एक सहज, नजाकत है और जब वह बल्लेबाजी करते हैं तो उनमें एक शाही अंदाज दिखता है । अगर वह अनुभव से सीख सकते हैं और हालातों के अनुकूल ढल सकते हैं, तो मुझे लगता है कि मैं सिर्फ उन्हीं का नाम ले सकता हूं ।

छक्का लगाने ही दिल का दौर पड़ने से खिलाड़ी की मौत

चंडीगढ़ । खेल के मैदान में खिलाड़ियों की मौत के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं । अब पंजाब के फिरोजपुर का एक मामला सामने आया है । यहां एक खिलाड़ी की बल्लेबाजी के दौरान ही मौत हो गयी। प्राप्त जानकारी के अनुसार छक्का लगाने के तत्काल बाद खिलाड़ी को दिल का दौरा पड़ा जिस कारण उसकी मौत हो गई । इस घटना का एक वीडियो भी सामने आया है । ये एक निजी स्कूल के मैदान में चल रहा मैच था । जिसमें बल्लेबाज हरजीत सिंह की मौत हो गयी। वीडियो में देखा जा सकता है कि युवक बल्लेबाजी कर रहा है और एक गेंद पर छक्का लगाता है। छक्का लगाने के बाद खिलाड़ी घबराहट होने के कारण क्रीज पर ही बैठ जाता है जिसके बाद नॉन स्ट्राइक पर खड़ा बल्लेबाज भी उसके साथ आकर बैठता है । इस दौरान स्टाइकर जमीन पर गिर जाता है और सभी साथी खिलाड़ी दौड़कर उसे देखते हैं। इस खिलाड़ी के पिच पर गिरने के बाद उसे प्राथमिक उपचार के तहत सीपीआर भी दी जाती है पर उसे बचाया नहीं जा सका । इस घटना से अन्य खिलाड़ी भी हैरान होने के साथ ही सदमें में हैं ।

सैमी पर आईसीसी ने 15 फीसदी जुर्माना लगाया

दुबई । वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के कोच डैरन सैमी को टीवी अंपायर एड्रियन होल्डस्टॉक की सार्वजनिक रूप से आलोचना करना महंगा पड़ा है । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने सैमी को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट के दौरान टीवी अंपायर की सार्वजनिक रूप से आलोचना करने का दोषी पाते हुए उनपर मैच फीस का 15 फीसदी जुर्माना लगाया है । सैमी ने मैच के दूसरे दिन डिसीजन रिव्यू सिस्टम (डीआरएस) के फैसलों पर सवाल उठाये थे । सैमी ने मैच के बाद मीडिया से बात करते हुए तीसरे अंपायर के फैसले पर सवाल उठाए थे, इसी कारण से उन पर यह जुर्माना लगाया गया है । इस मैच में वेस्टइंडीज को हार का सामना करना पड़ा है । इस मैच में अंपायर पर एक नहीं पांच-पांच गलत फैसले देने के आरोप लगे । इसमें से चार वेस्टइंडीज के खिलाफ गये जिससे उसकी परेशानी बढ़ गयी । इस मैच में ऑस्ट्रेलिया के ट्रैविस हेड को डीआरएस के बाद नॉट आउट दिया गया । वहीं वेस्टइंडीज के शाई हॉप के आउट होने पर भी सवाल उठे । सैमी ने रोस्टन चेज और ऑस्ट्रेलिया के कैमरून ग्रीन से जुड़े एलबीडब्ल्यू की गलतियों के बारे में भी बताया । सैमी ने कहा था, जो तस्वीरें हम देख रहे हैं, उससे लगता है कि दोनों टीमों के लिए फैसले निष्पक्ष नहीं हैं । मैं इस में स्पष्टता चाहता हूं । सैमी ने मैच अधिकारी के खिलाफ बयान देने के चलते ही आईसीसी ने उन्हें आचार संहिता के उल्लंघन का दोषी पाया है ।इससे पहले वेस्टइंडीज की टीम के तेज गेंदबाज जेडन सील्स पर भी विरोधी टीम के कप्तान पैट कमिंस से खराब व्यवहार के लिए मैच फीस का 15 फीसदी जुर्माना लगा था । पहला टेस्ट हारने से तीन मैच की सीरीज में वेस्टइंडीज 0-1 से पीछे है ।

स्टीव स्मिथ जल्द वापसी कर सकते है : पैट कमिंस

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया ने शुक्रवार को वेस्टइंडीज को पहले टेस्ट मैच में 159 रनों से हराकर सीरीज में बढ़त बना ली। हालांकि, स्कोरलाइन से अलग मैच में वेस्टइंडीज ने ऑस्ट्रेलिया को कड़ी टक्कर दी, लेकिन कमजोर बल्लेबाजी के चलते उन्हें हार झेलनी पड़ी। खास बात यह रही कि ऑस्ट्रेलियाई टीम इस मुकाबले में अपने दो प्रमुख बल्लेबाजों स्टीव स्मिथ और मार्नस लाबुशेन के बिना उतरी। स्मिथ चोटिल होने के कारण बाहर रहे जबकि लाबुशेन को लगातार खराब फॉर्म की वजह से टीम से ड्रॉप किया गया।

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने बताया कि स्मिथ अपनी चोट से उबरने की प्रक्रिया में हैं। उन्हें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में स्लिप में कैच लेते समय चोट लगी थी। कमिंस के मुताबिक स्मिथ ने न्यूयॉर्क में हल्की प्रैक्टिस भी शुरू कर दी है। उन्होंने कहा, 'उन्होंने न्यूयॉर्क में कुछ ओवर खेले हैं, शायद टेनिस बॉल से ही सही। घाव अब ठीक लग रहा है। अगला स्टेज यहां आकर नेट्स में गेंदें खेलना है। हम आने वाले दिनों में देखेंगे कि वह कब तक पूरी तरह फिट हो पाते हैं।' स्मिथ की कोशिश 3 जुलाई से ग्रेनेडा में होने वाले दूसरे टेस्ट तक फिट होकर लौटने की है।

पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया को उनकी गैरमौजूदगी काफी खली। पहली पारी में टीम ने 22 रन तक तीन विकेट गंवा दिए थे, जबकि दूसरी पारी में 65 तक चार विकेट गिर गए। यह 2018 के बाद पहली बार था जब ऑस्ट्रेलिया की टीम स्मिथ और लाबुशेन दोनों के बिना उतरी। लाबुशेन की जगह मिले मौके में युवा सैम कोटास प्रभावित नहीं कर सके। उन्होंने पहली पारी में तीन और दूसरी में सिर्फ पांच रन बनाए और दोनों पारियों में शमार जोसेफ का शिकार बने।

जोश इंग्लिश भी खास योगदान नहीं दे सके और कुल 17 रन ही बना पाए। इसके बावजूद ऑस्ट्रेलिया ने गेंदबाजों के दम पर जीत दर्ज की। कमिंस ने यह भी माना कि बल्लेबाजी में सुधार की जरूरत है और स्मिथ की वापसी से टीम को संतुलन मिलेगा। वेस्टइंडीज की ओर से गेंदबाजों ने अच्छा संघर्ष किया लेकिन बल्लेबाज दबाव नहीं झेल सके और पूरी टीम दोनों पारियों में लड़खड़ा गई। इस जीत से ऑस्ट्रेलिया ने सीरीज में 1-0 की बढ़त ले ली और अब उनकी नजरें दूसरे टेस्ट में क्लीन स्वीप पर हैं।

गेंदबाजी कोच के साथ डब्ल्यूडब्ल्यूई जैसे फाइट करते दिखे अर्शदीप और आकाशदीप

बर्मिंघम । यहां भारतीय टीम 2 जुलाई से यहां शुरु होने वाले दूसरे टेस्ट की तैयारियों में लगी है । इसी अभ्यास सत्र के दौरान कुछ खिलाड़ी गेंदबाजी कोच के साथ हंसी मजाक में लड़ाई करते दिखे । तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और आकाशदीप गेंदबाजी कोच कोच मोर्ने मॉर्केल के साथ हाथापाई कर रहे थे। ऐसा लगा रहा था जैसे तीनो के बीच डब्ल्यूडब्ल्यूई का मुकाबला हो रहा है । भारतीय टीम के अभ्यास सत्र का एक वीडियो भी सोशल मीडिया में आया है । इसमें गेंदबाज अर्शदीप सिंह और आकाशदीप को कोच मॉर्केल के साथ मस्ती करते देखा जा सकता है । मॉर्केल की सभी गेंदबाजों के साथ अच्छी बनती है और वे काम के दौरान मजाक भी करते रहते हैं । कोच और खिलाड़ियों के बीच अच्छा संबंध बना है । इसी कारण वे एक दूसरे के साथ हंसी मजाक भी करते हैं । इस वीडियो में मॉर्केल और अर्शदीप के बीच टक्कर हो रही है । इसमें कोच अर्शदीप को जमीन पर गिरा कर उनको कोहने से मारने का नाटक करते दिख रहे हैं । कोच मॉर्केल जब अर्शदीप के साथ मुकाबला करते हैं तो उनको बचाने के लिए आकाशदीप आते हैं और दोनों मिलकर कोच को जमीन पर लिटा देते हैं और फिर तीनों के बीच मजाकिया लड़ाई होती है । इस वीडियो को प्रशंसकों ने काफी पसंद किया

प्रिटोरियस सबसे कम उम्र में शतक लगाने वाले दक्षिण अफ्रीका खिलाड़ी बने

–61 साल पुराना पोलक का रिकार्ड तोड़ा

बुलावायो (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के युवा विकेटकीपर बल्लेबाज लुआन ड्रे प्रिटोरियस ने अपने डेब्यू मैच में ही 153 रनों की शतकीय पारी खेलकर एक नया रिकार्ड बनाया है। इसी के साथ ही 19 साल के प्रिटोरियस डेब्यू टेस्ट में शतक लगाने वाले दक्षिण अफ्रीका के सबसे कम उम्र के बल्लेबाज बन गये हैं। अपनी इस शतक से हाथ के इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने 61 साल पुराना रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। लुआन के शतक से दक्षिण अफ्रीकी टीम ने टेस्ट मैच के पहले ही अच्छा खासा स्कोर बना लिया। प्रिटोरियस ने 160 गेंदों पर 112 चौकों और 4 छक्कों की मदद से 153 रन बनाए। लुआन ने 19 साल 93 दिन की उम्र में ये टेस्ट शतक लगााया। इससे पहले सबसे कम उमे में शतक का रिकार्ड ग्रीम पोलॉक के नाम था जिन्होंने 1964 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट मैच में 19 साल 317 दिन की उम्र में शतक लगाया था। प्रिटोरियस ने अपना शत 112 गेंदों पर पूरा किया। प्रिटोरियस की शतकीय पारी से दक्षिण अफ्रीकी टीम ने पहले दिन का खेल खत्म होने पर पहली पारी में 9 विकेट पर 418 रन बना लिए थे। कॉर्बिन बॉश 100 रन जबकि क्वेन मफाका 9 रनों पर खेल रहे थे। अपने डेब्यू टेस्ट में डेवाल्ड ब्रेविस ने 51 रन जबकि कोडी यूसुफने 27 रन बनायचे। इस मैच में दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला उसकी शुरुआत अच्छी नहीं रही और .उसने अपने शीर्ष के 4 विकेट केवल 55 रनों पर ही खो दिये। इसके बाद प्रिटोरियस और डेवाल्ड ब्रेविस ने मिलका पारी को संभालाकर आगे बढ़ाया।

चैड गेबल को कंधे पर गंभीर चोट, जुलाई में होगी सर्जरी, डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यूई को बड़ा झटका

नई दिल्ली । डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यूई सुपरस्टार चैड गेबल को जुलाई के पहले हफ्ते में सर्जरी करानी पड़ेगी । मंडे नाइट रॉ के ताजा एपिसोड में पेंटा के साथ मुकाबले में उन्हें कंधे में गंभीर चोट लगी । मैच के दौरान पेंटा ने गेबल पर आर्मबार सबमिशन मूव लगाया, जिससे गेबल दर्द से चिल्लाते दिखे । बताया जा रहा है कि इस चोटिल एंगल को जानबूझकर बुना गया ताकि गेबल को पहले से लगी चोट की वजह से टीवी से हटाया जा सके । दरअसल, मंडे नाइट रॉ में ब्रॉन ब्रेकर से हारने के बाद गेबल ने पेंटा को भड़काते हुए उसका मजाक उड़ाया और मास्क उतारने की धमकी दी । इस पर पेंटा ने जवाबी हमला किया और आर्मबार लगा दिया, जिससे गेबल का कंधा बुरी तरह मुड़ गया । रिपोर्ट्स के मुताबिक गेबल को पहले से ही कंधे में चोट थी और इसी कारण डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यूई ने उन्हें स्टोरीलाइन में भी चोटिल दिखाकर ब्रेक दिलाने का प्लान बनाया । दिलचस्प बात यह है कि एल ग्रांडे अमेरिकानो नाम के एक और रेसलर को भी ठीक उसी तरह की चोट लगी । इसी वजह से कुछ फैंस का अंदाजा है कि गेबल ही एल ग्रांडे अमेरिकानो के गियर में डबल रोल निभा रहे थे, लेकिन इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है । चैड गेबल डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यूई के सबसे हुनरमंद टेक्निकल रेसलर्स में गिने जाते हैं । उनके चोटिल होकर लंबे समय तक बाहर रहने से रॉ ब्रांड और टैग टीम डिवीजन को बड़ा झटका लगेगा । उन्हें सर्जरी के बाद रिकवरी में कई हफ्ते या महीने लग सकते हैं । फैंस और डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यूई को उम्मीद है कि वह जल्द स्वस्थ होकर रिंग में वापसी करेंगे । चोटों का यह दौर डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यूई के लिए चिंता का विषय है, क्योंकि हाल के हफ्तों में कई स्टार्स चोट की वजह से बाहर हो चुके हैं । अब सबकी नजर गेबल की सर्जरी और उनकी रिकवरी टाइमलाइन पर रहेगी ।

भारत बुमराह पर बहुत अधिक निर्भर, इस गेंदबाज को अगले मैच में खिलाना चाहिए: अजहरुद्दीन

हैदराबाद (एजेंसी)। पूर्व कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन ने कहा कि भारत को अपने गेंदबाजी आक्रमण में और अधिक अनुभव जोड़ने और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पर बोझ कम करने के लिए इंग्लैंड के खिलाफ एजबेस्टन टेस्ट में बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव को खिलाना चाहिए। लीड्स में पहले टेस्ट में जिसे भारत ने 5 विकेट से गंवा दिया था, मेहमान टीम विकेट के लिए बुमराह पर बहुत अधिक निर्भर थी और रनों के प्रवाह को कम कर रही थी।

अजहरुद्दीन ने कहा, 'वे बुमराह पर बहुत अधिक निर्भर हैं। यह आसान नहीं है क्योंकि आपको अधिक अनुभवी गेंदबाजों की आवश्यकता है, और उन्हें कुलदीप यादव को खिलाना चाहिए।' भारत 2 जुलाई से बर्मिंघम में दूसरे टेस्ट में इंग्लैंड का सामना करेगा और पिच, जिसके सूखी होने की उम्मीद है, कुलदीप को कुछ सहायता प्रदान कर सकती है।

भारत ने कप्तान शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल और ऋषभ पंत के शतकों की मदद से पहली पारी में 471 रन बनाए। केएल राहुल और पंत के शतकों की बदौलत उन्होंने दूसरी पारी में 364 रन बनाए, लेकिन दोनों ही पारियों में मध्यक्रम और अंतिम क्रम के बल्लेबाजों के खराब प्रदर्शन के कारण मेहमान टीम मजबूत स्कोर या लक्ष्य हासिल नहीं कर सकी। अजहरुद्दीन ने टीम को लीड्स की हार से उबारने के लिए सही टीम संयोजन बनाए रखने की बात कही। उन्होंने कहा, 'हम बल्लेबाजी के खराब प्रदर्शन के कारण हारे, लेकिन अब उन्हें सही खिलाड़ी चुनने होंगे और गेंदबाजी भी सही होनी चाहिए।'

अजहरुद्दीन ने नए टेस्ट कप्तान गिल का बचाव करते हुए कहा कि उन्हें अपनी काबिलियत साबित करने के लिए पर्याप्त समय दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'यह कप्तान के तौर पर उनका पहला मैच है, आप कप्तानी के बारे में बात नहीं कर सकते। कप्तानी के बारे में बात करना अभी जल्दबाजी होगी।' अजहरुद्दीन ने कहा, 'हमें उन्हें उचित मौका देना चाहिए और उन्होंने अभी-अभी कमान संभाली है। इसलिए आपको उन्हें काफी समय और समर्थन देना चाहिए। हम सिर्फ खिलाड़ियों की शिकायत और आलोचना नहीं कर सकते।'

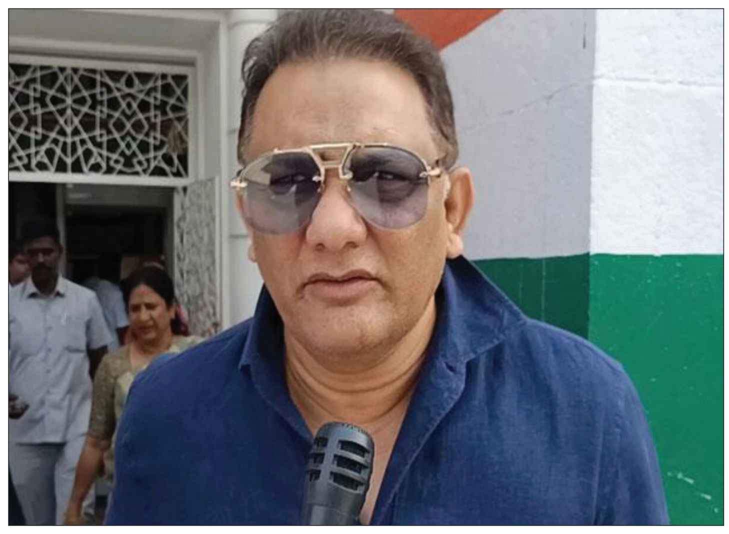

संक्षिप्त समाचार

ब्राजील की फर्स्ट लेडी बोलीं- टेक कंपनियां दक्षिणपंथी एजेंडे को बढ़ा रहीं

ब्रासीलिया, एजेंसी। ब्राजील की फर्स्ट लेडी रोसांगेला डी सिल्वा जिन्हें लोग 'जांजा' के नाम से जानते हैं, इन दिनों अपने बयानों को लेकर चर्चाओं के में हैं। बीते ?कुछ माह से उन्होंने टेक कंपनियों के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है। उनका मानना है कि टिक टॉक, गूगल व एक्स (पूर्व में ट्विटर) जैसी कंपनियां दक्षिणपंथी एजेंडे को बढ़ावा दे रही हैं। उनका आरोप है कि ये प्लेटफॉर्म लेफ्ट-लिबरल आवाजों को दबा रहे हैं।बीते माह बीजिंग में एक औपचारिक डिनर के दौरान जांजा ने अचानक चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से सीधे कहा टिकटॉक का एल्गोरिदम दक्षिणपंथी विचारधारा को प्रमोट करता है। जांजा कहती हैं कि वह सिर्फ राष्ट्रपति के साथ चलने वाली पत्नी नहीं हैं। उनका कहना है कि मैं जहां चाहूं वहां बोलूंगी, जब चाहूं बोलूंगी। वह कहती हैं कि उन्हें कोई प्रोटोकॉल नहीं रोक सकता। मैं फर्स्ट लेडी जरूर हूं, लेकिन मेरी पहचान एक जागरूक नागरिक की भी है। इस एक लाइन की आंच में अब ब्राजील के राष्ट्रपति लूला दी सिल्वा जलते दिख रहे हैं। राष्ट्रपति लूला की लोकप्रियता लगातार घट रही थी। ताजा डेटाफोल्हा पोल के मुताबिक 36त्न नागरिक मानते हैं कि जांजा की गतिविधियां सरकार को नुकसान पहुंचा रही हैं। बीते दिनों जांजा ने टेक अरबपति और एक्स के मालिक इलॉन मस्क को भी निशाने पर लिया था। उन्होंने मस्क को कायर और तानाशाहों का साथी बताया था। यह ब्राजील की राजनीतिक परंपराओं में असामान्य था।

फिलीपींस में भूकंप के जोरदार झटकों से हिली धरती, राजधानी मिंडानाओ में सहमे लोग

मिंडानाओ , एजेंसी। आज सुबह फिलीपींस में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए हैं। नेशनल सेंटर ऑफ सिस्मोलॉजी के अनुसार, रिएक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 6.0 आंकी गई है। नेशनल सेंटर ऑफ सिस्मोलॉजी सेंटर के अनुसार, भूकंप फिलीपींस की राजधानी मिंडानाओ में आज यानी शनिवार की सुबह 04ः 37 बजे आया। भूकंप का केंद्र धरती से 105 किलोमीटर नीचे था। नेशनल सेंटर ऑफ सिस्मोलॉजी (एनसीएस) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर ट्वीट शेयर करते हुए इसकी जानकारी दी है। एनसीएस ने लिखा, 28 जून 2025 को सुबह 4ः 37 बजे फिलीपींस के मिंडानाओ में 6.0 मैग्नीट्यूड के भूकंप के झटके आए हैं। बता दें कि धरती के नीचे मौजूद प्लेट्स के खिसकने की वजह से भूकंप के झटके आते हैं। वहीं फिलीपींस पैसिफिक रिंग ऑफ फायर के पास मौजूद है, जहां दुनिया में सबसे ज्यादा भूकंप के झटके और ज्वालामुखी देखने को मिलते हैं। मिंडानाओ में भी भूकंप की वजह फिलीपींस प्लेट और पैसिफिक प्लेट के बीच टकराव हो सकता है। आपको जानकर हैरानी होगी कि समुद्र की सबसे गहरी जगह भी फिलीपींस के पास ही स्थित है, जिसे मारियाना ट्रेंच कहा जाता है। प्रशांत महासागर में स्थित मारियाना ट्रेंच ही वो जगह है जहां, समुद्र सबसे गहरा (36,000 फीट से भी अधिक) है।

सूडान की सेना संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव से सहमत, अल फशेर में एक सप्ताह के लिए होगा युद्ध विराम

काहिरा, एजेंसी। सूडान में दो साल से जारी गृहयुद्ध के बीच सेना ने संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव पर सहमति जताई है। सूडान की सेना अल फशेर क्षेत्र में सहायता वितरण के लिए एक सप्ताह का युद्ध विराम करेगी। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने सूडानी सैन्य नेता जनरल अब्देल-फतह बुरहान से इस बारे में फोन पर बात की। गुटेरेस ने सैन्य नेता से उत्तरी दारफुर प्रांत की राजधानी अल फशेर में मानवीय संघर्ष विराम लागू करने के लिए कहा। सैन्य नेता बुरहान ने प्रस्ताव पर सहमत जताई। साथ ही संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रासंगिक प्रस्तावों को लागू करने के महत्व पर बल दिया। हालांकि अभी यह तय नहीं है कि दूसरा पक्ष अर्धसैनिक बल रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (क्रस्न्र) इस प्रस्ताव पर सहमत होगा या नहीं। गुटेरेस ने कहा कि हम दोनों पक्षों से संपर्क कर रहे हैं। अल फशर में हमारे सामने एक नाटकीय स्थिति है। प्रभावी सहायता वितरण के लिए मानवीय संघर्ष विराम की आवश्यकता है। साथ ही अल फशेर क्षेत्र में बड़े पैमाने पर वितरण की तैयारी के लिए कई दिन पहले इस पर सहमति होनी चाहिए। सूडान में गृहयुद्ध, जनता में भुखमरी गौरतलब है कि सूडान में अप्रैल 2023 में गृहयुद्ध शुरू हुआ था, जब सेना और आरएसएफ सत्ता के लिए आपस में भिड़ गए। यह लड़ाई धीरे-धीरे पूरे देश में फैल गई। अब तक करीब 20,000 लोगों की जान जा चुकी है, लेकिन असल आंकड़ा इससे कहीं ज्यादा हो सकता है। इतना ही नहीं अभीतक लगभग 1.4 करोड़ लोग अपने घर छोड़ने को मजबूर हुए हैं, जिनमें से 40 लाख लोग दूसरे देशों में शरण ले चुके हैं। देश की आधी आबादी (लगभग 5 करोड़ में से) भुखमरी का सामना कर रही है। यूनिसेफ ने इस साल की शुरुआत में कहा था कि युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक लगभग 61,800 बच्चे आंतरिक रूप से विस्थापित हो चुके हैं। खार्तूम से 800 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में स्थित अल-फशर सेना के नियंत्रण में है। आरएसएफ पूरे दारफुर क्षेत्र पर अपना नियंत्रण मजबूत करने के लिए एक साल से अल-फशर पर कब्जा करने की कोशिश कर रहा है।

अब गाजा में शांतिदूत बनने जा रहे ट्रंप? अगले सप्ताह हो सकता है इजरायल-हमास में सीजफायर

वशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गाजा में इजरायल और हमास के बीच चल रहे संघर्ष को समाप्त करने की दिशा में एक नया प्रयास शुरू किया है। ट्रंप प्रशासन गाजा में शांति स्थापित करने के लिए मध्यस्थता की भूमिका निभा रहा है, और अगले सप्ताह तक इजरायल और हमास के बीच युद्धविराम (सीजफायर) की घोषणा हो सकती है। खुद ट्रंप ने शुक्रवार को गाजा में चल रहे संघर्ष में जल्द ही युद्धविराम की संभावना जताई है। उन्होंने कहा कि इजरायल और ईरान सर्थित हमास के बीच एक समझौता अगले एक सप्ताह में संभव है। यह बयान उन्होंने व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान दिया, जहां वह कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य और रवांडा के विदेश मंत्रियों की मेजबानी कर रहे थे। ट्रंप ने कहा कि वह चल रहे संघर्ष को समाप्त करने के प्रयासों में शामिल व्यक्तियों के संपर्क में हैं।

ट्रंप ने कहा, मैंने कुछ शामिल लोगों से बात की है। गाजा में स्थिति बहुत भयावह है। हमें लगता है कि अगले सप्ताह के भीतर हम युद्धविराम हासिल कर लेंगे। उन्होंने यह नहीं बताया कि इस मुद्दे पर किससे बात हुई है लेकिन हाल के दिनों में ट्रंप ने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ लगभग दैनिक संपर्क बनाए रखा। यह बयान ऐसे समय में आया है जब हाल ही में इजरायल और ईरान के बीच 12 दिन के युद्ध के बाद अमेरिका द्वारा मध्यस्थता में युद्धविराम लागू हुआ है। इस युद्धविराम ने क्षेत्र में शांति की संभावनाओं को बढ़ा दिया है, और अब ध्यान गाजा में चल रहे संघर्ष पर केंद्रित हो रहा है। ट्रंप न केवल संघर्ष में अस्थायी रोक के लिए बल्कि इजरायल और हमास के बीच एक स्थायी समझौते के लिए भी जोर दे रहे हैं। उन्हें उम्मीद है कि इस तरह के समझौते से इजरायल-फिलिस्तीनी शांति वार्ता के लिए नए सिरे से रास्ता खुल सकता है।

क्या है पूरा मामला : गाजा में संघर्ष की शुरुआत 7 अक्टूबर 2023 को हमास के इजरायल पर हमले से हुई थी, जिसमें 1,200 लोग मारे गए थे और 251 लोगों को बंधक बनाया गया था। इसके बाद इजरायल ने गाजा में बड़े पैमाने पर सैन्य कार्रवाई शुरू की, जिसके परिणामस्वरूप व्यापक विनाश और मानवीय संकट पैदा हुआ। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इस संघर्ष में अब तक 56,300 से अधिक लोग मारे गए हैं, जिनमें से आधे से अधिक महिलाएं और बच्चे हैं। पिछला युद्धविराम पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के कार्यकाल के अंतिम दिनों में हुआ था, वह मार्च में समाप्त हो गया था, जब इजरायल ने हमास पर नए हमले शुरू किए। इसके बाद से गाजा में भोजन और अन्य आवश्यक आपूर्तियों की आपूर्ति पर रोक लगी, जिससे वहां अकाल का खतरा मंडरा रहा है। हाल के हफ्तों में, गाजा मानवीय फाउंडेशन (जीएचएफ) के माध्यम से सीमित सहायता की अनुमति दी गई है, जिसे अमेरिका और इजरायल का समर्थन प्राप्त है। हालांकि, सहायता वितरण स्थलों के पास इजरायली सेना द्वारा गोलीबारी की घटनाएं विवाद का कारण बनी हैं।

मध्यस्थता और नई उम्मीद : ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने पिछले महीने 60 दिन के युद्धविराम का प्रस्ताव रखा था, जिसमें हमास द्वारा 10 जीवित बंधकों और 18 मृत बंधकों के शवों को रिहा करने की बात शामिल थी। हालांकि, यह प्रस्ताव अभी तक लागू नहीं हो सका है। मिस्र और कतर जैसे देशों द्वारा मध्यस्थता के प्रयासों को फिर से शुरू किया गया है, और सूत्रों के अनुसार, मिस्र एक नया युद्धविराम प्रस्ताव तैयार कर रहा है जो अगले दो हफ्तों में लागू हो सकता है। फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन ने भी ट्रंप की इस पहल का समर्थन किया है। ब्रसेल्स में यूरोपीय संघ के नेताओं की बैठक के बाद उन्होंने कहा कि ट्रंप गाजा में युद्धविराम के लिए बहुत दृढ़ हैं। इसके अलावा, इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पर भी अपने देश के अंदर और बाहर से दबाव बढ़ रहा है कि वह इस संघर्ष को समाप्त करने के लिए कदम उठाएं। ट्रंप प्रशासन न केवल गाजा में युद्धविराम पर ध्यान दे रहा है, बल्कि क्षेत्रीय शांति के लिए व्यापक योजना पर भी काम कर रहा है। इजरायल हायोम की एक रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप और नेतन्याहू ने गाजा में युद्ध को दो सप्ताह के भीतर समाप्त करने और अब्राहम समझौते का विस्तार करने की योजना पर सहमति जताई है, जिसमें सीरिया, सऊदी अरब और अन्य मुस्लिम देशों को शामिल करने की बात है। इस योजना में मिस्र और संयुक्त अरब अमीरात सहित चार अरब देशों द्वारा गाजा के प्रशासन को संभालने और हमास को हटाने का प्रस्ताव है। हालांकि, इस दिशा में कई चुनौतियां बनी हुई हैं। हमास ने स्पष्ट किया है कि वह अपने हथियार नहीं छोड़ेगा, जबकि इजरायल का कहना है कि युद्ध तभी समाप्त होगा जब हमास को पूरी तरह नष्ट कर दिया जाएगा।

गाजा में राहत सामग्री वितरण में हो रहीं मौतों पर संयुक्त राष्ट्र का आरोप, कहा- सामूहिक हत्याओं को बढ़ा रहा इस्राइल

न्यूयार्क, एजेंसी। गाजा में राहत सामग्री वितरण के दौरान हो रहीं मौतों पर संयुक्त राष्ट्र ने इस्राइल पर बड़ा आरोप लगाया है। संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों ने कहा कि इस्राइल सामूहिक हत्याओं को बढ़ावा दे रहा है। इस्राइल को गाजा में संयुक्त राष्ट्र की मानवीय सहायता आपूर्ति फिर से शुरू करनी चाहिए। आरोप है कि पिछले एक महीने में जब से गाजा ह्यूमैनिटेरियन फाउंडेशन (जीएचएफ) ने खाने के पैकेट बांटना शुरू किया है, तब से अब तक 500 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं और सैकड़ों घायल हुए हैं। हालांकि इस्राइल की सेना और जीएचएफ ने आरोपों से इनकार किया है। इस्राइल के एक अखबार की रिपोर्ट में कहा गया था कि इस्राइली सैनिकों को गाजा में राहत सामग्री पाने की कोशिश कर रहे फलस्तीनियों पर गोली चलाने का आदेश मिला है। रिपोर्ट में कहा गयश कि जब लोग राहत केंद्रों की ओर जा रहे होते हैं तो उन पर फायरिंग की जाती है। इस मामले में फलस्तीन के लिए संयुक्त राष्ट्र एजेंसी (यूएनडब्ल्यूआरए) के प्रमुख फिलिप लाजारिनी ने कहा कि नई सहायता वितरण प्रणाली एक हत्या का मैदान बन गई है, यहां लोगों को भोजन प्राप्त करने का प्रयास करते समय गोली मार दी जाती है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि इस घृणित कार्य को संयुक्त राष्ट्र द्वारा अन्य स्थानों से मानवीय सहायता प्रदान कर समाप्त किया जाना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा कि लोग केवल अपना और अपने परिवार का पेट भरने की कोशिश में मारे जा रहे हैं। भोजन की खोज कभी भी मौत की सजा नहीं होनी चाहिए। वहीं चिकित्सा चैरिटी संस्था डॉक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स (एमएसएफ) ने जीएचएफ राहत प्रयास को मानवीय सहायता के नाम पर नरसंहार कहा।

अमेरिका ने पाकिस्तानी आवेदकों के लिए वीजा नियमों को किया कड़ा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने पाकिस्तानी आवेदकों के लिए वीजा नियमों को कड़ा किया है। एआरवाई न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, कराची और लाहौर में अमेरिकी वाणिज्य दूतावासों ने सभी एफ, एम और जे गैर-आप्रवासी वीजा आवेदकों को अपने सोशल मीडिया अकाउंट को सार्वजनिक करने का आदेश दिया है। यह निर्देश हाल ही में दिल्ली में अमेरिकी दूतावास की ओर से लागू की गई इसी तरह की नीति के अनुरूप है। 18 जून को जारी एक आंतरिक अमेरिकी विदेश विभाग के नोटिस में वाणिज्य दूतावास अधिकारियों को वीजा आवेदकों की अधिक गहन जांच करने का निर्देश दिया गया है, ताकि अमेरिका या उसके संस्थानों के प्रति शत्रुतापूर्ण विचारों वाले किसी भी व्यक्ति का पता लगाया जा सके। यह कदम आव्रजन जांच को कड़ा करने की राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की व्यापक रणनीति का हिस्सा है। एआरवाई न्यूज के मुताबिक वाणिज्य दूतावासों ने इंस्टाग्राम पर घोषणा की कि आवेदकों को अपनी सोशल मीडिया गोपनीयता सेटिंग को समायोजित करना होगा ताकि अधिकारी पहचान और पात्रता सत्यापित कर सकें।

चीन में सेना के 3 अफसर बर्खास्तः भ्रष्टाचार की वजह से कार्रवाई

बीजिंग, एजेंसी। चीन ने एंटी करप्शन प्रोग्राम के तहत शुक्रवार को सेना के तीन सीनियर अधिकारियों को पद से हटा दिया। इनमें जनरल मियाओ हुआ, नेवी के चीफ ऑफ स्टाफ वाइस एडमिरल ली हानजुन और चाइना नेशनल न्यूक्लियर कॉरपोरेशन के डिप्टी चीफ इंजीनियर लियू शिपेंग शामिल हैं। हॉन्गकॉन्ग के अखबार साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के मुताबिक, तीनों अधिकारियों पर भ्रष्टाचार की वजह से एक्शन लिया गया। इन सभी को चीनी संसद नेशनल पीपल्स कांग्रेस ने बर्खास्त किया। चीन को डर है कि भ्रष्टाचार की वजह से चीन की सेना कमजोर हो रही है। इसलिए 2023 से सेना में एंटी करप्शन ड्राइव चल रही है। इसके तहत अब तक करीब 10 जनरल और कई अधिकारियों को हटाया जा चुका है।

जनरल मियाओ को खुद राष्ट्रपति जिंगपिंग ने चुना था जनरल मियाओ हुआ चीन की सेंट्रल मिलिट्री कमीशन (सीएमसी) के सदस्य और इसके पॉलिटिकल वर्क डिपार्टमेंट के डायरेक्टर थे। उन्हें नवंबर 2024 से भ्रष्टाचार की वजह से जांच के दायरे में रखा गया था।

मियाओ को अप्रैल 2025 में एनपीसी से हटाया गया था और अब उन्हें सीएमसी से भी बर्खास्त कर दिया गया है। वे चीनी आर्मी में कम्युनिस्ट पार्टी की विचारधारा के मैनेजमेंट के लिए जिम्मेदार थे। मियाओ को खुद राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने व्यक्तिगत तौर पर चुना था और उनका करियर शी के सत्ता में आने के बाद तेजी से आगे बढ़ा था। वहीं, वाइस एडमिरल ली हानजुन नेवी के चीफ ऑफ स्टाफ थे और लियू शिपेंग न्यूक्लियर सेक्टर में काम करते थे। लियू शिपेंग को भी एनपीसी से हटा दिया गया है। रक्षा मंत्री पर भी लगा था भ्रष्टाचार का आरोप राष्ट्रपति बनने के बाद से ही शी जिनपिंग सेना में फैले भ्रष्टाचार की रोकथाम में लगे हैं। पिछले साल चीन के रक्षा मंत्री डोंग जुन का भी एंटी करप्शन ड्राइव में नाम आया था, जिसके बाद उनके खिलाफ जांच बैठाई गई थी। इससे पहले दो पूर्व रक्षा मंत्री ली शांगफू और वेई फेंगहे को पद से हटा दिया गया था। शी का टारगेट सेना में कम्युनिस्ट पार्टी के लिए वफादारी तय करना और इसे ग्लोबल सुपर पावर बनाना है। एक्सपर्ट्स का यह भी मानना है कि यह कार्रवाई भ्रष्टाचार को खत्म करने के साथ-साथ शी जिनपिंग की सत्ता को और मजबूत करने का हिस्सा है। चीन लगातार अपनी सेना को आधुनिक बना रहा चीन लगातार अपनी सेना का आधुनिकीकरण कर रहा है। चीन ने इस साल के अपने सालाना रक्षा बजट में 7.2प्रतिशत की बढ़त की है। इस साल यह 249 अरब डॉलर (1.78 ट्रिलियन युआन) हो गया। यह भारत के 79 अरब डॉलर के सैन्य बजट के मुकाबले करीब 3 गुना ज्यादा है। एक्सपर्ट्स का अनुमान है कि चीन का वास्तविक डिफेंस खर्च उसकी तरफ से बताए गए खर्च से 40-50प्रतिशत ज्यादा है। चीन अपने सैन्य खर्च को कम दिखाने के लिए अलग-अलग सेक्टर के तहत धन आवंटित करता है। चीन अमेरिका के बाद सेना पर सबसे ज्यादा खर्च करता है। अमेरिका का रक्षा बजट 950 अरब डॉलर के करीब है। जो चीन के बजट से 4 गुना से भी ज्यादा है।

चीन में चमगादड़ों में मिले 20 नए वायरस

बीजिंग, एजेंसी। कोविड-19 जैसी वैश्विक महामारी के बाद वायरस की उत्पत्ति और उनके पशु स्रोतों की निगरानी पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। अब चीन के दक्षिण-पश्चिमी युन्नान प्रांत से आई एक चौंकाने वाली रिपोर्ट ने वैज्ञानिकों की चिंता और बढ़ा दी है। वैज्ञानिकों ने फलों के बागों में पाए जाने वाले चमगादड़ों में 20 नए वायरस खोजे हैं, जिनमें से दो जानलेवा निपाह और हेंड्रा वायरस से मिलते-जुलते हैं। यह खोज एक नई महामारी की चेतावनी भी देती है। युन्नान इंस्टीट्यूट ऑफ एंडेमिक डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन और डाली यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों की एक टीम ने 10 प्रजातियों के 142 चमगादड़ों का आनुवंशिक विश्लेषण किया। विश्लेषण में 20 नए वायरस, एक अज्ञात जीवाणु और एक नया प्रोटोजोआ परजीवी भी मिला। दोनों वायरस की संरचना निपाह और हेंड्रा वायरस के आधे से अधिक जीन से मेल खाती है। ये दोनों वायरस पहले भी मानव संक्रमण में बेहद घातक साबित हुए हैं। खास चिंता की बात यह है कि वायरस खास तौर पर चमगादड़ों की किडनी में पाया गया है, जो मूत्र उत्पादन से जुड़ा अंग है।

जानवरों और मनुष्यों में संक्रमण का खतरा : ये चमगादड़ ग्रामीण उद्यानों में पकड़े गए, जो आबादी वाले गांवों के पास स्थित हैं। इसका मतलब है कि अगर इन वायरस में प्रजातियों के बीच संचार करने की क्षमता है, तो मनुष्य और पालतू जानवर सीधे जोखिम में पड़ सकते हैं। पीएलओएस पैथोजेन्स पत्रिका में प्रकाशित शोध में चेतावनी दी गई है कि वायरस के फैलने की संभावना को देखते हुए सख्त निगरानी की आवश्यकता है।

दो नए वायरसः युन्नान बैट हेनिपावायरस 1 और 2... : अध्ययन में विशेष रूप से दो नए वायरस, युन्नान बैट हेनिपावायरस 1 और 2 की पहचान की गई है, जो हेंड्रा और निपाह जैसे हेनिपावायरस के करीबी विकासवादी चचेरे भाई हैं। उनके जीनोम का पूरी तरह से विश्लेषण किया गया है, जो चीन में अपनी तरह की पहली खोज है। हालांकि यह अभी तक निश्चित नहीं है कि ये वायरस मनुष्यों को संक्रमित कर सकते हैं या नहीं, लेकिन उनकी संरचनात्मक समानताएं उन्हें प्राथमिक निगरानी सूची में डालती हैं।

कोविड-19 की छाया में, यह खोज इसलिए महत्वपूर्ण है... यह शोध ऐसे समय में आया है जब दुनिया अभी भी कोविड-19 के दंश से उबरने की कोशिश कर रही है। एक ऐसा वायरस जिसकी उत्पत्ति भी चमगादड़ों से बताई गई। वुहान लैब लीक थ्योरी पर विवाद के बाद अब ऐसी हर खोज को खास गंभीरता से देखा जा रहा है। इस हालिया शोध ने एक बार फिर इस बात की पुष्टि की है कि वायरस की उत्पत्ति, प्रसार और जूनोटिक ट्रांसफर की वैज्ञानिक निगरानी बेहद जरूरी है।

अब तानाशाह किम जोंग उन से दोस्ती का हाथ बढ़ाएंगे डोनाल्ड ट्रंप?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अब उत्तर कोरिया से रिश्ते बेहतर की बात कर रहे हैं। ओवल ऑफिस में एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने यह बात कही। ट्रंप ने कहाकि वह उत्तर कोरिया के साथ संघर्ष का समाधान करेंगे। इस कार्यक्रम के दौरान ट्रंप दुनिया भर में लड़ाइयां खत्म कराने के अपने प्रयासों की बात कर रहे थे। इस दौरान ट्रंप से पूछा गया कि क्या उन्होंने उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन को लेटर लिखा है? इस महीने एक रिपोर्ट में ऐसा दावा किया गया था। ट्रंप ने इस बात का सीधी तरह से जवाब तो नहीं दिया, लेकिन उन्होंने यह जरूर कहाकि किम जोंग उन के साथ उनके रिश्ते अच्छे हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने आगे कहाकि कि कोई कह रहा है कि एक संभावित संघर्ष हो सकता है, लेकिन मुझे लगता है कि हम इसे सुलझा लेंगे। अगर कोई संघर्ष होता है, तो इसमें हमारा हाथ नहीं होगा। बता दें कि उत्तर कोरिया की निगरानी करने वाली सियोल स्थित एनके न्यूज ने इस महीने एक रिपोर्ट दी थी। इसके मुताबिक संयुक्त राष्ट्र में उत्तर कोरिया के प्रतिनिधिमंडल ने ट्रंप का किम को भेजा हुआ पत्र स्वीकार करने से इनकार कर दिया था। ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान, 2017 से 2021 के बीच किम के साथ उनकी तीन बैठकें हुईं। इस दौरान दोनों ने एक-दूसरे

को कई पत्र भी भेजे। इन पत्रों को ट्रंप ने सुंदर कहा था। लेकिन यह अभूतपूर्व कूटनीतिक प्रयास उस समय टूट गया जब अमेरिका ने किम से परमाणु हथियार छोड़ने की मांग की। ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल में स्वीकार किया है कि उत्तर कोरिया एक परमाणु शक्ति है। व्हाइट हाउस ने 11 जून को कहा कि ट्रंप किम के साथ बातचीत का फिर से स्वागत करेंगे, लेकिन यह पुष्टि नहीं की कि कोई पत्र भेजा गया था। उत्तर कोरिया ने 2019 में ट्रंप की कूटनीति खत्म होने के बाद से बातचीत में लौटने में कोई रुचि नहीं दिखाई है। इसके बजाय, इसने अपने परमाणु हथियारों और बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रमों का काफी विस्तार किया है। इसके अलावा यूक्रेन के खिलाफ लड़ाई में रूस का साथ देकर उसके साथ करीबी संबंध बना लिए हैं।

टैरिफ पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की खुली धमकी, बोले- हमारा जो मन होगा वही करेंगे

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिया है कि आयात पर फिर से लगाए जाने वाले व्यापक टैरिफ की समयसीमा को आगे-पीछे किया जा सकता है। फिलहाल यह समयसीमा 9 जुलाई तक निर्धारित है। यानी जिन देशों पर अमेरिका ने टैरिफ लगाया है उनको 9 जुलाई तक राहत जारी रहेगी लेकिन उसके बाद या तो टैरिफ को फिर से लागू किया जा सकता या तारीख आगे बढ़ाई जा सकती है। ट्रंप का कहना है कि जो उनका मन होगा वही करेंगे। व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान ट्रंप ने कहा कि यह तारीख अंतिम नहीं है और यह इस बात पर निर्भर करेगा कि व्यापार वार्ताएं कितनी तेजी से आगे बढ़ती हैं। ट्रंप ने कहा, हमारे पास पूरा लचीलापन है। हम समयसीमा को छोटा कर सकते हैं या बढ़ा सकते हैं। व्यक्तिगत तौर पर मैं तेजी से आगे बढ़ना पसंद करूंगा। मुझे तो सबसे कह देने में मजा आएगाः बधाई हो, अब आप 25 प्रतिशत टैरिफ चुका रहे हैं। इस बीच अमेरिकी ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने फॉक्स बिजनेस नेटवर्क को दिए एक इंटरव्यू में कहा कि व्यापार समझौते लेबर डे (सितंबर की पहली सोमवार) तक भी पूरे हो सकते हैं, अगर सकारात्मक प्रगति जारी रही। बेसेंट ने कहा, हमारे पास 18 प्रमुख व्यापारिक साझेदार हैं। अगर हम इनमें से 10 या 12 के साथ समझौते कर

लें, और हम पहले से ही 20 और अर्थव्यवस्थाओं के साथ संपर्क में हैं, तो हम लेबर डे तक व्यापार वार्ताएं पूरी कर सकते हैं। ट्रंप प्रशासन ने गुरुवार को यूरोपीय संघ को एक नया व्यापार प्रस्ताव भेजा है, जबकि भारत ने भी व्यापार वार्ताओं को आगे बढ़ाने के लिए एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल वॉशिंगटन भेजा है।

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लीविट ने भी पत्रकारों से कहा कि 8-9 जुलाई की टैरिफ समयसीमा निर्णायक नहीं है और राष्ट्रपति के पास तारीखों में बदलाव का पूर्ण अधिकार है। उन्होंने कहा, अगर देश बातचीत की मेज पर नहीं आते, तो राष्ट्रपति के पास विकल्प है कि वे सीधे एक प्रस्ताव पेश कर दें। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि ये प्रस्ताव अमेरिका के हित और श्रमिकों को ध्यान में रखते हुए जवाबी टैरिफ के रूप में भी हो सकते हैं।

गौरतलब है कि अप्रैल में राष्ट्रपति ट्रंप ने लगभग सभी विदेशी आयातों पर जवाबी टैरिफ प्रणाली की घोषणा की थी। हालांकि, 10 प्रतिशत से अधिक टैरिफ पर 90 दिनों की छूट दी गई थी, जो 8 जुलाई को समाप्त हो रही है। मई के अंत में ट्रंप ने अपने रुख को और सख्त करते हुए यूरोपीय संघ से आने वाले सामानों पर 50 प्रतिशत तक के टैरिफ की धमकी दी थी, जो पहले से ही टैरिफ के पहले दौर का सामना कर रहे हैं। ट्रंप ने शुक्रवार को कहा कि वह प्रौद्योगिकी कंपनियों पर टैक्स जारी रखने की कनाडा की योजना के कारण उसके साथ व्यापार वार्ता को तत्काल निलंबित कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कनाडा का यह कदम ''हमारे देश पर प्रत्यक्ष और स्पष्ट हमला'' है। ट्रंप ने शुक्रवार को अपने सोशल मीडिया नेटवर्क पर एक पोस्ट में कहा कि कनाडा ने अमेरिका को सूचित किया है कि वह सोमवार से लागू होने वाले कर लगाने की अपनी योजना पर कायम है।

प्रत्येक समाज के महापुरुषों की जयंती सरकारी स्तर पर मना रही है हरियाणा सरकार- रणबीर गंगवा

चंडीगढ़। हरियाणा के लोक निर्माण और जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री श्री रणबीर सिंह गंगवा ने कहा कि समाज को जोड़ने और अंधविश्वास मिटाने का कार्य संत कबीर ने अपने पूरे जीवन में किया। वे एक ऐसे युगदृष्टा थे, जिन्होंने जाति, पंथ और ऊंच-नीच से ऊपर उठकर मानवता का संदेश दिया। लोक निर्माण मंत्री रविवार को हिसार में संत कबीर छात्रावास में आयोजित संत कबीर साहब के 627वें प्रकाशोत्सव समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने कबीर छात्रावास के लिए 21 लाख रुपए की राशि देने की घोषणा भी की। उन्होंने संत कबीर छात्रावास की व्यवस्थाओं की भी सराहना की और आश्वासन दिया कि सरकार द्वारा ऐसे संस्थानों को और अधिक मजबूत करने की दिशा में कदम उठाए जाएंगे, जिससे विद्यार्थियों को बेहतर माहौल मिल सके। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चल रही है। सभी महापुरुषों की जयंती अब राज्य सरकार द्वारा आधिकारिक रूप से मनाई जा रही है, जिससे समाज में एकता और जागरूकता का संदेश फैल रहा है। उन्होंने कहा कि डीएससी समाज के अधिकारों की रक्षा करना सरकार की प्राथमिकता है। अब समाज के युवा बिना सिफारिश, बिना खर्चे के सरकारी नौकरियों में चयनित हो रहे हैं। श्री रणबीर गंगवा ने कहा कि मुख्यमंत्री की नीतियों का ही परिणाम है कि पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया से हज़ारों युवाओं को सरकारी नौकरी मिली है। सरकार बिना खर्ची, बिना पर्ची के सिद्धांत पर काम कर रही है और युवाओं को उनकी मेहनत का फल दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में हो रहे विकास कार्य गुणवत्तापूर्ण और पारदर्शी तरीके से पूरे किए जा रहे हैं। सड़कों, भवनों और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं में सुधार के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के माध्यम से जलापूर्ति और सीवरेज प्रणाली को आधुनिक बनाया जा रहा है।

गांवों में बुनियादी सुविधाओं और विकास कार्यों को लेकर सरकार ने तैयार किया रोडमैप

कौमी पत्रिका

लखनऊ, 29 जून। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश के ग्रामीण इलाकों के विकास के लिए बड़े स्तर पर कार्य करने की तैयारी की जा रही है। हाल ही में केंद्रीय वित्त आयोग की बैठक में योगी सरकार ने ग्रामीण स्थानीय निकायों के लिए 2.15 लाख करोड़ रुपये से अधिक का प्रोजेक्ट रखा है। योगी के इस %मिशन 2031% के तहत गांवों को आधुनिक और समृद्ध बनाने की दिशा में एक मजबूत कदम माना जा रहा है। बता दें कि योगी सरकार ने %मिशन 2031% के अंतर्गत प्रदेश के 17 नगर निगमों के लिए भी 1.29 लाख करोड़ से इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट का रोडमैप तैयार किया है, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों के लिए प्रस्तावित इस भारी-भरकम धनराशि से प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं और विकास कार्यों को नई गति मिलने की उम्मीद है। योगी सरकार ने ग्रामीण विकास के लिए विस्तृत योजना पेश की है। इसमें ग्राम पंचायतों के लिए 1,74,755 करोड़, ब्लॉक के लिए 17,334 करोड़ और जिला पंचायतों के लिए 22,940 करोड़ रुपये का प्रस्ताव शामिल है। कुल मिलाकर 2.15 लाख करोड़ रुपये की यह राशि मरम्मत, रखरखाव और बुनियादी ढांचे के विकास के लिए इस्तेमाल होगी। यह कदम दिखाता है कि सरकार हर स्तर पर गांवों के कायाकल्प के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का संकल्प है कि साल 2031 तक उत्तर प्रदेश के गांव आत्मनिर्भर और समृद्ध हों। इस मिशन के तहत सड़क, पानी, बिजली और अन्य बुनियादी सुविधाओं को बेहतर करने पर जोर दिया जा रहा है। केंद्रीय वित्त आयोग के सामने यह प्रस्ताव रखकर योगी सरकार ने साफ कर दिया है कि ग्रामीण विकास उसकी प्राथमिकता में शीर्ष पर है। सरकार का मानना है कि यह योजना गांवों की तस्वीर बदलने में बड़ी भूमिका निभाएगी। योगी सरकार के इस कदम से न सिर्फ ग्रामीण इलाकों की दशा में व्यापक रूप से सुधार आएगा, साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में 2.15 लाख करोड़ रुपये का निवेश रोजगार सृजन और बेहतर जीवन स्तर का भी आधार बनेगा। इस योजना से न सिर्फ विकास को गति देगी, बल्कि सीएम योगी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश को देश का अग्रणी राज्य बनाने की दिशा में भी मदद करेगी।

केरल से दिल्ली तक तय समय से पहले पहुंचा मानसून

नई दिल्ली। देशभर में झमाझम बारिश का सिलसिला समय से पहले शुरू हो गया है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के मुताबिक, इस बार मानसून ने दिल्ली में दस्तक तय तारीख से एक दिन पहले, यानी 29 जून को दे दी। यही नहीं, पूरे देश में मानसून ने नौ दिन पहले ही अपनी पकड़ बना ली। आमतौर पर मानसून 8 जुलाई तक पूरे भारत में फैल जाता है, लेकिन इस साल यह रिकॉर्ड समय से पहले पूरे देश में सक्रिय हो गया। मानसून हर साल सबसे पहले केरल पहुंचता है, जिससे पूरे देश में बारिश की शुरुआत मानी जाती है। इस बार मानसून 24 मई को ही केरल पहुंच गया, जो 2009 के बाद सबसे जल्दी था। साल 2009 में भी मानसून 23 मई को केरल पहुंचा था। इस बार अरब सागर और बंगाल की खाड़ी पर बने मजबूत लो-प्रेशर सिस्टम ने मानसून को तेजी से आगे बढ़ाया, जिससे 29 मई तक मुंबई, महाराष्ट्र का बड़ा हिस्सा और पूर्वोत्तर भारत में बारिश का दौर शुरू हो गया। हालांकि, 29 मई के बाद मानसून की रफ्तार थम गई। पूरे 18 दिन यानी 16 जून तक मानसून आगे नहीं बढ़ पाया। इस दौरान खासतौर पर दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर भारत के बड़े हिस्सों में लोग गर्मी से बेहाल रहे। इसकी वजह रही एंटी-साइक्लोनिक हवाएं, जो मानसून की नमी वाली हवाओं के रास्ते में बाधा बनीं। मानसून के रुकने के बाद धीरे-धीरे इसकी रफ्तार फिर तेज हुई और आखिरकार 29 जून को दिल्ली में मानसून ने दस्तक दे दी। आमतौर पर दिल्ली में 30 जून को मानसून पहुंचता है, लेकिन इस बार यह एक दिन पहले आ गया। इसके साथ ही पूरे देश में मानसून नौ दिन पहले ही सक्रिय हो गया। ह्रष्ट के आंकड़ों के मुताबिक, 2020 के बाद पहली बार ऐसा हुआ है कि पूरे भारत में इतनी जल्दी मानसून फैल गया हो। साल 2020 में मानसून 26 जून तक पूरे देश में छा गया था। मौसम विभाग का कहना है कि इस बार मानसून की शुरुआती स्थिति अच्छी है, लेकिन बारिश की मात्रा और वितरण अगले कुछ हफ्तों में साफ हो पाएगा। विशेषज्ञों के मुताबिक, दक्षिण-पश्चिम मानसून के शुरुआती सक्रिय रहने से खेती और जल संकट प्रभावित इलाकों को राहत मिल सकती है। हालांकि आगे चलकर मानसून में रुकावट या बारिश की कमी से भी इन इलाकों में समस्या बढ़ सकती है।

आकाशीय बिजली गिरने से पोल्ट्री फार्म की इमारत गिरी

कौमी पत्रिका

यमुनानगर (हरियाणा)। यमुनानगर के खंड जठलाना गांव नाहरपुर में रविवार सुबह आकाशीय बिजली गिरने से एक पोल्ट्री फार्म की दो मंजिला इमारत पूरी तरह से ढह गई, जिससे इमारत के अंदर मौजूद करीब 13 हजार चूजे (मुर्गी के बच्चे) मलबे में दबकर मर गए। इस हादसे में पोल्ट्री फार्म मालिक को लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सुबह के समय तेज गर्जना के साथ बिजली सीधी इमारत पर गिरी, जिसकी चपेट में आते ही पूरी इमारत भरभराकर गिर गई। आसपास के लोगों ने बताया कि हादसे के समय इलाके में हल्की बारिश हो रही थी। हादसे की जानकारी मिलते ही संबंधित थाना पुलिस और पशुपालन विभाग की डॉक्टरों की टीम मौके पर पहुंची। राहत एवं बचाव कार्य में तेजी लाते हुए जेसीबी की सहायता से मलबा हटाने का कार्य शुरू किया गया। हालांकि, फार्म मालिक और स्थानीय लोगों के प्रयासों के बावजूद चूजों को नहीं बचाया जा सका। पोल्ट्री फार्म के मालिक राजपाल ने बताया कि वह वर्षों से इस क्षेत्र में पोल्ट्री फार्म चला रहे थे और उनके फार्म से अंडों की नियमित सप्लाई मिलिट्री एरिया में होती थी। उन्होंने बताया कि इस हादसे से सप्लाई व्यवस्था ठप हो गई है और उनका आर्थिक भविष्य भी खतरे में पड़ गया है। उन्होंने प्रशासन और सरकार से आर्थिक सहायता की मांग की है ताकि वह दोबारा से अपना व्यवसाय शुरू कर सकें। मौके पर पहुंचे पशु चिकित्सक डॉ. अशोक मिश्रा ने बताया कि प्रत्यक्षदर्शियों व प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट हो गया है कि हादसा आसमानी बिजली गिरने के कारण हुआ। पूरी इमारत मलबे में तब्दील हो गई है और सभी चूजों की मृत्यु हो चुकी है। वहीं, स्थानीय प्रशासन ने नुकसान का आकलन शुरू कर दिया है और रिपोर्ट तैयार की जा रही है।

भारतीय सेना के जवान हमेशा से ही देश की सेवा के लिए अपने अतुल्य योगदान के लिए जाने जाते हैं। अब वो चाहे सीमा पर जान की परवाह किए बिना देश की रक्षा करना हो या फिर पर्यावरण को। इसी क्रम में भारतीय सेना के एक जवान ने प्रमाणित किया है कि पर्यावरण की सुरक्षा के लिए उनका संकल्प अतुल्य है। जी हां हम बात कर रहे हैं पुणे जिले के जुन्नर तालुका के खोडद गांव में रहने वाले रमेश खारमाले की। खारमाले एक ऐसे शख्स हैं, जिन्होंने अपने जीवन का हर पड़ाव समाज और देश सेवा को समर्पित किया है। एक समय वे भारतीय सेना में देश की रक्षा कर रहे थे और आज वे पर्यावरण की रक्षा के लिए दिन-रात मेहनत कर रहे हैं। उनकी यह यात्रा न सिर्फ प्रेरणादायक है, बल्कि यह दिखाती है कि यदि संकल्प सच्चा हो, तो कोई भी बदलाव लाया जा सकता है। बता दें कि रमेश खारमाले ने भारतीय सेना में करीब 17 वर्षों तक सेवा की और 2012 में सेवानिवृत्त हुए। इसके बाद उन्होंने बैंक में नौकरी की, लेकिन उन्हें वहां मन नहीं लगा। फिर उन्होंने युवाओं के लिए एक अकादमी शुरू की, जहां से कई युवक सेना में भर्ती हुए। लेकिन उनका मन समाज और प्रकृति की सेवा में अधिक रमता था। इसी सोच के साथ उन्होंने वन विभाग की परीक्षा दी और वनरक्षक के रूप में कार्य करना शुरू किया। देखते ही देखते उनके परिश्रम और लगन के चलते आज रमेश खारमाले को महाराष्ट्र सरकार, वन विभाग और कई सामाजिक संस्थाओं से पुरस्कार मिल चुके हैं। इतना ही नहीं आज मन की बात कार्यक्रम के प्रसारण के दौरान पीएम नरेंद्र मोदी ने भी उनके योगदान की तारफी की और पर्यावरण के लिए उनके काम को सराहा। हालांकि खारमाले की माने तो वे इन सब चिजों को अपनी सफलता नहीं मानते। उनका कहना है कि प्रकृति हमें बहुत कुछ देती है, अब हमारी बारी है उसे लौटाने की। इसके बाद 2021 में अपने जन्मदिन पर रमेश ने एक अलग ही संकल्प लिया। उन्होंने तय किया कि इस बार वे खुद के लिए नहीं, बल्कि प्रकृति के लिए कुछ खास करेंगे। इसी सोच के साथ उन्होंने जुन्नर के पास स्थित धामणखेल पहाड़ी पर जलसंवर्धन का कार्य शुरू किया। केवल दो महीनों में, रमेश और उनकी पत्नी स्वाती ने मिलकर 300 घंटे की मेहनत से 70 जलशोषक चर खोदे, जिनकी कुल लंबाई 412 मीटर थी। इन जलशोषक चरों की बदौलत एक ही मानसून में 8 लाख लीटर से ज्यादा पानी जमीन में समा गया, जिससे आसपास के जलस्तर को बढ़ाने में मदद मिली।

देवरिया में स्कूल संचालक का कत्ल, 100 मीटर दूर मिली कुल्हाड़ी

देवरिया। देवरिया जिले के रुद्रपुर इलाके के फतेहपुर गांव के रामनगर टोले में शुक्रवार की रात विद्यालय संचालक धनंजय पाल की गला काटकर हत्या कर दी गई। विद्यालय के बरामदे में सो रहे संचालक के सिर और गले पर कई वार किए गए थे। वारदात स्थल से करीब सौ मीटर की दूरी पर खून से सनी कुल्हाड़ी मिली है। हत्या का कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस विद्यालय के चौकीदार और बगल में रहने वाले दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। एसपी विकांत वीर ने शनिवार को वारदात स्थल का जायजा लिया। उन्होंने पुलिस को जांच के लिए आवश्यक निर्देश दिए। जानकारी के अनुसार, रामनगर निवासी धनंजय पाल (55) गांव में अपनी जमीन पर निजी विद्यालय खोल रखा था। बेटे संजीव कुमार पाल को विद्यालय का प्रबंधक बनाया है। एक माह पहले विद्यालय को बेसिक शिक्षा परिषद से मान्यता मिली है। वह रोजाना रात में विद्यालय में सोने चले जाते थे। परिवार वालों के अनुसार, शुक्रवार की रात भोजन करने के बाद वह सोने चले गए। धनंजय स्कूल के बरामदे में लगी चौकी पर सो रहे थे, जबकि चौकीदार रामप्रसाद निषाद छत पर सो रहा था। शनिवार की सुबह करीब पांच बजे पड़ोस के लोगों ने बरामदे में तख्त पर उनकी लाश देखी। उनके गले और चेहरे पर धारदार हथियार से कई वार किए गए थे। चेहरा और गले पर कुल्हाड़ी के वार से कट गया था। छत पर सो रहे चौकीदार को भी वारदात की जानकारी नहीं हुई। वारदात की सूचना पर सीओ हरिराम यादव ने पहुंच कर जांच शुरू की। वारदात स्थल पर क्षेत्रीय लोगों की भीड़ जुट गई। पुलिस वारदात के कारण पता लगाने में जुटी है। चौकीदार समेत तीन लोगों को हिरासत में लिया गया है। परिवार के लोग बता रहे हैं कि उनकी न तो किसी से दुश्मनी थी न ही जमीन का विवाद चल रहा है। पहले वह विदेश में कमाते थे। पांच साल से विदेश जाना छोड़कर घर और विद्यालय का काम संभाल रहे थे। सीओ ने बताया कि पुलिस जांच में जुटी है।

NAME CHANGE
I, POONAM BATRA W/o PRANJIL BATRA R/o F-193/551, 1st Floor, Mangal Bazar, Opp. Lakshmi Tent House, Laxmi Nagar, East Delhi, Delhi-110092, have changed the name of my minor daughter KRITTIKA aged 14 years and she shall hereafter be known as KRITTIKA BATRA.

सार्वजनिक सूचना
यह सूचित किया जाता है कि श्रीमती कुसुम रतूरी, पत्नी स्वर्गीय श्री अरविंद प्रसाद रतूरी, पश्चिम विहार, नई दिल्ली स्थित ब्लॉक A-1-B के ग्राउंड फ्लोर पर स्थित एलआईजी फ्लैट संख्या 71- की स्वामिनी हैं। उक्त संपत्ति के मूल आवंटी, आवंटन एवं कब्जा पत्र के अनुसार, श्री विनोद कुमार बट्टा थे। श्री विनोद कुमार बट्टा ने दिनांक 20.01.1993 को सामान्य पावर ऑफ अटॉर्नी, विक्रय अनुबंध एवं वसीयतों के माध्यम से उक्त संपत्ति श्री विनय सेठिया, श्री गगन सेठिया एवं श्रीमती पुष्पा सेठिया को स्थानांतरित कर दी थी। इसके पश्चात, दिल्ली विकास प्राधिकरण (DD) ने दिनांक 03.09.2013 को श्री विनय सेठिया, श्री गगन सेठिया एवं श्रीमती पुष्पा सेठिया के पक्ष में कंवेयेंस डीड निष्पादित की। तत्पश्चात, उन्होंने उक्त संपत्ति को दिनांक 26.07.2014 को बिक्री विलेख के माध्यम से श्री अरविंद प्रसाद रतूरी एवं श्रीमती कुसुम रतूरी को विक्रय कर दिया। दुर्भाग्यवश, श्री अरविंद प्रसाद रतूरी का 08.04.2023 को निधन हो गया। उनके पीछे कानूनी उत्तराधिकारी के रूप में श्रीमती कुसुम रतूरी (पत्नी), सुश्री तिया रतूरी (पुत्री) एवं श्री अयन रतूरी (पुत्र) हैं। श्री अयन रतूरी एवं सुश्री तिया रतूरी ने दिनांक 20.06.2024 को रिलींक्विशमेंट डीड (त्याग पत्र) के माध्यम से अपनी-अपनी हिस्सेदारी अपनी माता श्रीमती कुसुम रतूरी के पक्ष में त्याग दी है। इस प्रकार, श्रीमती कुसुम रतूरी अब उक्त संपत्ति की पूर्ण स्वामिनी हैं, तथा यह संपत्ति किसी भी प्रकार के मुकदमे, दावे, बंधक, भार, देयता या विवाद से मुक्त है। वर्तमान में उक्त संपत्ति RBL बैंक, पीतमपुरा शाखा, नई दिल्ली द्वारा वित्तपोषित की जा रही है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।
[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

NAME CHANGE
I, LAKSHAY SHARMA S/O RAMPRASAD SHARMA R/O 99, SECTOR-1, REWARI, HARYANA-123401,HAVE CHANGED MY NAME TO LAKSHAY FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
I, hitherto known as PUSHPENDRA SAXENA alias PARVEEN KUMAR S/O SATISH SINGH R/O HOUSE NO-C461, C BLOCK, GALI NO-2, PARTAP NAGAR, MANDOLI, MANDOLI SABOLI, NORTH EAST DELHI, DELHI-110093 have changed my name and shall hereafter be known as PARVEEN KUMAR.

NAME CHANGE
I, Jitendra Singh S/O Bijendra Singh R/O Gwalior Road, Near Rohta Bag, Suraksha Vihar, Uttar Pradesh-282009 Have changed my name to Jitendra Singh Jat for all future purposes.

NAME CHANGE
It is for general information that I Vikas Meena S/O Balram Meena,R/O GB-114, Pul Pehladpur, Badarpur, South Delhi, Delhi -110044, declare that name of my mother has been wrongly written as Suchitra Devi in my 10th class educational document. The actual name of my mother is Suchitra Meena, respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, POONAM BATRA W/o PRANJIL BATRA R/o F-193/551, 1st Floor, Mangal Bazar, Opp. Lakshmi Tent House, Laxmi Nagar, East Delhi, Delhi-110092, have changed the name of my minor daughter RUHANIKA aged 10 years and she shall hereafter be known as RUHANIKA BATRA.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, SANDEEP VERMA S/O RAJENDER SINGH R/O 61/a, Pachenda Road, Lal Bagh, Gandhi Colony, Muzaffarnagar, Muzaffarnagar Uttar Pradesh- 251001 declare that the name of mine and my wife have been wrongly written as SANDEEP VARMA & NIRMAL VERMA in my minor son JAYANT CHOUDHARY Aged 16 years in his 10th Class Marksheet & Certificate.The actual name of mine and my wife are SANDEEP VERMA & NIRMAL respectively which may be amendend accordingly.

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large that my client **Sh. Abdul Samad & Sh. Shabad & Smt. Narisma Khatoon are/is purchasing** the Plot No. 12 area measuring 50 sq. yds. & Plot No. 24 area measuring 30 sq. yds. out of Khasra No. 18/20 & 17/16 situated in the area of village Razapur Khurd colony known as Mohan Garden in Block R-III/A-2 Uttam Nagar New Delhi 110059 from Sh. Kalua Malik who is the owner of the property vide GPA , Agreement to Sale & WILL dated 23.01.2024 and Intend to mortgage the said property with **SMFG India Home Finance Company Limited** If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.
Khaitan & Khaitan
A-38 Kailash Colony,
New Delhi-110048,
Ph. No: 011-49774545

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, SURENDRA KUMAR s/o HARI RAM SINGH, FLAT NO-D-23, THIRD FLOOR, BALAJI CGHS LTD, PLOT NO-7, SECTOR-3, DWARKA N.S.I.T. South West Delhi Delhi -110078, declare that name of mine has been wrongly written as SURENDERA KUMAR in my minor daughter, namely Tanya Priya, aged 17 years in her 12th Class Certificate issued by CBSE bearing Roll Number 14733943. The actual name of mine is SURENDRA KUMAR, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, hitherto known as ARMEET SINGH alias ARMEET SINGH THUKRAL S/O TAJINDER SINGH R/O J-5/35, FIRST FLOOR, RAJOURI GARDEN, NEW DELHI, WEST DELHI, DELHI-110027 have changed my name and shall hereafter be known as ARMEET SINGH THUKRAL.

NAME CHANGE
I , hitherto known as Hunar kaur Sadana D/O: Ravneet Singh Sadana, W/O Prabhnoor Singh Bawa R/OH No.-21, Road No-78, Punjabi Bagh West, Punjabi Bagh, PO: Punjabi Bagh, DIST: West Delhi, Delhi - 110026, have changed my name and shall hereafter be known as HUNAR KAUR BAWA.

NAME CHANGE
It is for general information that I, RUBY D/o ZAHEER AHMAD R/o H.No. Y-971, Mangol Puri, Mangolpuri N-Block, North West Delhi, Delhi-110083, declare that name of my father and mother have been wrongly written as MD ZAHID and PARVEEN in my 10th and 12th class Educational Documents. The actual name of my father and mother are ZAHEER AHMAD and NIGHAT PARVEEN respectively, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
I, hitherto known as JANVI BANSAL D/O VINAY KUMAR BANSAL R/O House No- 14A, New Mandi, Muzaffarnagar, Muzaffarnagar, Uttar Pradesh- 251001 have changed my name and shall hereafter be known as JANKI BANSAL.

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large that my client **Sandeep Chaudhary** is purchasing the Plot no. 1/C88, admeasuring 600 Sq. yards, Himalaya Lok, JVTS Colony, Chhatarpur and DLF Chhatarpur Farms, Delhi- 110074 from Mr. Neeraj Nangia and Mr. Dheeraj Nangia who became the owner as per the surviving member certificate after the death of Late Mr. Prem Nangia and Intend to mortgage the said property with **Aditya Birla Capital Ltd.** If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.
Khaitan & Khaitan
A-38 Kailash Colony,
New Delhi-110048,
Ph. No: 011-49774545

PUBLIC NOTICE
for general information that I AJAY KUMAR SINGH S/O LAKSHMAN SINGH R/O 151, Motiwada, Choupal, Munirka, J, N, U, Vasant Vihar, South West Delhi, Delhi - 110067 declare that name of my wife has been wrongly written as PUJA DEVI in my minor son RITIK RAJ aged 07 year in his School record Tha actual name of my wife is POOJA KUMARI respectively which may be amended accordingly

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I MEHBOOB KHAN S/O AYUB KHAN R/O 31/3, First Floor, Indra vikas Colony, DR, Mukherjee Nagar, North West Delhi, Delhi - 110009 declare that name of my wife has been wrongly written as SAIMA KHAN in my minor son ARMAAN ALI KHAN aged 13 year in his School record Tha actual name of my wife is SAIMA respectively which may be amended accordingly

NAME CHANGE
I, Arvinder Kaur Hora W/O Paramjeet Singh R/o 15a/39 W.E.A, Karol Bagh Delhi-110005, have changed my name and shall hereafter be known as Arvinder Kaur.

NAME CHANGE
I, Sangeeta D/o Purshotam Dass W/o Virender R/o Hno-18 2nd Floor Gali No-13, Kh No-21/5 Block A-2, West Sant Nagar, Burari, Delhi-110084, have changed my name and shall hereafter be known as Preeti.

NAME CHANGE
I, Sangita alias Prema Devi W/o Bhola, R/oHno-84, Vikas Nagar-8, PS-Loni, Tehsil-Loni, Dist-Ghaziabad, Uttar Pradesh-201102, have changed my name and shall hereafter be known as Sangeeta.

NAME CHANGE
It is for general information that I, RUPAM W/o SHARWAN KUMAR R/o F-20, Madipur Colony, Dispensary Road, Near A4 Fire Station, Madipur Colony, Paschim Vihar, PO Paschim Vihar, Dist. West Delhi, Delhi-110063, declare that name of my father and mother have been wrongly written as BHUVNESHWAR and AHILYA in my 10th class educational documents. The actual name of my father and mother are BHUVNESHWAR SINGH and AHILYA DEVI respectively.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, GYAN PRAKASH ARYA S/O KALU RAM R/O 146, Aryapuri Phalawda Road, Khatauli, Shekhpura, Muzaffarnagar Uttar Pradesh- 251201 declare that the name of my wife has been wrongly written as HARBIRI in my PPO NO-POSTAL/UP/80369.The actual name of my wife is HARBIRI URF MUNNI respectively which may be amendend accordingly.

NAME CHANGE
I, Ranjana Ohri W/o IC-25674H Late Lt. Col. Anil Ohri, presently residing at 1200 B, Beverly Park 2, DIF Phase-2, Sikanderpur Ghosi (68), Gurugram, Haryana 122002, hereby affirm that my name was incorrectly spelt as 'Ranjanu Ohri' in PPO record and the same shall be corrected to 'Ranjana Ohri', for all future purposes vide Affidavit dated 26/06/2025 before Executive Magistrate, Wazirabad, Gurugram.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Antriksh Chaudhary S/O RAM VIR SINGH,R/O 40-B, R-BLOCK,DILSHAD GARDEN PO: jhilmil, District: East Delhi, Delhi,-110095, declare that name of my father has been wrongly written as R V Singh in my 10th and 12th class educational document .The actual name of my father is Ram Vir Singh ,respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, Jyoti W/o Anshul Tayal r/o Flat No-501 Tower-1 Park View Delight Bestech City Centre Sec-7 Dharuhera Rewari-123106 Haryana Have Changed My Name To Jyoti Tayal For All Purpose.

NAME CHANGE
I, Anshul S/o Jagdish Prasad r/o Flat No-501 Tower-1 Park View Delight Bestech City Centre Sec-7 Dharuhera Rewari-123106 Haryana Have Changed My Name To Anshul Tayal For All Purpose.

NAME CHANGE
I, Harshit Kaur Pasricha W/o Arpit Singh r/o A-49 Greenwood City Sector-45 Gurgaon -122003 Haryana Have Changed my name to Harshit Kaur Bhatia for all purpose

PUBLIC NOTICE
It is Publicly informed that I Beenu Singhal w/o late Sh. Sanjay Singhal R/o. VP 61-A, G.F. Pitam-pura, North-West Delhi - 34 owner of Freehold Commercial DDA Shop no. 17, Area Measur-ing 18.08 Sq. Meters (Total Area 43.39 Sq. Meters), Category General, In CSC No. IV, situated at Sector-8, Rohini, Delhi-110085 (hereinafter called the said property), vide Relinquishment Deed Dated 27.06.2022, duly regd. As 7547, vol. no. 10233, page no. 187-191, SR-VI-Delhi. That original documents of above said property prior to 1991 have been lost/misplaced & not traceable. And I intend to mortgage above said property with AU Small Finance Bank. And I will be responsible for any discrepancies, if any. I we would like to announce to general public that any person who is having any right, title or interest against above property/share or doc-uments may to confirm/contact to below person.

NAME CHANGE
It is for general information that I, HIRA LAL PAREWA S/o GANGA SAHAI PAREWA R/o House No. 864 Ground Floor, Blk-S, Near Community Center, J J Colony Mangol Puri, Mangolpuri N-Block, North West Delhi, Delhi-110083, declare that name of mine and my father have been wrongly written as HIRA LAL KHATIK and GANGA SAHAI KHATIK in my Service Record. The actual name of mine and my father are HIRA LAL PAREWA and GANGA SAHAI PAREWA respectively, which may be amended accordingly.

नाम परिवर्तन
मैं, अरविंदर सिंह (ARVINDER SINGH) पुत्र लेफ्टिनेंट कर्नल हरबंस सिंह चहल (सेवानिवृत्त), निवासी हाउस नंबर-273, सेक्टर-सी, डिफेंस कॉलोनी, डाकघर और पोलिस स्टेशन-कलरहेड़ी, जिला-अम्बाला (हरियाणा) ने अपना नाम बदलकर अरविंदर सिंह चहल (ARVINDER SINGH CHAHAL) रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जाए।

NAME CHANGE
I , hitherto known as Hunar kaur Sadana D/O: Ravneet Singh Sadana, W/O Prabhnoor Singh Bawa R/OH No.-21, Road No-78, Punjabi Bagh West, Punjabi Bagh, PO: Punjabi Bagh, DIST: West Delhi, Delhi - 110026, have changed my name and shall hereafter be known as HUNAR KAUR BAWA.

NAME CHANGE
I, KARANPREET SINGH KANDHARI S/O MANMOHAN SINGH resident of 40/6, 3RD FLOOR, CHURCH ROAD, JANGPURA BHOGAL 110014 have changed my name to KARANPREET SINGH for all future purposes.

NAME CHANGE
I, GURMEET KAUR KANDHARI W/O IQBAL SINGH resident of 40/6, 3RD FLOOR, CHURCH ROAD, JANGPURA BHOGAL 110014 have changed my name to GURMEET KAUR for all future purposes.

NAME CHANGE
It is for general information that I ROSHNI D/O GAMBHIR SINGH R/O B-1162, BLOCK-B, SHASTRI NAGAR ASHOK VIHAR, PO: ASHOK VIHAR, DISTRICT NORTH WEST DELHI, DELHI-110052, declare that name of my father and mother has been wrongly written as GAMBHEER SINGH and CHHOTI DEVI in my 10th and 12th educational documents and name of my father has been wrongly written as GAMBHEER SINGH in my birth certificate No-MCDLR09350408. The actual name of my father and mother are GAMBHIR SINGH and CHHOTI respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, hitherto known as ABHINAV S.B alias ABHINAV SAGARIKA BANSIDHAR, S/O LATE SHRI BANSIDHAR JENA R/O A-904, NAV NIRMAN APARTMENT, PLOT NO. 6-A, SECTOR-2, DWARKA, SOUTH WEST DELHI-110075 have changed my name and shall hereafter be known as ABHINAV JENA.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Sumit S/o Hari Babu R/o Plot No-42/4 B, Kh.No 26/8/2 Block-E Extn., Begum Vihar, Begumpur, North West Delhi, Delhi-110086 declare that name of my father and my mother has been wrongly written as Babu Lal and Phoola in my 10th and 12th Class Educational Documents. The actual name of my father and my mother are Hari Babu and Phoolwati.

NAME CHANGE
I hitherto known as Mohammad Ajmal Malik alias Mohammad Ajmal S/o Abdul Quddus R/o H.No-2918, Kalan Masjid Turkman Gate, Delhi G.P.O. North Delhi, Delhi-110006 have changed my name and shall hereafter be known as Mohammad Ajmal

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, SURENDRA KUMAR s/o HARI RAM SINGH, FLAT NO-D-23, THIRD FLOOR, BALAJI CGHS LTD, PLOT NO-7, SECTOR-3, DWARKA N.S.I.T. South West Delhi Delhi -110078, declare that name of mine has been wrongly written as SURENDERA KUMAR in my minor son, namely Ayush Prince, aged 16 years in his 12th Class Certificate issued by CBSE bearing Roll Number 14733931. The actual name of mine is SURENDRA KUMAR, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
I, NARESH KUMAR S/O CHOB SINGH R/o RZR-199D, Gali No.5, Nihal Vihar, Nangloi, New Delhi 110041 has embraced Sikhism and renounced Hinduism on 27.10.2024. In future my name will be considered as NARESH SINGH and not NARESH KUMAR.

NAME CHANGE
I, PRIYA daughter of No-15155020P Rank-HAV, Name-AKHILESH YADAVA residing at- VILL-BHAROATA, PO-BAIKANT PUR, TEH-DEORIA, DISTT-DEORIA, UTTAR PRADESH-274001, have changed my name from PRIYA to PRIYA YADAV for all future purposes vide Affidavit Dated 28/06/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-14851600H Rank-HAV/SKT Name-TIJU JOSEPH permanently residing at VPO-CHENGALAYI, TEHSIL-TALIPARAMBA, DIST-KANNUR, KERALA-670631, have changed my mother's name from TANKAMMA JOSEPH to THANKAMMA JOSEPH for all future purposes and in my service records my mother's date of birth wrongly mentioned as 06/08/1961 instead of her correct date of birth as 02/02/1960 vide Affidavit dated 28/06/2025 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mr. Virendra Singh S/o Mr. Ramgopal is the owner of Freehold Residential Plot area measuring 125 Sq. Yds., i.e. 104.51 Sq. Meters, Part of Khet No. 127/1, Chak No. 923, situated in Village Unchi Dhankaur, (Dhankaur Dehat, Bahar Town Area) Pargana Dhankaur Tehsil & District Gautam Budh Nagar Uttar Pradesh. by virtue of Sale Deed dated 16.06.2022, which is duly registered Doc No. 3112, Book No. 1, Vol No. 40387, Page No. 347-388, SRO-Greater Noida., in the chain Documents below mentioned document not available i.e. Probate Order of Will dated 16.06.2021 & Surviving member Certificate of late Mr. Chanderpal Singh expired on 08.08.2021 now our client is declaring that that any other person does not have any right over the said property, and same has been financed by Piramal Capital & Housing Finance Ltd Branch: Kaushambi Ghaziabad Uttar Pradesh. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the' right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

NAME CHANGE
I AMANDEEP KAUR D/O SUKHWINDER Singh Village Singhpur Jattan P/O Bhagran Distt Hoshiarpur Pin - 144205 PUNJAB I HAVE CHANGED MY NAME FROM NAVDEEP KAUR TO AMANDEEP KAUR FOR ALL FUTURE PURPOSES.

NAME CHANGE
I hitherto known as Saroj Kumari Alias Sarojani Devi D/O Naresh Kumar, R/O RZA-200/UBF,BLOCK-A, NIHAL VIHAR, Nangloi, PO: Nangloi, DIST: West Delhi, Delhi-110041, have changed my name and shall hereafter be known Sarojani Devi

NAME CHANGE
I Mahesh Chandra S/o Kanwar Ji Lal R/o 45, Maharishi Ashram, Salarpur, Maharishi Nagar, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201304 have changed the name of my minor daughter Naira Singh aged 17 years and she shall hereafter be known as Tanya Singh.

NAME CHANGE
I hitherto known as Ankur Chib S/o Vipin Chib R/o A-175, Sector -40, Noida, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh -201301. have changed my name and shall hereafter be known as AKIRA ANKUR YAMAMOTO CHIB.

PUBLIC NOTICE
Be it known to all that my client Smt. Surinderjit Kaur W/o Late Sh. Jasbir Singh Rio B-35, 2nd Floor, Asha Park, Tilak Nagar, Delhi 110018 has disowned, debarred her son namely Sh. Gurpreet Singh S/o Late Sh. Jasbir Singh from all her movable and immovable. Properties because her above named son is out of control of my client. My client has severed all her relations with him. Anyone dealing with him my do so at his/her own risk, cost and consequences.
UPKAR SING RANDHAWA
ADVOCATE
CH. 843 DWARKA COURTS
OFFICE:P-334E MOHAN GARDEN
UTTAM NAGAR,
NEW DELHI-110059
(M) 7703967756

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client (1) Mr. Sander Pal Singh & (2) Mr. Indra Pal Singh Both S/o Mr. Ram Phool Singh are the owner of Freehold Commercial One Shop Pvt. No. 24 on First floor, area measuring 122.20 Sq. Ft., i.e. 11.35 Sq. Mtrs., Situated at Ward No. IV, Haveli Jugal Kishore Known as Gali Ghante Wali, Chandni Chowk, Delhi-110006. By virtue of Sale Deed dated 10.03.2025 duly Regd. as Doc. No. 2025/19/I/3023, in Book No. 1, Vol. No. 11941 on pages No. 117 to 132 SR-I, Kashmiri Gate., in the chain document below mentioned documents not available i.e. Original Sale Deed dated 03.03.1997 executed by Mrs. Sneh Lata Jain in favour of Mrs. Shalini Gupta in respect of said Property, duly Regd. as Doc. No. 1195, in Book No. 1, Vol. No. 7458 on pages No. 8 to 13 SR-Delhi. & Original Sale Deed dated 07.04.1999 executed by Mrs. Shalini Gupta in favour of (1) Mr. Ishwar Pal Singh, (2) Mr. Inder Pal Singh & (3) Mr. Sainder Pal Singh in respect of Said property. duly Regd. as Doc. No. 704, in Book No. 1, Vol. No. 96 on pages No. 55 to 61 SR-Delhi. now our client is declaring that that any other person does not have any right over the said property, and same has been financed by Mahindra & Mahindra Financial Services Limited. Branch: Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the' right, title or interest in the Said Property then contact us within 14 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

NAME CHANGE
I, Neha Gupta D/o Dilip Kumar Gupta R/o 604-W-2, Taj Nagar, Barra Kanpur Nagar Uttar Pradesh-208027 hereby undertake that I Neha Gupta want to change my name to Sarthak Gupta and gender as male. I Neha Gupta henceforth be known as Sarthak Gupta S/o Dilip Kumar Gupta

NAME CHANGE
I, GURMEET KAUR KANDHARI D/O IQBAL SINGH resident of 40/6, 3RD FLOOR, CHURCH ROAD, JANGPURA BHOGAL 110014 have changed my name to GURMEET KAUR for all future purposes.

NAME CHANGE
I, NO-14671398X Rank-NK Name-U SIVA KUMAR residing at VILL-VADDI PALLI, PO-SIVARAM PURAM, TEHSIL-PILER, DIST-CHITTOOR, ANDHRA PRADESH-517214, have changed my mother's name from U KRISHNAMMA to UPPU KRISHNAMMA for all future purposes and in my service records my mother's date of birth wrongly mentioned as 01/07/1961 instead of her correct date of birth as 01/01/1957 vide Affidavit dated 16/06/2025 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mr. Pankaj Gupta (70% share) & Mr. Chander Kumar Sharma (30% share) are the owner of Freehold Residential Plot No-12, out of Khasra No 482, Plot area measuring 156 Sq. Yds., at Lake View Apartments, situated in the Extended Abadi of Lal Dora Village Burari, Delhi-110084. by virtue of Sale Deed dated 20.05.2024 duly registered in the office of SR- I, Kashmere Gate Central, Vide Doc. No. 2024/19/I/5318, Vol. No. 10734, in Book No. 1, On pages 167-182, dated 20.05.2024. in the Chain Documents Below mentioned Document not available i.e. Probate order of Will Dated 04.04.2012 & Lal Dora certificate & SMC of Tarsem Lal Jindal now our client is declaring that that any other person does not have any right over the said property, and Flat No 402, on 3rd Floor, with roof rights sold too be Sushma Dixit and same has been financed by Tata Capital Housing Finance Limited RDC-Ghaziabad Uttar Pradesh. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the' right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

सफाई के साथ-साथ जागरूकता अभियान भी चलाएंगे: मेयर

सोनीपत। नगर निगम मेयर राजीव जैन ने कहा है कि आगामी एक जुलाई से 31 जुलाई तक सफाई अपनाओ बीमारी भगाओ अभियान चलाया जाएगा। इसके लिए वार्ड अनुसार सफाई अभियान के साथ साथ जागरूकता अभियान भी चलाये जाएंगे। स्वच्छ, सुंदर एवं स्वस्थ सोनीपत अभियान के तहत छठे महाराणा प्रताप चौक से फाजिलपुर मोड़ एवं गोहाना रोड बाईपास से जाहरी रोड पर फ्लाईओवर तथा गोहाना रोड पर चंद्र गार्डन तक स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान में कर्तव्य निष्ठा से कार्य करने वाले सफाई कर्मी रानी और अशोक को नकद राशि देकर सम्मानित किया गया। सबसे पहले महाराणा प्रताप चौक पर स्थापित मूर्ति परिसर की सफाई की गई और सड़क के किनारों पर जमी घास, कूड़े वाली मिट्टी के ढेर उठाये गए । रोड स्वीपिंग मशीन से डिवाइडर के किनारों पर पड़ी मिट्टी साफ करवाई गई। मेयर ने दुकानदारों से भी सफाई रखने पर ध्यान देने की अपील की। राजीव जैन ने बताया कि बीमारी भगाओ अभियान के तहत हाथों को स्वच्छ रखने, घरों में गंदा पानी जमा न होने देने, आस पड़ोस में सफाई, स्वच्छ शौचालय, मच्छर मार दवाई का छिड़काव, नालों की सफाई तथा सार्वजनिक स्थानों की सफाई का कार्य किया जायेगा।

हकृवि के कोर्सों में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा शांतिपूर्वक संपन्न

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में विभिन्न स्नातक व स्नात्तकोतर कोर्सिज के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा शांतिपूर्वक व व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई। इसके लिए विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा सभी परीक्षा केन्द्रों पर पुख्ता प्रबंध किए गए थे। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. पवन कुमार ने परीक्षा केंद्रों का दौरा किया और उम्मीदवारों की सुविधा तथा परीक्षा के सुचारू संचालन के लिए की गई व्यवस्थाओं का भी जायज़ा लिया।विश्वविद्यालय के अनुसार शनिवार को जिन कोर्सिज के लिए प्रवेश परीक्षा हुई, उनमें बीएससी ऑनर्स एग्रीकल्चर चार वर्षीय कोर्स, बीएससी आनर्स एग्री-बिजनेस मैनेजमेंट, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में बायो-केमिस्ट्री, केमिस्ट्री, इनवायरमेंटल साइंस, फूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी, मैथेमेटिक्स, माइक्रो-बायोलॉजी, फिजिक्स, प्लांट फिजियोलोजी, सोशियोलॉजी, स्टेटिसटिक्स व जूलॉजी, कॉलेज ऑफ बायो-टेक्नोलॉजी में एग्रीकल्चरल बायोटेक्नोलॉजी, बायोइंफोरमेटिक्स, मोलेक्यूलर बायोलॉजी एंड बायो-टेक्नोलॉजी, बायो नैनोटेक्नोलोजी व इंडस्ट्रीयल बायोटेक्नोलोजी कोर्सिज शामिल है। प्रवेश परीक्षा के लिए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय सहित हिसार शहर में 17 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे।

अधिकारी ने सैंपल तो लिए पर संरक्षण नियमों का नहीं किया पालन

पानीपत। पानीपत स्थित राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारी की प्रदूषण के स्तर की जांच करने के लिए एकत्र किए गए नमूनों को जांच के लिए प्रयोगशाला में ले जाने के बाद बड़ी गड़बड़ी सामने आई है। अधिकारी ने नमूने इकट्ठे तो किए, लेकिन वे इन नमूनों को तय मानकों पर लैब तक नहीं ले गए। जिससे कि नमूनों के फेल होने की संभावनाएं न के बराबर हो गई। पानीपत के प्रदूषण अधिकारी भूपेंद्र चहल की इस बड़ी लापरवाही को खुद उच्च अधिकारियों ने ही पकड़ लिया। जिसकी बाकायदा वीडियो भी बनाई गई। अधिकारी को फटकार तो लगाई ही गई, साथ ही उनकी जांच भी शुरू करा दी गई है । बोर्ड के अधिकारियों ने लापरवाही की जांच भी शुरू कर दी है। विभाग के अनुसार एचएसपीसीबी के अधिकारियों ने पानीपत स्थित कुछ उद्योगों से निकलने वाला पानी प्रदूषित है या नहीं, इसकी जांच के लिए नमूने एकत्र किए थे। क्षेत्रीय अधिकारी (आरओ) भूपेंद्र सिंह चहल व अन्य अधिकारियों के साथ शुक्रवार को पंचकूला स्थित प्रयोगशाला में जांच के लिए नमूने लेकर गए थे। जैसे ही अधिकारी एचएसपीसीबी मुख्यालय सैंपल लेकर पहुंचे, वहां मुख्य अभियंता बलराज सिंह अहलावत, वरिष्ठ पर्यावरण अभियंता जेपी सिंह सहित वरिष्ठ अधिकारियों की टीम ने एसडीओ और अन्य अधिकारियों के साथ सैंपल बॉक्स की जांच की।

पानीपत में छात्र के हत्यारोपियों की गिरफ्तारी की मांग पर परिजनों ने किया प्रदर्शन

पानीपत। पानीपत उझा रोड की साई कॉलोनी में गुरुवार रात रंजिश के चलते 12वीं पास छात्र की चाकू से गोदकर हत्या के मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर मृतक के परिजन शनिवार को चांदनीबाग थाना पहुंचे। पुलिस से उचित आश्वासन न मिलने पर उन्होंने लघु सचिवालय के बाहर प्रदर्शन किया। उसके बाद वे डीएसपी हेडक्वार्टर सतीश वत्स से मुलाकात में लोगों ने कहा कि वारदात के बाद से पूरा परिवार दहशत में है। आरोपियों से उन्हें जान का खतरा बना हुआ है। पुलिस जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार करे। डीएसपी ने परिवार वालों को जल्द ही गिरफ्तार किए जाने का आश्वासन दिया है। परिजनों ने डीएसपी को बताया कि दम तोड़ने से पहले छात्र कन्हैया ने कॉलोनी के ही जिम संचालक चीनू को फोन कर बताया था कि हर्ष और उसका भाई उसे पीट रहे हैं। चीनू मौके पर पहुंचा तो कन्हैया हमलावरों के घर के बाहर खून से लथपथ, अर्धनग्न अवस्था में पड़ा मिला। उसे तुरंत सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उझा रोड साई कॉलोनी निवासी मृतक के पिता ने बताया कि एक साल पहले कन्हैया का कॉलोनी के ही हर्ष नामक युवक से झगड़ा हुआ था।

अमृतकाल में युवा बनें पॉलिसी मेकर, न कि पॉलिसी टेकर : नायब सिंह सैनी

● मुख्यमंत्री ने गुरुग्राम की धरती से युवाओं को दिया राष्ट्र निर्माण का मंत्र ● युवा मॉक पार्लियामेंट नीति-निर्माण की एक जीवंत प्रयोगशाला

एजेंसी

गुरुग्राम। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि युवा मॉक पार्लियामेंट सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं है, यह लोकतंत्र का उत्सव और नीति-निर्माण की एक जीवंत प्रयोगशाला है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे इस मॉक पार्लियामेंट के माध्यम से देश को यह स्पष्ट संदेश दें कि लोकतंत्र की रक्षा ही हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री गुरुग्राम में आयोजित युवा मॉक पार्लियामेंट में युवाओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि युवा मॉक पार्लियामेंट केवल एक शैक्षणिक अभ्यास भर नहीं है, बल्कि आज के दिन को संविधान हत्या दिवस के रूप में भी याद करते हुए, आपातकाल के उस काले अध्याय पर विमर्श करने का अवसर है, जिसने लोकतंत्र की आत्मा को कुचलने का दुस्साहस किया था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरुग्राम की धरती पर आयोजित यह कार्यक्रम न केवल युवाओं के उज्ज्वल भविष्य का संकेत है, बल्कि लोकतंत्र की एक सशक्त प्रयोगशाला के रूप में इसकी भूमिका अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने कहा कि गुरु द्रोण की इस पावन भूमि और मिलेनियम सिटी के रूप में प्रसिद्ध गुरुग्राम ने हमेशा नवाचार और आकांक्षा की भावना को आगे बढ़ाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब वे आप जैसे ऊर्जावान

युवाओं को देखते हैं, तो विकसित भारत और विकसित हरियाणा का संकल्प और भी सुदृढ़ हो जाता है। उन्होंने कहा कि अमृतकाल की यह पीढ़ी ही वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में अग्रसर करेगी। इस लक्ष्य की प्राप्ति में युवा मॉक पार्लियामेंट मील का पत्थर साहिब होगी। सीएम नायब सिंह सैनी ने युवाओं से कहा कि वे संसद को केवल एक इमारत के रूप में न देखें बल्कि उसे 140 करोड़ देशवासियों की आकांक्षाओं के केंद्र के रूप में समझें।

वह आपातकाल नहीं, अन्याय काल था: गौरव गौतम

इस अवसर पर खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि वर्ष 1975 में लगाए गए आपातकाल को केवल आपातकाल कहना उस दौर की क्रूरता को कम करके आंकना होगा। असल में वह अन्याय काल था, जब संविधान, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और आम नागरिकों के अधिकारों का बेरहमी से दमन किया गया।

जब कोई चुना हुआ प्रतिनिधि तानाशाही की राह पर चल पड़ता है और सत्ता के मद में संविधान तक की अवमानना करता है, तब लोकतंत्र पर जो कुठाराघात होता है, उसका सबसे बड़ा उदाहरण आपातकाल है।

इस दौरान उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल कौशिक, विधायक मुकेश शर्मा, तेजपाल तंवर, विमला चौधरी सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

सभी वर्गों को साथ लेकर चलने में विश्वास करती कांग्रेस :जगदीश जांगिड़

एजेंसी

हिसार। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के ऑब्जर्वर जगदीश जांगिड़ का कहना है कि हमारा लक्ष्य जमीन से जुड़े कार्यकर्ताओं की आवाज सुनना और उनकी समस्याओं का समाधान करना है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी सभी वर्गों को साथ लेकर चलने में विश्वास रखती है और हम संगठन को मजबूत बनाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं।जगदीश जांगिड़ कांग्रेस भवन में पार्टी कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित कर रहे थे। इसके साथ ही उनका हिसार दौरा संपन्न हो गया। इस दौरान उन्होंने जिला अध्यक्ष के नाम पर व्यापक विचार-विमर्श करके विभिन्न प्रकोष्ठों से राय और व्यक्तिगत आवेदन भी लिए गए। अब यह पैनल अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी को भेजा जाएगा। यह दौरा संगठन को और अधिक सुदृढ़ करने तथा स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ सीधा संवाद स्थापित करने के उद्देश्य

से आयोजित किया गया था। उनके साथ हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के ऑब्जर्वर अमित सिहाग, जयपाल सिंह लाली व पंकज चौहान भी मौजूद रहे।जगदीश जांगिड़ ने कांग्रेस विधायकों एवं विधानसभा में उम्मीदवार रहे कांग्रेसी नेताओं से मुलाकात की। बैठक में उकलाना से विधायक नरेश सेलवाल, आदमपुर से विधायक चंद्रप्रकाश जांगड़ा, नारनौंद से विधायक जस्सी पेटवाड़ एवं नलवा से प्रत्याशी अनिल मान शामिल रहे। बैठक के दौरान उन्होंने जिला अध्यक्ष के नाम के लिए गहन विचार-विमर्श किया। तत्पश्चात श्री जांगिड़ ने यूथ कांग्रेस एवं एनएसयूआई के जिला पदाधिकारियों के साथ संयुक्त रूप से एक बैठक की। अपने दौरे के अगले चरण में जगदीश जांगिड़ ने प्रबुद्धजन कांग्रेस एवं कांग्रेस एडवोकेट सेल के पदाधिकारियों के साथ भी अलग-अलग बैठकें कीं। इन बैठकों में उन्होंने जिला अध्यक्ष के चयन को लेकर इन अनुभवी और विशिष्ट प्रकोष्ठों से भी सलाह ली ताकि एक सर्वसम्मति से मजबूत नेतृत्व का चुनाव हो सके। उन्होंने कांग्रेस के वरिष्ठ साथियों से एक-एक करके व्यक्तिगत रूप से राय ली। इस दौरान, जिला अध्यक्ष पद के लिए आवेदन भी स्वीकार किए गए, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि सभी इच्छुक और योग्य उम्मीदवारों के नाम पर विचार हो।

बिजली कटौती से तंग उपभोक्ताओं ने सड़क जाम कर प्रदर्शन किया

एजेंसी

सोनीपत। सोनीपत शहर के वेस्ट रामनगर क्षेत्र में बिजली कटौती की समस्या के खिलाफ स्थानीय निवासियों ने मुख्य गली में विरोध प्रदर्शन किया और सड़क पर बैठकर रास्ता जाम कर दिया। इस प्रदर्शन के कारण क्षेत्र में यातायात प्रभावित हुआ और राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

प्रदर्शन कर रहे नागरिकों ने बताया कि पिछले कई दिनों से बिजली की अनियमित आपूर्ति के चलते आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। गर्मी के मौसम में घंटों बिजली गायब रहने से घरों के कार्य बाधित हो रहे हैं। सबसे अधिक परेशानी बुजुर्गों, बच्चों और बीमार लोगों को हो रही है। स्थानीय निवासी बिजेंद्र और अन्य प्रदर्शनकारियों ने कहा कि वे बार-बार बिजली निगम और प्रशासन से शिकायत कर चुके हैं, लेकिन किसी प्रकार की स्थायी कार्रवाई नहीं हो रही।

प्रदर्शन के दौरान नागरिकों ने बिजली निगम और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। सूचना मिलते ही बिजली निगम के अधिकारी मौके पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों से बातचीत की। उन्होंने तकनीकी टीम को तुरंत भेजकर खराबी की जांच कराने और जल्द बिजल सेवा बहाल करने का आश्वासन दिया। अधिकारियों की बात मानकर प्रदर्शनकारियों ने जाम हटाया, लेकिन साथ ही चेतावनी दी कि यदि बिजली आपूर्ति में सुधार नहीं हुआ, तो अगला आंदोलन और अधिक उग्र होगा। यह घटना जनसुविधाओं के प्रति प्रशासन की उदासीनता पर सवाल खड़े करती है।

डीएचबीवीएन अफसरों को 11 से एक बजे तक कार्यालय में रहने के निर्देश

एजेंसी

गुरुग्राम। प्रबंध निदेशक अशोक गर्ग ने दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम के गुरुग्राम कार्यालय में बिजली निगम की सभी परियोजनाओं को लेकर एक परिचयात्मक बैठक ली। प्रबंध निदेशक ने निर्देश दिए कि बिजली संबंधी शिकायतों का त्वरित समाधान होना चाहिए। साथ ही प्रत्येक अधिकारी जनता से मिलने के लिए सुबह 11 बजे से दोपहर बाद एक बजे तक प्रत्येक कार्य दिवस पर अपने कार्यालय में उपस्थित रहे। लोगों से मिलने के इस समय को कार्यालय के बाहर पट्टिका के माध्यम से दर्शाएं। प्रबंध निदेशक ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि उपभोक्ताओं के हितों एवं बिजली आपूर्ति की सुचारूता को ध्यान में रखते हुए कार्य करें। उन्होंने राशि की रिकवरी के बारे में विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। प्रबंध निदेशक अशोक गर्ग ने इन सभी परियोजनाओं एवं गुरुग्राम और फरीदाबाद आदि के लिए बनाए जाने वाले नए स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के बारे में विस्तृत जानकारी ली। इस बैठक में डीएचबीवीएन के अधिकारियों ने विस्तार से बिजली निगम की सभी योजनाओं एवं परियोजनाओं की जानकारी दी। इसमें भविष्य में उपभोक्ताओं की सुविधाओं एवं बिजली आपूर्ति में किए जाने वाले सुधार कार्यों का विवरण दिया। एक प्रेजेंटेशन के माध्यम से बिजली निगम की कार्य नीतियों, योजनाओं एवं पैरामीटर आदि को दर्शाया गया। इस बैठक में दिल्ली ऑपरेशन जोन के मुख्य अभियंता वीके अग्रवाल, एसई गुरुग्राम-1 श्यामबीर सैनी, एसई गुरुग्राम-2 मनोज यादव, एसई फरीदाबाद जितेंद्र ढूल, एसई स्मार्ट सिटी मनोज यादव, विकास मोहन दहिया सहित गुरुग्राम सर्कल व स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के सभी कार्यकारी अभियंता एवं उपमंडल अधिकारी उपस्थित रहे।

मानसून पहले आने से हथिनी कुंड बैराज पर डायाफ्राम वाल का निर्माण अधर में लटका

एजेंसी

यमुनानगर। पहाड़ों में हो रही बारिश के कारण हथिनी कुंड बैराज पर 146 करोड़ रुपये की लागत चल रहे डायाफ्राम वॉल का निर्माण अधर में लटक गया है। मानसून से पहले हथिनीकुंड बैराज पर एक लाख क्यूसेक पानी पहुंच गया तो अधूरा कार्य पूरा होने में दिक्कत हो जाएगी। सिंचाई विभाग के अधीक्षक अभियंता आर सी मित्तल ने बताया कि इस बार जरूर मानसून थोड़ा पहले आ गया है और पहाड़ों में होने वाली बारिश से जहां मिट्टी का कटाव हो गया है वहां पर रेत के बैग व पत्थर लगा दिए गए है। उन्होंने कहा कि अब एक लाख क्यूसेक तक पानी आने के बाद बाढ़ जैसी स्थिति बनती है और उसके बाद ही बैराज के सभी गेट खोले जाते है। लेकिन अभी ऐसी स्थिति पैदा नहीं हुई है। वहीं सिंचाई विभाग के कार्यकारी अभियंता विजय कुमार गर्ग ने बताया कि डायाफ्राम वॉल को शिव शक्ति कंस्ट्रक्शन कंपनी द्वारा बनाया जा रहा है। जिसकी लंबाई 246 मीटर, चौड़ाई 2 मीटर और गहराई 21 मीटर है। बरसात के मौसम में आने वाले पानी की वजह से यमुना नदी का तल कटाव के चलते गहरा हो गया है। इससे

हथिनीकुंड बैराज की नींव को कभी भी नुकसान हो सकता है। बैराज के खतरे के मद्देनजर पुल की सुरक्षा को लेकर करोड़ों की लागत से डायाफ्राम वॉल व अन्य कार्य करवाए जा रहे हैं। हथिनीकुंड बैराज चार राज्यों हरियाणा उत्तर प्रदेश , दिल्ली और राजस्थान के जल बंटवारे को लेकर बना एक महत्वपूर्ण जल स्त्रोत है, जो जिला सहारनपुर और यमुनानगर की सीमा पर स्थित है। दिल्ली की लगभग 60 प्रतिशत जल आपूर्ति हथिनीकुंड बैराज से ही होती है। यमुना नदी के मुख्य प्रवाह के अलावा हथिनीकुंड से दो नहरें निकलती हैं, जिसमें पश्चिमी यमुना नहर और पूर्वी यमुना नहर है। पश्चिमी नहर से हरियाणा में यमुनानगर, करनाल और पानीपत के क्षेत्रों को पानी मिलता है, जबकि पूर्वी यमुना नहर से उत्तर प्रदेश में सहारनपुर, शामली और बागपत आदि को पानी जाता है। जब तक हथिनीकुंड बैराज में बरसात का पानी नहीं आ जाता तब तक कार्य चलता रहेगा। पानी आने पर कार्य बंद कर दिया जाएगा।

पारदर्शिता, जनसेवा और गौसेवा से जनविश्वास मजबूत: मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा

एजेंसी

सोनीपत। हरियाणा के सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि सरल व्यवस्था, संवेदनशील प्रशासन और युवाओं की सेवा भावना से जनकल्याण का मार्ग प्रशस्त होता है। भाजपा सरकार की पारदर्शी नीतियों और सरल प्रशासनिक व्यवस्था ने आमजन को राहत दी है। बीते 11 वर्षों में केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रदेश में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में सरकारी योजनाएं

सीधे जनता तक पहुंची हैं, जिससे सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगाना कम हुआ है और लोगों में संतुष्टि का भाव बढ़ा है।डॉ. शर्मा ने सिंचाई विश्राम गृह में जनसंवाद दरबार में सैकड़ों ग्रामीणों से भेंट की और जनसमस्याएं सुनते हुए अधिकारियों को समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी संवेदनशील और विनम्र व्यवहार के साथ जनसमस्याओंका मौके पर ही निपटान करें, यही सच्ची जनसेवा है। उन्होंने युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए चल रही योजनाओं को भी प्रभावी

बताया और कहा कि नौकरियों में पारदर्शिता से योग्य युवाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिल रहा है, जिससे प्रतिस्पर्धा और आत्मविश्वास दोनों बढ़े हैं। डॉ. शर्मा ने गांव पिनाना में विधायक पवन खरखौदा के साथ घेवर मित्र मंडली के स्टाल का उद्घाटन किया और युवा कार्यकर्ताओं की सराहना करते हुए कहा कि समाजसेवा और गौसेवा में जुटी यह टोली प्रेरणा है। मंडली द्वारा गौशालाओं में मूलभूत सुविधाएं देने हेतु दिए गए सहयोग को उन्होंने सराहा। साथ ही, सैनिक स्कूल में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली सिरत नरवाल को 11 हजार रुपये का पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

भाजपा सरकार में देश-प्रदेश कर रहा तरक्की: गौरव गौतम

एजेंसी

पलवल। हरियाणा सरकार के खेल एवं युवा मामले राज्य मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में देश और प्रदेश विकास की ऊंचाईयों को छू रहे हैं। उन्होंने कहा कि पलवल जिले में भी अभूतपूर्व विकास कार्य हो रहे हैं, जिससे आमजन को प्रत्यक्ष लाभ मिल रहा है। राज्य मंत्री सेक्टर-2 स्थित अपने आवास पर लोगों से मुलाकात कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने जनसमस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की नीति और नीयत दोनों साफ हैं, जिसका परिणाम है कि आज गांवों से लेकर शहरों तक विकास की गंगा बह रही है। गौरव गौतम ने बताया कि

पलवल में सड़कों का निर्माण, जल निकासी की सुविधा, स्ट्रीट लाइटें, पेयजल योजनाएं, खेल परिसर, सामुदायिक भवन और स्कूलों के उन्नयन जैसे अनेक कार्य तेज़ी से चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि जनता की हर समस्या का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है। मंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास की भावना से काम कर रही है। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि वे सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाएं और क्षेत्र के विकास में भागीदार बनें।

प्रवेश में सुविधा देने हेतु डीसीआरयूएसटी की विशेष तैयारी

एजेंसी

सोनीपत। दीनबंधु छोटूराम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (डीसीआरयूएसटी), मुरथल ने नए सत्र में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों की सुविधा के लिए विशेष प्रबंध किए हैं। विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. श्री प्रकाश सिंह ने कहा कि डीसीआरयूएसटी ने विद्यार्थियों के अनुकूल वातावरण सुनिश्चित करने के लिए एक छत के नीचे सभी प्रवेश सुविधाएं सुलभ की हैं। संबंधित अधिकारियों के साथ प्रवेश स्थल का निरीक्षण किया जरुरी आवश्यक निर्देश दिए ताकि अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। प्रवेश स्थल पर ही बैंक सुविधा, चिकित्सा सेवा, फोटोकॉपी मशीन, पेयजल, चाय व खाद्य सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। कुलगुरु ने बताया कि अक्सर छात्र आवश्यक दस्तावेजों की फोटो कॉपी करवाना भूल जाते हैं, जिससे उन्हें बाहर भटकना पड़ता है, इस परेशानी को ध्यान में रखते हुए यह व्यवस्था की गई है। इसके अतिरिक्त, विश्वविद्यालय प्रशासन ने मुरथल चौक और सोनीपत बस स्टैंड से बसें विश्वविद्यालय तक पहुंचाएंगी, जबकि दोपहर 3:30, 4:30 और 5:30 बजे बसें वापस छोड़ेंगी। निरीक्षण के दौरान कुलगुरु के साथ

विश्वविद्यालय तक अभ्यर्थियों को लाने और वापस छोड़ने के लिए बस सेवा की व्यवस्था की है। सुबह 9:30, 10:30 और 11:30 बजे हैड कंस्ट्रक्शन डिवीजन, प्रो. विजय शर्मा, समन्वयक प्रो. दिनेश सिंह, डॉ. संजीव इंदौरा, डा. प्रवेश गहलोत आ अधिकारी उपस्थित रहे।

जय जगन्नाथ के जयकारों से गूंजा हिसार, झूमे श्रद्धालु

एजेंसी

हिसार।श्रीभगवान जगन्नाथ व श्रीजगन्नाथ रथ यात्रा समिति, सेक्टर 14 के के तत्वाधान में बुधला संत मंदिर, सेक्टर 14 से ढोल ढमाकों के साथ जगन्नाथ रथ यात्रा निकाली गई। नगर के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे हजारों श्रद्धालुओं ने नाचते-गाते हुए यात्रा में भाग लिया। वृंदावन से आई श्रद्धालुओं की टोली ने हरे कृष्णा हरे रामा की धुन पर खूब नृत्य किया। आसपास के एरिया में निकाली गई इस यात्रा में शामिल हुए श्रद्धालुओं ने पूरा रास्ता गर्मी की परवाह न करते हुए अपने हाथों से रथ को खींचा। समिति के सेवादारों रामधारी गोयल व पवन अग्रवाल ने शनिवार को बताया कि मंदिर प्रांगण से शुरु हुई यात्रा पूरे क्षेत्र में घूमते हुए कोठी नंबर 1007 पर सम्पन्न हुई। सेवादारों ने बताया कि रथ यात्रा के दौरान प्रसिद्ध भजन गायक भैय्या दिव्य दास, विशाल मित्तल व डॉ. मोहन तनेजा भजनों की वर्षा की। पूरा रास्ते किये गये संकीर्तन में जय जगन्नाथ.. जय जगन्नाथ.., निताई गौर राधे श्याम हरे कृष्णा हरे राम.. आदि भजन गूंजते रहे। रथ यात्रा में हनुमानजी की पावन ध्वजा, विशाल रथ भक्तों द्वारा खींचना, ड्रोन द्वारा पुष्प वर्षा, भगवान जगन्नाथ का फूल बंगला मुख्य आकर्षण रहे। रथ को बंगाल के कारीगरों द्वारा सजाया गया। श्रृंगार सेवा सुनील गर्ग व मधुर गुप्ता की रही। रथ यात्रियों के सम्मान में जगह-जगह जलपान दिया गया।रथ यात्रा में मंत्री, विधायक व मेयर हुए शामिलश्रीजगन्नाथ रथ यात्रा समिति से जुड़े सेवादारों आशीष गुप्ता, मोती कंसल व धीरज गर्ग ने बताया कि हिसार की विधायक सावित्री जिंदल के सानिध्य में निकाली गई रथ यात्रा में केबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने मुख्यातिथि के रुप में भाग लिया। अध्यक्षता हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष बजरंग दास गर्ग ने की। मंडल आयुक्त अशोक गर्ग ने ज्योत प्रज्जवलित की। नगर निगम के मेयर प्रवीण पोपली अति विशिष्ट अतिथि व पूर्व मेयर शकुंतला राजलीवाला, पार्षद सरोज जैन, मोहित जैन एवं कविता केडिया विशिष्ट अतिथि के रुप में उपस्थित हुए। अतिथियों को समिति की ओर से भगवान जगन्नाथ के स्वरुप स्मृति चिह्न के रुप में दिये गये।

NAME CHANGE
I hitherto known as UBBAR KHAN S/o RAMAJAN, residing at Raipur, Sohna, Gurgaon, Haryana-122103, have changed my name and shall hereafter be known as IBBAR, for all future purposes.

एनएलएसी को मिला हाइब्रिड बिजली परियोजना का आवंटन पत्र

चेन्नई।

एनएलसी को राजस्थान में 450 मेगावाट की अंतर-राज्य पारेषण प्रणाली (आईएसटीएस) कनेक्टेड पवन-सौर हाइब्रिड बिजली परियोजना स्थापित करने एनटीपीसी लिमिटेड से आवंटन पत्र प्राप्त हुआ है। कंपनी ने रविवार को यह जानकारी दी है। एनटीपीसी से प्राप्त ऑर्डर के अनुसार एनएलसी इंडिया 450 मेगावाट आईएसटीएस कनेक्टेड पवन-सौर बिजली परियोजना की स्थापना करेगी। इस परियोजना से उत्पन्न हाइब्रिड बिजली की आपूर्ति एनटीपीसी लिमिटेड को बिजली खरीद करार (पीपीए) के तहत 25 साल की अवधि के लिए की जाएगी। एनएलसी इंडिया ने बयान कहा कि यह परियोजना राजस्थान के बीकानेर में 300 मेगावाट और गुजरात के भुज में 150 मेगावाट के लिए विकसित की जाएगी। इसमें कहा गया है कि पूर्ण परियोजना से बिजली की आपूर्ति बिजली खरीद करार की तारीख से 24 माह की अवधि में होगी। उन्होंने कहा कि इस साल हम 20 होटल खोलेंगे। पिछले पांच साल हमने 51 होटल के लिए समझौते किए हैं।

रैडिसन समूह भारत में अपने होटल पोर्टफोलियो को दोगुना करेगी

नई दिल्ली।

बेल्जियम मुख्यालय वाले रैडिसन होटल समूह का कहना है कि वह अगले कुछ साल में भारत में अपने पोर्टफोलियो को दोगुना करने के बारे में विचार कर रही है। वर्तमान में इस समूह की भारत में 200 से अधिक होटलें हैं। कंपनी के एक प्रमुख अधिकारी ने कहा कि भारत में हम अपना ध्यान एक स्थायी और समावेशी विकास मॉडल पर केंद्रित रहेगा। उन्होंने कहा कि पहलगाम में समूह के होटल में कमरों की बुकिंग पिछले साल की तुलना में मात्र 20-30 प्रतिशत है। उल्लेखनीय है कि पहलगाम में हाल में आतंकवादी हमला हुआ था। इसके बाद वहां पर्यटकों की आवाजाही प्रभावित हुई है। रैडिसन जम्मू-कश्मीर में सबसे बड़ी लक्जरी होटल श्रृंखला है। वहां समूह के सात होटल परिचालन में हैं। इनमें से पांच घाटी में हैं। दो-तीन होटल पाइपलाइन में हैं।

भारत ने बांग्लादेश से जूट और फाइबर उत्पादों के आयात पर लगाई रोक

नई दिल्ली।

भारत ने बांग्लादेश से जूट और संबंधित फाइबर उत्पादों के आयात पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दिया है। बताया जा रहा है यह फैसला दोनों पड़ोसियों के बीच संबंधों में बढ़ते तनाव को देखते हुए लिया गया है। सूत्रों ने बताया कि नए प्रतिबंध महाराष्ट्र में न्हावा शेवा बंदरगाह को छोड़कर अन्य सभी जमीनी मार्ग और बंदरगाहों के माध्यम से बांग्लादेश के जूट और संबद्ध फाइबर उत्पादों के भारत में आयात पर लागू होंगे। वाणिज्य मंत्रालय के तहत काम करने वाले विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने एक अधिसूचना जारी कर प्रतिबंध लगा दिए। साफ्टा (दक्षिण एशियाई मुक्त व्यापार क्षेत्र) के प्रावधानों के तहत, बांग्लादेश से जूट को भारत में शुल्क मुक्त पहुंच प्राप्त है। हालांकि उन्होंने कहा कि भारतीय जूट उद्योग को बांग्लादेश से जूट उत्पादों, विशेष रूप से धागा, फाइबर और बैग के डंप किए गए और सब्सिडी वाले आयात के प्रतिकूल प्रभाव के कारण लंबे समय से नुकसान उठाना पड़ रहा है।

देश का स्वर्ण भंडार बढ़कर 870 टन पहुंचा

केंद्रीय बैंक 12.5 किलो की सोने की ईंट के रूप में रखता है स्वर्ण भंडार

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) सोने के महत्व को समझता है। इसी लिए वह 1991 के आर्थिक संकट के बाद सोने का भंडार कई गुणा बढ़ा चुका है और वर्तमान में यह लगभग 870 टन पहुंच गया है। केंद्रीय बैंक 12.5 किलो वजन की सोने की ईंट के रूप में विभिन्न जगहों पर यह स्वर्ण भंडार रखता है। आरबीआई पर बने एक वृत्त चित्र में यह जानकारी दी गयी है। आरबीआई ने अपने कामकाज और भूमिकाओं को लोगों के सामने लाने के लिए हाल में जारी वृत्तचित्र के जरिये यह भी बताया है कि हमारा देश दुनिया में करेंसी नोट के सबसे बड़े उत्पादकों में से एक है। जहां अमेरिका में यह लगभग 5,000 करोड़ इकाई, यूरोप में 2,900 करोड़ इकाई है वहीं भारत में यह 13,000 करोड़ इकाई है। यह पहली बार है जब आरबीआई के कार्यों को वृत्तचित्र के रूप में लाया गया है। वृत्त चित्र में दी गयी जानकारी के अनुसार केंद्रीय बैंक 1991 के आर्थिक संकट के बाद सोने का भंडार कई गुणा बढ़ा चुका है और देश में स्वर्ण भंडार के संरक्षक के रूप में लगभग 870 टन सोना काफी सुरक्षित स्थानों पर रखा है। बहुत कम लोगों को ही सोने की तिजोरियों तक पहुंच है। इस सोने को केंद्रीय बैंक 12.5 किलो वजन के स्वर्ण ईंट के रूप में रखा गया है। केंद्रीय बैंक के अधिकारी कहते हैं ` कि सोना केवल धातु नहीं बल्कि देश की ताकत है। देश बनते रहेंगे, बिगड़ते रहेंगे।

अर्थव्यवस्था में उतार-चढ़ाव होता रहेगा लेकिन सोना हमेशा अपना मूल्य बनाये रखेगा।

चुंबक की आपूर्ति बढ़ाने चीन नहीं जा पाया वाहन उद्योग का प्रतिनिधिमंडल

बैठक के लिए चीनी अधिकारियों से औपचारिक मंजूरी का इंतजार

नई दिल्ली। दुर्लभ खनिज (चुंबक) के आयात में तेजी लाने के लिए भारतीय वाहन उद्योग का प्रतिनिधिमंडल अभी तक चीन रवाना नहीं हो पाया है। उद्योग सूत्रों का कहना है कि प्रतिनिधिमंडल को अब भी चीन के वाणिज्य मंत्रालय से बैठक के लिए औपचारिक मंजूरी का इंतजार है। पिछले महीने लगभग 40-50 उद्योग अधिकारियों को वीजा मिल गया है, लेकिन वे अब भी इस मामले पर बैठक के लिए चीनी अधिकारियों से औपचारिक मंजूरी का इंतजार कर रहे हैं। इघरेलू वाहन उद्योग ने दुर्लभ खनिज की कमी को देखते हुए चीन से इसका आयात बढ़ाने के लिए सरकार से भी समर्थन मांगा है। भारत ने पिछले वित्त वर्ष में अपने 540 टन चुंबक आयात का 80 प्रतिशत से अधिक चीन से मंगाया था। अब चीन द्वारा इसके निर्यात पर अंकुश का असर दिखने लगा है।मई 2025 तक, भारतीय कंपनियों के लगभग 30 आयात अनुरोधों को भारत सरकार द्वारा अनुमोदित किया जा चुका है, लेकिन इन्हें चीनी अधिकारियों की मंजूरी नहीं मिली है। इस वजह से कोई खेप नहीं आ पाई है।

ऊर्जा मंत्रालय ने लॉन्च किया इंडिया एनर्जी स्टैक

नई दिल्ली।

ऊर्जा मंत्रालय ने इंडिया एनर्जी स्टैक (आईईएस) नाम की एक विशेष पहल शुरू करने की घोषणा की। केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि यह पहल नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने, बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) की कार्यक्षमता सुधारने और लोगों को पारदर्शी व भरोसेमंद बिजली सेवाएं देने में अहम भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि जैसे आधार ने लोगों की पहचान को आसान बनाया और यूपीआई ने डिजिटल पेमेंट में क्रांति ला दी, वैसे ही इंडिया एनर्जी स्टैक बिजली क्षेत्र में एक नया दौर शुरू करेगा। यह हर नागरिक के लिए आसान, सुरक्षित और उपभोक्ता-केंद्रित ऊर्जा सेवाएं सुनिश्चित करेगा। यह पहल देश की बढ़ती बिजली मांग को पूरा करने, ग्रिड को स्थिर रखने और उपभोक्ताओं को सशक्त बनाने के लिए जरूरी है। भारत का लक्ष्य 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनना और नेट-जीरो उत्सर्जन की दिशा में बढ़ना है। इस बीच, बिजली क्षेत्र में नवीकरणीय ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहनों और उपभोक्ताओं की बढ़ती भागीदारी के कारण कई नए अवसर और चुनौतियां सामने आ रही हैं। लेकिन, मौजूदा सिस्टम में एकरूपता की कमी और डिजिटल एकीकरण का अभाव बड़े रोड़े हैं। इन समस्याओं को दूर करने के लिए मंत्रालय ने इंडिया एनर्जी स्टैक शुरू किया है, जो एक मानकीकृत, सुरक्षित और खुला डिजिटल मंच होगा। यह बिजली की पूरी सप्लाई चेन को मैनेज करने, निगरानी करने और नए प्रयोग करने में मदद करेगा।

वृहद आर्थिक आंकड़े व वैश्विक रुझान तय करेंगे स्थानीय शेयर बाजार की चाल

विदेशी निवेशकों की कारोबारी गतिविधियों और कच्चे तेल की कीमतों पर भी सभी की नजर रहेगी

मुंबई।

इस सप्ताह औद्योगिक उत्पादन (आईआईपी) जैसे वृहद आर्थिक आंकड़ों, अमेरिकी शुल्क से जुड़े घटनाक्रमों तथा अन्य वैश्विक रुझानों से तय होगी घरेलू शेयर बाजारों की चाल। बाजार के जानकारों ने यह राय जताई है। उन्होंने कहा कि सप्ताह के दौरान विदेशी निवेशकों की कारोबारी गतिविधियों और कच्चे तेल की कीमतों पर भी सभी की नजर रहेगी। एक ब्रोकिंग रिसर्च के अनुसार इस सप्ताह भारत और अमेरिका से कई महत्वपूर्ण आर्थिक आंकड़े जारी किए जाएंगे, जो बाजार की धारणा और केंद्रीय बैंक के परिदृश्य को प्रभावित करेंगे। भारत में सप्ताह की शुरुआत 30 जून को मई के लिए औद्योगिक उत्पादन के आंकड़ों से होगी। इसके अलावा एक जुलाई को विनिर्माण पीएमआई के आंकड़े आएंगे, जिससे भारत के औद्योगिक क्षेत्र और ऑर्डर प्रवाह की स्थिति की जानकारी मिलेगी। इसके बाद तीन जुलाई को सेवा पीएमआई के आंकड़े जारी किए जाएंगे। बाजार के एक अन्य जानकार ने कहा` कि जैसे-जैसे पहली तिमाही के नतीजों का सत्र नजदीक आ रहा है, निवेशक वृद्धि के रुझानों के शुरुआती संकेतकों के रूप में कंपनियों के प्रदर्शन पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। इसके अलावा आने वाले सप्ताह में अमेरिका द्वारा प्रमुख वैश्विक भागीदारों के साथ अंतिम रूप दिए जाने वाले व्यापार समझौतों को लेकर भी उत्सुकता बढ़ गई है। उन्होंने कहा` कि इसके साथ बाजार भागीदार घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अर्थव्यवस्था में सुधार का आकलन करने के लिए अमेरिका के गैर-कृषि पेरोल और बेरोजगारी के आंकड़ों के साथ-साथ भारत के औद्योगिक उत्पादन के आंकड़ों पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। इससे संस्थागत प्रवाह में सुधार, अमेरिका-भारत व्यापार समझौते की संभावनाओं से समर्थन मिलेगा। घरेलू स्तर पर आईआईपी और पीएमआई के आंकड़ों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। साथ ही मानसून की प्रगति और एफआईआई की गतिविधियां भी बाजार को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की शर्तों पर सहम ति पर कुछ मुद्दों पर फंसा पेंच

फंसे पेच सुलझाने के लिए मोदी-ट्रंप को ही संभालना होगा मोर्चा

नई दिल्ली।

भारत-अमेरिका ेयापार समझौते की अधिकतर शर्तों पर लगभग सहमे ति तो बन चुकी है लेकिन कुछ मुद्दो पर अभी गतिरोध बना हुआ है।

जानकारों का कहना है कि इन अड़चनों को दूर करने के लिए दोनों ही देशों के शीर्ष नेतृत्व को हस्तक्षेप करना होगा। एक और भारत चाहता है कि सभी टैरिफ को पूरी तरह से हटाने की स्पष्ट गारंटी दे और अमेरिकी अपनी भारत के संवेदनशील कृषि क्षेत्र को अधिक मुक्त करने की मांग पर पुनर्विचार करे। एक रिपोर्ट में बताया गया है कि वाशिंगटन में शुरू हुई दो दिवसीय वार्ता अगले सप्ताह तक खिंच सकती है। विशेष सचिव (वाणिज्य) राजेश अग्रवाल की अगुवाई में भारतीय वार्ताकारों की टीम अभी भी अमेरिका में मौजूद है। इससे संकेत मिलता है कि बातचीत अगले सप्ताह तक जारी रह सकती है।

व्यापार विशेषज्ञों का कहना है कि दोनों देश अगर एक-दूसरे की व्यावहारिक और राजनीतिक संवेदनशीलताओं को ध्यान में रख फैसला ले तो अंतरिम ेयापार समझौता जल्द हो सकता है। अमेरिका चाहता है कि भारत अपने कृषि और डेयरी क्षेत्र को अमेरिका के लिए खोल दे। भारत में डेयरी क्षेत्र छोटे किसानों पर आधारित है, जिनकी आजीविका एक या दो पशुओं पर निर्भर होती है।

ऐसे में वे अमेरिका के बड़े स्तर के डेयरी फार्म्स से मुकाबला नहीं कर सकते। अमेरिका के पशु चारे में मांसाहारी सामग्री होने के कारण धार्मिक भावना का मुद्दा जुड़ा है। भारत अमेरिका की मक्का और सोयाबीन जैसे उत्पादों को भी बिना शर्त प्रवेश देने को तैयार नहीं है, क्योंकि ये जेनेटिकली मॉडिफाइड होते हैं और भारतीय कानून जीएम फसलों की अनुमति नहीं देता। भारत चाहता है कि अमेरिका कोई ऐसी व्यवस्था बनाए जिससे यह प्रमाणित हो सके कि भेजे जा रहे उत्पाद जीएम नहीं हैं. लेकिन अमेरिका इसे व्यावहारिक रूप से संभव नहीं मानता।

विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो के महानिदेशक को मिली एक्स-कैटेगरी सुरक्षा

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार ने विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) के महानिदेशक जीवीजी युगंधर को एक्स-श्रेणी की सशस्त्र सुरक्षा प्रदान की है। वे 12 जून को अहमदाबाद में हुए एयर इंडिया विमान हादसे की जांच का नेतृत्व कर रहे हैं। गृह मंत्रालय ने एक खतरे की आशंका संबंधी रिपोर्ट के आधार पर केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल को निर्देश दिया है कि वे युगंधर को सुरक्षा मुहैया उपलब्ध कराएं। इस व्यवस्था के मुतो बिक उनकी देशभर की यात्रा के दौरान तीन से चार सशस्त्र सीआरपीएफ जवान उनके साथ रहेंगे। गौरतलब है कि एयर इंडिया की फ्लाइट एआई 171, जो अहमदाबाद से लंदन जा रही थी, दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी। इस हादसे में 270 लोगों की जान चली गई थी। युगंधर इस गंभीर मामले की उच्च स्तरीय जांच का नेतृत्व कर रहे हैं। 13 जून को भारत के विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो ने औपचारिक रूप से इस दुर्घटना की जांच शुरू की। इसके लिए एक बहु-विषयक टीम बनाई गई है, जिसमें अमेरिका के नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड के विशेषज्ञ, एक एयर ट्रैफिक कंट्रोल अधिकारी और एक एविएशन मेडिसिन विशेषज्ञ को शामिल किया गया है। यह टीम हादसे के कारणों और जिम्मेदार पक्षों की गहराई से जांच कर रही है। अब आईसीएओ की मौजूदगी से यह जांच और अधिक व्यापक और पारदर्शी मानी जा रही है।

देश के कई नामी बैंक एफडी पर दे रहे 8.30 फीसदी तक ब्याज दरें

एसबीआई सामान्य ग्राहकों को 3 से 7.10, सीनियर सिटीजन 3.50 से 7.60 फीसदी तक दे रहा ब्याज

मुंबई।

एफडी एक सुरक्षित निवेश विकल्प माना जाता है, जो तय समय के बाद गारंटीड रिटर्न के अच्छा ब्याज भी देता है। इस समय देश के कई नामी बैंक एफडी पर 8.30 फीसदी तक आकर्षक ब्याज दरें ऑफर कर रहे हैं। देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) द्वारा सामान्य ग्राहकों को एफडी पर 3 फीसदी से 7.10 फीसदी तक और सीनियर सिटीजन को 3.50 फीसदी से 7.60 फीसदी तक ब्याज दिया जा रहा है। वहीं, एचडीएफसी बैंक सामान्य ग्राहकों को 3 फीसदी से 7.25 फीसदी और वरिष्ठ नागरिकों को 3.50 फीसदी से 7.75 फीसदी तक का ब्याज दे रहा है। आईसीआईसीआई बैंक की दरें भी समान हैं, जहां सामान्य ग्राहकों को 3 फीसदी से 7.10 फीसदी और वरिष्ठ नागरिकों को 3.50 फीसदी से 7.60 फीसदी तक का रिटर्न दे रहा है। आरबीएल बैंक सबसे अधिक ब्याज दे रहा है। यह बैंक सामान्य ग्राहकों को 3.50 से 7.80 फीसदी और सीनियर सिटीजन को 4 से 8.30 फीसदी तक का अच्छा ब्याज दे रहा है, जो फिलहाल बाजार में सबसे अधिक है। कोटक महिंद्रा बैंक अपने एफडी स्कीम में सामान्य ग्राहकों को 2.75 से 7.20 फीसदी और वरिष्ठ नागरिकों को 3.25 फीसदी से 7.70 फीसदी ब्याज दे रहा है। वही आईडीबीआई बैंक की ब्याज दरें सामान्य ग्राहकों के लिए 3 फीसदी से 6.75 फीसदी और वरिष्ठ नागरिकों के लिए 3.50 से 7.25 फीसदी तक हैं। बैंक ऑफ बड़ौदा भी एफडी निवेशकों के लिए एक बेहतर विकल्प है। यहां सामान्य ग्राहकों को 3 से 7.05 फीसदी और वरिष्ठ नागरिकों को 3.50 से 7.55 फीसदी तक का ब्याज दे रहा है। पंजाब नेशनल बैंक सामान्य ग्राहकों को 3.50 से 7.25 फीसदी और सीनियर सिटीजन को 4 फीसदी से 7.75 फीसदी ब्याज दे रहा है।

भारत की सिलिकॉन सिटी बेंगलुरु में घर दूंढना एक बड़ी चुनौती

बेंगलुरु में 19 लाख का सिक्योरिटी डिपॉजिट देख हैरान रह गया कनाडियाई नागरिक

बैंगलुरू।

भारत की सिलिकॉन सिटी बेंगलुरु में घर रेंट पर लेना या खरीदना एक बड़ी चुनौती है। हाल ही में बेंगलुरु में किराये के मकान को लेकर एक कनाडाई नागरिक ने सोशल मीडिया पर अपनी हैरानी जताई। दरअसल, कनाडा से आए कैलेब फ्रीसन ने जब बेंगलुरु के पॉश एरिया डोमलूर में एक 3बीएचके अपार्टमेंट का ऑनलाइन विज्ञापन देखा, तो उसमें लिखा था कि महीने का किराया 1.75 लाख रुपये है, लेकिन सिक्योरिटी डिपॉजिट 19.25 लाख रुपये1 उन्होंने इस लिस्टिंग की फोटो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शेयर करते हुए लिखा, 19 लाख सिर्फ सिक्योरिटी के लिए? पागलपन है ये! इतने में तो मैं नई महिंद्रा थार खरीद लूं1 उन्होंने ये भी पूछा कि क्या इंदिरानगर के आसपास कोई ऐसा घर है जहां सिर्फ 2-3 महीने का डिपॉजिट देना पड़े और किराया 80 हजार से 1 लाख रुपये के बीच हो? उनकी पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल हो गई और 43,000 से ज्यादा बार देखी गई1 इसके बाद बेंगलुरु के रियल एस्टेट और रेंटल सिस्टम को लेकर बहस शुरू हो गई। एक यूजर ने लिखा, आपको अपनी उम्मीदें छोड़ने के लिए तैयार रहना चाहिए। यहां रेंटल सिस्टम माफिया जैसा है। दूसरे ने तंज कसा, इसलिए लोग कहते हैं कि घर खरीदना फिजूल है, बिना ब्याज के इतना पैसा डिपॉजिट देने से अच्छा है ईएमआई दो। एक और यूजर ने लिखा - मैं चेन्नई से बेंगलुरु शिफ्ट होना चाहता था, लेकिन जब मैंने किराया देखा तो लगा सैलरी से भी ज्यादा डिपॉजिट है, इसलिए जाने का प्लान छोड़ दिया।

वैश्विक अस्थिरता के दौर में भी मजबूत बनी हुई है भारतीय अर्थव्यवस्थाः केंद्र

भारत के कुल निर्यात में मई 2025 में 2.8 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर दर्ज की गई

नई दिल्ली।

वित्त वर्ष 26 के पहले दो महीने में भारत की अर्थव्यवस्था अच्छा प्रदर्शन कर रही है। वित्त मंत्रालय ने मासिक रिव्यू में बताया कि मजबूत घरेलू मांग, कम होती महंगाई, मजबूत एक्सटर्नल सेक्टर और एक स्थिर रोजगार की स्थिति के कारण वैश्विक अस्थिरता के दौर में भी अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है। वित्त वर्ष 26 में भी सकारात्मक रुझान जारी रहने की संभावना है, शुरुआती हाई-फ्रीक्वेंसी इंडीकेटर्स (एचएफआई) संकेत दे रहे हैं कि आर्थिक गतिविधि मजबूत बनी हुई है। ई-वे बिल जनरेशन, ईंधन खपत और पीएमआई सूचकांक जैसे एचएफआई निरंतर मजबूती की ओर इशारा करते हैं। ग्रामीण मांग में और मजबूती आई है, जिसे रबी की अच्छी फसल और सकारात्मक मानसून के पूर्वानुमान से सपोर्ट मिला है। शहरी खपत को अवकाश और व्यावसायिक यात्राओं में वृद्धि से समर्थन मिल रहा है। हवाई यात्रियों की आवाजाही और होटलों में लोगों की बढ़ती संख्या में इसे आसानी से देखा जा सकता है। वित्त मंत्रालय ने कहा कि घरेलू संकेतक काफी हद तक सकारात्मक रहे हैं, बाहरी घटनाक्रमों के परिणामस्वरूप वित्तीय बाजारों में अस्थिरता देखी गई। 2025 की शुरुआत में व्यापार तनाव में वृद्धि हुई और उसके बाद दूसरी तिमाही में आंशिक कमी देखी गई। रिव्यू में कहा गया है कि एक्सटर्नल सेक्टर पर भारत के कुल निर्यात में मई 2025 में 2.8 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर दर्ज की गई, जो टैरिफ अनिश्चितताओं और कमजोर वैश्विक आर्थिक स्थितियों के बीच हमारे निर्यात की मजबूती बताता है।

अरबपति वॉरेन बफेट ने दान किए 6 बिलियन डॉलर के शेयर

दान से पहले वॉरेन बफेट की 152 बिलियन डॉलर की कुल संपत्ति थी

मुंबई।

दुनिया के दिग्गज निवेशक वॉरेन बफेट (94 वर्षीय) ने गेट्स फाउंडेशन और चार फैमिली चैरिटी संस्थाओं को बर्कशायर हैथवे के 6 बिलियन डॉलर के अतिरिक्त शेयर दान कर दिए हैं। यह लगभग दो दशक पहले अपनी संपत्ति दान करने के बाद से उनका सबसे बड़ा वार्षिक दान है। बर्कशायर क्लास बी के लगभग 12.36 मिलियन शेयरों के दान ने बफेट के दान को चैरिटी को 60 बिलियन डॉलर से भी अधिक तक बढ़ा दिया। बफेट ने गेट्स फाउंडेशन को 9.43 मिलियन शेयर, सुसान थॉम्पसन बफेट फाउंडेशन को 9,43,384 शेयर और अपने बच्चों हॉवर्ड, सूसी और पीटर द्वारा संचालित तीन चैरिटी में से प्रत्येक को 6,60,366 शेयर दान किए। ये चैरिटी- हॉवर्ड जी. बफेट फाउंडेशन, शेरवुड फाउंडेशन और नोवो फाउंडेशन हैं। हालांकि, वॉरेन बफेट अभी भी बर्कशायर के 13.8 फीसदी शेयर के मालिक हैं। फोर्ब्स पत्रिका के अनुसार दान से पहले वॉरेन बफेट की 152 बिलियन डॉलर की कुल संपत्ति थी। वह दुनिया के 5वें सबसे अमीर व्यक्ति थे। दान के बाद बफेट छठे स्थान पर होंगे, जो पिछले जून में उनके द्वारा दान किए गए 5.3 बिलियन डॉलर से अधिक है। उन्होंने पिछले नवंबर में फैमिली चैरिटी को 1.14 बिलियन डॉलर का अतिरिक्त दान दिया था। 94 वर्षीय बफेट ने साल 2006 में अपनी संपत्ति दान करना शुरू कर दिया था। उन्होंने पिछले साल अपनी वसीयत बदली और अपनी मौत के बाद बची हुई संपत्ति का 99.5 फीसदी अपने बच्चों की देखरेख में एक धर्मार्थ ट्रस्ट को दे दिया। गौरतलब है कि वॉरेन बफेट 1965 से ओमाहा, नेब्रास्का स्थित बर्कशायर का नेतृत्व कर रहे हैं। 1.05 ट्रिलियन डॉलर समूह बर्कशायर के पास करीब 200 व्यवसाय और ऐप्पल, अमेरिकन एक्सप्रेस सहित दर्जनों स्टॉक हैं।

संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाते राहुल गांधी

डॉ. आशीष वशिष्ठ

2024 के लोकसभा चुनाव के बाद राहुल गांधी ने अमेरिका के नेशनल प्रेस क्लब में कहा कि 'भारत में लोकतंत्र पिछले 10 सालों से टूटा (ब्रोकेन) हुआ था, अब यह लड़ रहा है।' उनका यह कहना लोकतंत्र की मूल भावना पर ही सवाल उठाता है।

नवंबर 2024 में महाराष्ट्र चुनाव में करारी पराजय के बाद कांग्रेस और उसके कुछ सहयोगी दलों ने चीखना शुरू कर दिया था- 'ईवीएम में भूत है, जो भाजपा को ही वोट भेजता है।' अप्रैल 2025 को विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने अपने अमेरिका दौरे के दौरान बोस्टन में एक मीटिंग को संबोधित करते हुए महाराष्ट्र चुनाव का हवाला देते हुए, चुनाव पर बड़े सवाल उठाए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत में चुनाव आयोग 'कंप्रोमाइज्ड' है।

ताजा संदर्भ राहुल गांधी ने 'मैच-फिक्सिंग महाराष्ट्र' शीर्षक से 7 जून को एक लेख लिखा। ये कई अखबारों में छपा। इसमें उन्होंने आरोप लगाया कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठते हैं और भाजपा ने सुनियोजित तरीके से चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित किया। यह कोई पहला ऐसा मौका नहीं है जब राहुल गांधी ने संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठया हो या फिर उन्हें कटघरे में खड़ा करने का काम किया हो। वो आदतन अक्सर ऐसा करते रहते हैं ।

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 324 निर्वाचन आयोग को स्वतंत्र और स्वायत्त संस्था के रूप में स्थापित करता है जिसे संसद, राष्ट्रपति, विधानसभा और सभी निर्वाचित निकायों के चुनाव निष्पक्ष और स्वतंत्र रूप से संपन्न कराने का दायित्व दिया गया है। यह संस्था न तो कार्यपालिका के अधीन है और न ही किसी राजनीतिक दबाव में काम करती है। भारतीय निर्वाचन आयोग केवल एक प्रशासनिक निकाय नहीं बल्कि विवाद-निराकरण और मतदाता-विश्वास निर्माण की भी जिम्मेदारी निभाता है। आयोग मतदान प्रक्रिया को विश्वसनीय बनाने के लिए कई स्तर पर काम करता है। राहुल गांधी सस्ती लोकप्रियता पाने के कुछ भी बयान देते हैं, पर तर्क और तथ्य की कमी होती है। इससे समाज में भ्रम फैलता है और लोकतांत्रिक प्रक्रिया कमजोर पड़ती है। विदेशी धरती पर जाकर वो देश का अपमान, मोदी सरकार की आलोचना और संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता पर सवाल उठाने का कोई अवसर चूकते नहीं हैं।

2024 के लोकसभा चुनाव के बाद राहुल गांधी ने अमेरिका के नेशनल प्रेस क्लब में कहा कि 'भारत में लोकतंत्र पिछले 10 सालों से टूटा (ब्रोकेन) हुआ था, अब यह लड़ रहा है।' उनका यह कहना लोकतंत्र की मूल भावना पर ही सवाल उठाता है। खासकर तब जब भारत में लगातार चुनाव होते रहे हैं और सरकारें बदलती रहीं हैं। बीते 10-11 वर्षों में देश में कई ऐसी सरकारें बनी हैं, जिसे बीजेपी को हराने के बाद कांग्रेस को मौका मिला है। मतलब, अगर नतीजे राहुल और उनकी पार्टी के लिए अच्छे रहें तो लोकतंत्र ठीक है और नहीं तो वह 'ब्रोकेन हो जाता है।

सितंबर 2023 में राहुल गांधी ने ब्रसेल्स में यूरोपियन यूनियन में कहा कि भारत में 'फुल स्केल एसॉल्ट' हो रहा है। उन्होंने भारतीय संस्थाओं की निष्पक्षता पर संदेह जताया। मई 2022 में लंदन में 'आइडियाज फॉर इंडिया' सम्मेलन में राहुल ने कहा कि भारत की संस्थाएं 'परजीवी' बन गई हैं। उन्होंने यह भी कहा कि 'डीप स्टेट' (सीबीआई, ईडी) भारत को चबा रहा है। यहां 'डीप स्टेट' का मतलब सरकार के अंदर छिपे हुए ऐसे ताकतवर लोग हैं जो अपने फायदे के लिए काम करते हैं। यहां 'डीप स्टेट' का मतलब सरकार के अंदर छिपे हुए ऐसे ताकतवर लोग हैं जो अपने फायदे के लिए काम करते हैं। राहुल गांधी ने भारत की तुलना पाकिस्तान जैसे अस्थिर लोकतंत्र से भी कर दी।

2017 में ही अमेरिका में राहुल गांधी ने कहा कि भारत अब वह नहीं रहा जहां हर कोई कुछ भी कह सकता है। उन्होंने विदेश की धरती पर भारत में 'फ्री स्पीच' की स्थिति पर संदेह पैदा करने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि भारत में सहनशीलता खत्म हो गई है। जबकि, हकीकत ये है कि राहुल गांधी संसद से लेकर बाहर तक जब जो जी में आता है, बयान देते रहे हैं और सरकार को छोड़ दें, शायद ही कोई संवैधानिक संस्था बची हो, जिस पर उन्होंने निशाना न साधा हो।

राहुल गांधी यह क्यों भूल जाते हैं कि भारतीय चुनाव आयोग ने ही वे चुनाव संपन्न करवाए हैं, जिनके दम पर वह आज विपक्ष के नेता पद पर बैठे हुए हैं। उनके परिवार के तीन-तीन सदस्य इन्हीं चुनावी प्रक्रियाओं का सहारा लेकर संसद में मौजूद हैं। यहीं की संवैधानिक संस्थाओं ने उन्हें इतनी राहत दी हुई है कि नेशनल हेराल्ड केस में गंभीर आरोपों के बावजूद वो और उनका मां सोनिया गांधी को जमानत मिली हुई है। बीते कुछ वर्षों में राजनीतिक तौर पर भले ही भारत की चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठाने का चलन बन गया हो लेकिन भारत के चुनाव आयोग की प्रशंसा केवल देश के भीतर ही नहीं संयुक्त राष्ट्र, अंतरराष्ट्रीय चुनाव पर्यवेक्षकों और कई विदेशी सरकारों द्वारा भी की गई है। हार्वर्ड कैनेडी स्कूल के 2020 के एक अध्ययन में भारत के चुनाव आयोग को 'वन ऑफ दी मोस्ट रोबस्ट इलेक्टोरल इंस्टीटूशन्स ग्लोबली' (विश्व स्तर पर सबसे मजबूत चुनावी संस्थाओं में से एक) कहा गया। यही नहीं, 2014, 2019 और 2024 के आम चुनावों में भारत ने पूरी दुनिया को दिखाया कि तकनीक, प्रशिक्षण और जनता की भागीदारी के माध्यम से एक निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव संभव है।

बीती मई को बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने से चुनाव आयोग से मुलाकात कर चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता, पारदर्शिता और स्वतंत्रता को सुनिश्चित करने से जुड़े कई महत्वपूर्ण बिंदुओं को उठाया था। यह बातचीत निर्वाचन आयोग की उस नई पहल का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य राजनीतिक दलों की चिंताओं और सुझावों को सीधे तौर पर सुनकर चुनावी प्रक्रिया को अधिक मजबूत और पारदर्शी बनाना है। चुनाव आयोग अब तक देशभर में कुल 4,719 सर्वदलीय बैठकें आयोजित की जा चुकी हैं। इन बैठकों में अब तक 28,000 से अधिक राजनीतिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया है।

चुनाव आयोग ने राहुल गांधी से लिखित में तथ्यों की मांग की और चर्चा के लिए भी आमंत्रित किया है और अब यह दायित्व बनता है कि आरोप लगाने वाले नेता उन्हें उचित प्रक्रिया के अनुसार प्रस्तुत करें। हालांकि राहुल गांधी के पूर्व रिकार्ड के हिसाब से ऐसा लग नहीं रहा है कि वो चुनाव आयोग के सामने जाएंगे। इसके लिए उन्होंने अभिषेक सिंघवी, विवेक तन्खा जैसे बड़े वकीलों और पार्टी के अन्य नेताओं को रखा हुआ है। राहुल गांधी का काम सिर्फ आरोप लगाना है। अगर एजेंसी आरोपों को जवाब देना चाहती है तो वह सुनना उनका काम नहीं है। कमोबेश ऐसा ही आचरण उनका संसद में भी है। असल में] राहुल गांधी आरोप लगाकर, सामने वाले का पक्ष या जवाब सुनने की बजाय कोई नया आरोप लगाने की तैयारी में जुट जाते हैं। तथ्य और तर्क से उनका कोई लेना देना नहीं रहता।

तथ्य यह भी है कि नवंबर 2024 में विधानसभा चुनावों के बाद कांग्रेस की ओर से इसी तरह के मुद्दे उठाए गए थे। आयोग ने 24 दिसंबर 2024 को कांग्रेस पार्टी को एक विस्तृत जवाब दिया था, जिसकी प्रति चुनाव आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। इससे यह साफ जाहिर होता है कि राहुल गांधी इस अध्याय का पटाक्षेप नहीं चाहते हैं। उनकी पार्टी इस मामले को जिंदा रखना चाहती है ताकि आगे के चुनाव नतीजों को सुविधा को हिसाब से संदिग्ध बनाया जा सके।

चुनाव आयोग ने बार-बार यह सिद्ध किया है कि वह किसी भी राजनीतिक दबाव, मीडिया उन्माद या सार्वजनिक सनसनी से परे केवल संविधान और मतदाता के प्रति जवाबदेह है। इसलिए आज जरूरत है कि हम आलोचना करें लेकिन तथ्यों पर करें। सवाल उठाएं लेकिन समाधान के साथ और सबसे अहम कि लोकतंत्र की मजबूती, सतत निगरानी और निष्पक्षता बरकरार रखने के लिए बनायी गयी संस्थाओं का सम्मान बनाए रखें, ताकि आमजन की लोकतंत्र और उसकी संस्थाओं के प्रति आदर का भाव बना रहे।

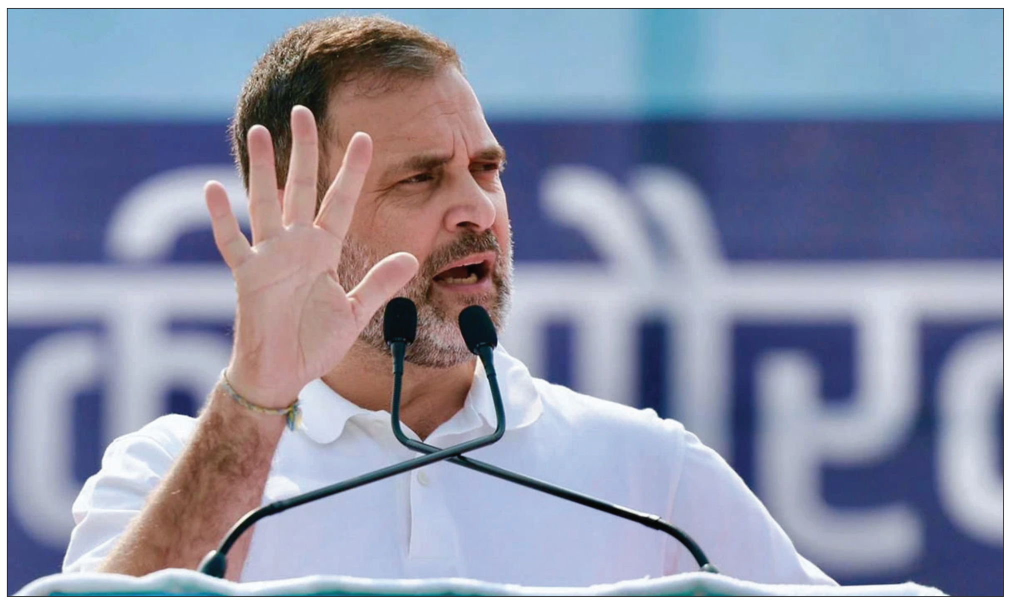

संपादकीय

बहाल हो भरोसा

जम्मू-कश्मीर में प्रतिवर्ष होने वाली वाषिर्क तीर्थयात्रा अमरनाथ के लिए पंजीकृत श्रद्धालुओं में से केवल एक तिहाई ने यात्रा की पुष्टि की है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बताया कि 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के कारण कुल तीर्थयात्री पंजीकरण में बीते वर्ष की तुलना में 10 फीसद से अधिक की गिरावट देखी जा रही है। पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था के दौरान इस वर्ष तीन जुलाई से 9 अगस्त तक यह यात्रा चलेगी। सिन्हा ने बताया कि पहलगाम घटना से पहले पंजीकरण अच्छी गति से चल रहा था। जिसमें तकरीबन दो लाख छत्तीस हजार श्रद्धालुओं ने पंजीकरण कराया था। इस हमले में 26 पर्यटकों के मारे जाने के बाद से समूचे जम्मू-कश्मीर विषेशकर घाटी जाने वालों में काफी गिरावट आई है। बीते साल अमरनाथ की यात्रा करने वालों की संख्या पांच लाख बारह हजार तक पहुंच गई थी। जो बीते दशक से भी ज्यादा समय में सबसे ज्यादा बताई गई। विश्वास किया जा रहा था कि सुरक्षा-व्यवस्था बढाए जाने के दावों के बाद उम्मीद की जा रही थी कि यात्रियों में भय कम हो सकता है। आतंकियों द्वारा की गई जघन्य हत्या से लोगों में इस कदर भय है कि स्थानीय व्यापारियों व होटल वालों का कहना था कि गर्मियों में यहां दस/बीस फीसद पर्यटक आए, जिससे उनका सारा धंधा चौपट हो गया। अमरनाथ श्राइन बोर्ड द्वारा पहलगाम हमले से पहले पंजीकरण कराने वाले तीर्थयात्रियों से दोबारा सत्यापन की प्रक्रिया चालू की, जिसमें बस पिचासी हजार शिवभक्तों ने पंजीकरण की दोबारा पुष्टि की है। हालांकि लोग जल्द ही त्रासदियां भुला देते हैं। मगर सुरक्षा को लेकर लापरवाही यात्रियों की जान जोखिम में डालने वाली हो सकती है। यूं भी तीर्थ स्थलों में उमड़ने वाली भीड़ और इसके कारण उपजी अव्यवस्था की खबरें आम हो चुकी हैं। यूं भी दुर्गम इलाकों और घाटियों को तमाम छानबीन के बावजूद पूर्णतः सुरक्षित रखने का दावा अतिउत्साह कहलाएगा। पहले कई दफा आतंकवादी इस पवित्र यात्रा को निशाना बनाने की धमकियां भी देते रहे हैं। किसी भी आयोजन की सफलता उसका शांतिपूर्ण ढंग से निपट जाना है। बावजूद इसके कि श्रद्धालुओं को पल्रोभन देकर आमंत्रित किया जाए और उनकी जान जोखिम में डाली जाए।

चिंतन-मनन

शांति इंसान के अंदर है

पानी में मिला हुआ नमक दिखाई नहीं देता। इसका यह मतलब नहीं कि वह गायब हो गया। हालांकि आंख से नहीं देख सकते, पर जबान से उसे चख तो सकते हैं। मनुष्य के साथ ही कुछ ऐसा ही होता है। हम शांति को आंखों से नहीं देख सकते, परंतु हृदय से उसका अनुभव कर सकते हैं। वह शक्ति भी सब जगह है- थल में भी है, आकाश, वायु, जल और पेड़ों में भी है और उसी के होने की वजह से आप भी जीवित हैं। आप विश्वास करते हैं कि आपकी जन्मपुंडली में लिखा हुआ है, इसकी वजह से आप जीवित हैं, परंतु नहीं।

कौन कब जाएगा, यह किसी को नहीं मालूम। कब क्या होगा, यह किसी को नहीं मालूम। पर लोग अपने जीवन के अंदर इसी चीज का विश्वास करके चलते हैं कि उनको मालूम है कि कल क्या होगा। आप जीते कहां हैं? आज में। कल तो आप जी नहीं सकते। अगर कल आएगा भी तो उसको आज का रूप लेना पड़ेगा। तो आप जीते कहां हैं? आज में। और आपकी आशाएं कहां हैं? कल में। आप चिंता किसकी करते हैं? कल की। और कल कभी आएगा नहीं। सारी जिंदगी आज में आपको जीना है। संस्कार यह डालने चाहिए कि आपके अंदर शांति है, उसे खोजो, उसको महसूस करो। अगर शांति-शांति कहने से ही शांति हो जाती तो अब तक तो हो जानी चाहिए थी। अब तक नहीं हुई है, तो कम से कम कुछ तो बदलिए। क्या बदलिए? मुंह को बंद कीजिए और अंतर्मुख होकर हृदय को खोलिए। क्योंकि शांति को पैदा करने की जरूरत नहीं है। शांति तो स्वयं आपके अंदर है, जैसे वह नमक जो पानी में मिला हुआ है, वैसे ही शांति भी आपके अंदर है। होश संभालने के साथ ही आप शांति, आनंद और चैन को ढूंढ रहे हैं। परंतु वह आपके हृदय के अंदर ही स्थित है। उसके अनुभव के लिए आपको इसे अपनाना पड़ेगा। इसे महसूस करने के लिए आप में इच्छा होनी चाहिए कि आप अपने जीवन में यह शांति चाहते हैं। जब तक अनुभव नहीं होगा, तब तक सारी बातें अधूरी हैं। जिस शांति की आपको तलाश है, वह शांति आपके अंदर है। कब तक रहेगी? जब तक आप जीवित हैं, तब तक रहेगी। आपकी सुंदरता कब बढ़ेगी? इस संसार के अंदर ऐसी कौन सी चीज है, जिसे पहनकर आप दरअसल अच्छे लगेंगे? वह है शांति।

जगन्नाथ रथ यात्रा है भगवान को पाने का पर्व

हर साल आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा निकाली जाती है।देवताओं की मूर्तियों को तीन विशाल रथों में ले जाया जाता है जिन्हें उत्साहित भक्त खींचते हैं। यह उत्सव आषाढ़ (जून-जुलाई) महीने के पखवाड़े के दूसरे दिन शुरू होता है और नौ दिनों तक चलता है। इस यात्रा को रथ महोत्सव और गुंडिचा यात्रा के नाम से जाना जाता है। पंचांग के अनुसार, 2025 में तिथि 26 जून को दोपहर 1:24 बजे से शुरू हुआ और पुरे देश मैं धूमधाम से मनाई जा रही है जो 5मई तक चलेगा । पूरी के जगन्नाथपूरी मैं कहा जाता की भगवान श्री कृष्ण का दिल है दरअसल जब महाभारत मैं गांधारी जो एक पतिव्रता स्त्री थी गांधारी ने महाभारत मैं कौरवों के नाश के बाद भगवान श्री कृष्ण को श्राप दिया था जिस तरह मेरे सारे पुत्रों कृष्ण के उकसाने पर मारे गए हैं तो तुम्हारे वंश का भी विनाश होगा भगवान कृष्ण चाहते तो इसे बचा सकते थे और कहा जाता है कि द्वारिका नगरी समुद्र में डूब गई और भगवान श्री कृष्ण किसी जंगल मैं सोये थे तो किसी जंगल मैं जानवर का एक शिकारी ने हिरण के शिकार के भ्रम मैं भगवान श्री कृष्ण के पाँव मैं तीर लग गई और तब शिकारी ने कहा कि गलती से भगवान ये बाण लगा मुझे माफ करें तब उन्होंने बताया की यह होना तय था और पिछले जन्म मैं तुम बाली थे और मैं भगवान श्री राम और मैंने तुम्हे धोखे से मारा था उसके बाद भगवान कृष्ण ने प्राण त्याग दिए और पांडवों ने भगवान कृष्ण का अंतिम संस्कार किया था।जिसमें अस्थि के साथ उनका दिल भी था समुद्र में प्रवाहित कर दि एक पौराणिक कथा के अनुसार, राजा इंद्रद्युम्न को स्वप्न में भगवान कृष्ण ने दर्शन दिए और अपनी अस्थियों वाला एक संदूक जिसमें दिल भी था जो पुरी में समुद्र किनारे मिलने की बात बताई। भगवान ने राजा को उस संदूक को उसी स्थान पर रखकर उसके ऊपर एक मंदिर बनवाने का आदेश दिया, जिसका नाम जगन्नाथ होगा। भगवान ने यह भी कहा कि मंदिर में कोई मूर्ति नहीं होगी और एक विद्वान को रखा जाएगा जो पवित्र गीता के अनुसार ज्ञान का प्रचार करेगा। राजा ने भगवान से मंदिर के स्थान को दिखाने का अनुरोध किया, और भगवान ने उन्हें वह स्थान दिखायाइस मंदिर का सबसे पहला प्रमाण महाभारत के वनपर्व में मिलता है। कहा जाता है कि सबसे पहले सबर आदिवासी विश्वावसु ने नीलमाधव के रूप में इनकी पूजा की थी। आज भी पुरी के मंदिरों में कई सेवक हैं जिन्हें दैतापति के नाम से जाना जाता है।

राजा इंद्रदयुम्न मालवा का राजा था जिनके पिता का नाम भारत और माता सुमति था। राजा इंद्रदयुम्न को सपने में हुए थे जगन्नाथ के दर्शन। कई ग्रंथों में राजा इंद्रदयुम्न और उनके यज्ञ के बारे में विस्तार से लिखा है। उन्होंने यहां कई विशाल यज्ञ किए और एक सरोवर बनवाया। एक रात भगवान विष्णु ने उनको सपने में दर्शन दिए और कहा नीलांचल पर्वत की एक गुफा में मेरी एक मूर्ति है उसे नीलमाधव कहते हैं। तुम एक मंदिर बनवाकर उसमें मेरी यह मूर्ति स्थापित कर दो। राजा ने अपने सेवकों को नीलांचल पर्वत की खोज में भेजा। उसमें से एक था ब्राह्मण विद्यापति।

विद्यापति ने सुन रखा था कि सबर कबीले के लोग नीलमाधव की पूजा करते हैं और उन्होंने अपने देवता की इस मूर्ति को नीलांचल पर्वत की गुफा में छुपा रखा है। वह यह भी जानता था कि सबर कबीले का मुखिया विश्वेवसु नीलमाधव का उपासक है और उसी ने मूर्ति को गुफा में छुपा रखा है। चतुर विद्यापति ने मुखिया की बेटी से विवाह कर लिया। आखिर में वह अपनी पत्नी के जरिए नीलमाधव की गुफा तक पहुंचने में सफल हो गया। उसने मूर्ति चुरा ली और राजा को लाकर दे दी।

विश्वचवसु अपने आराध्य देव की मूर्ति चोरी होने से बहुत दुखी हुआ। अपने भक्त के दुख से भगवान भी दुखी हो गए। भगवान गुफा में लौट गए, लेकिन साथ ही राज इंद्रदयुम्न से वादा किया कि वो एक दिन उनके पास जरूर लौटेंगे बशर्ते कि वो एक दिन उनके लिए विशाल मंदिर बनवा दे। राजा ने मंदिर बनवा दिया और भगवान विष्णु से मंदिर में विराजमान होने के लिए कहा। भगवान ने कहा कि तुम मेरी मूर्ति बनाने के लिए समुद्र में तैर रहा पेड़ का बड़ा टुकड़ा उठाकर लाओ, जो द्वारिका से समुद्र में तैरकर पुरी आ रहा है। राजा के सेवकों ने उस पेड़ के टुकड़े को तो ढूंढ लिया लेकिन सब लोग मिलकर भी उस पेड़ को नहीं उठा पाए। तब राजा को समझ आ गया कि नीलमाधव के अनन्य भक्त सबर कबीले के मुखिया विश्वूवसु की ही सहायता लेना पड़ेगी। सब उस वक्त हैरान रह गए, जब विश्ववसु भारी-भरकम लकड़ी को उठाकर मंदिर तक ले आए।

अब बारी थी लकड़ी से भगवान की मूर्ति गढ़ने की। राजा के कारीगरों ने लाख कोशिश कर ली लेकिन कोई भी लकड़ी में एक छैनी तक भी नहीं लगा सका। तब तीनों लोक के कुशल कारीगर भगवान विश्वेकर्मा एक बूढ़े व्यक्ति का रूप धरकर आए। उन्होंने राजा को कहा कि वे नीलमाधव की मूर्ति बना सकते हैं, लेकिन साथ ही उन्होंने अपनी शर्त भी रखी कि वे 21 दिन में मूर्ति बनाएंगे और अकेले में बनाएंगे। कोई उनको बनाते हुए नहीं देख सकता। उनकी शर्त मान ली गई। लोगों को आरी, छैनी, हथौड़ी की आवाजें आती रहीं। राजा इंद्रदयुम्न की रानी गुंडिचा अपने को रोक नहीं पाई। वह दरवाजे के पास गई तो उसे कोई आवाज सुनाई नहीं दी। वह घबरा गई। उसे लगा बूढ़ा कारीगर मर गया है। उसने राजा को इसकी सूचना दी। अंदर से कोई आवाज सुनाई नहीं दे रही थी तो राजा को भी ऐसा ही लगा। सभी शर्तों और चेतावनियों को दरकिनार करते हुए राजा ने कमरे का दरवाजा खोलने का आदेश दिया।जैसे ही कमरा खोला गया तो बूढ़ा व्यक्ति गायब था और उसमें 3 अधूरी ?मूर्तियां मिली पड़ी मिलीं। भगवान नीलमाधव और उनके भाई के छोटे-छोटे हाथ बने थे, लेकिन उनकी टांगें नहीं, जबकि सुभद्रा के हाथ-पांव बनाए ही नहीं गए थे। राजा ने इसे भगवान की इच्छा मानकर इन्हीं अधूरी मूर्तियों को स्थापित कर दिया। तब से लेकर आज तक तीनों भाई बहन इसी रूप में विद्यमान हैं लेकिन भगवान कृष्ण के दिल को अग्नि देवता ने कुछ नहीं किया क्योंकि ऐसा करने पर संपूर्ण जगत का विनाश हो जाता और अस्थि विसर्जन में दिल भी नदी में प्रवाहित हो गईकि पद्म पुराण की मानें तो एक बार भगवान जगन्नाथ की बहन सुभद्रा ने नगर देखने की इच्छा जाहिर की।

इसके लिए भगवान जगन्नाथ ने सुभद्रा को रथ पर बैठाकर नगर दिखाया। इस दौरान वह अपनी मौसी के घर भी गए। जहां वह सात दिन तक रुके। मान्यता है कि तभी से हर साल भगवान जगन्नाथ निकालने की परंपरा जारी है। ज्येष्ठ मास में गर्मी का आरम्भ होता है, अतः पुरी में श्रीजगन्नाथ जी के चतुर्धा विग्रह को स्नान कराया जाता है। 108 घड़ों से स्नान के बाद उनको ज्वर हो जाता है, तथा 15 दिन बीमार रहने पर उनकी चिकित्सा होती है। उसके बाद आषाढ़ शुक्ल द्वितीया को वे घूमने निकलते हैं। 3 रथों में जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा गुण्डिचा मन्दिर तक जाते हैं तथा ९ दिन बाद दशमी को लौटते हैं जिसे बाहुड़ा कहते हैं। लौटने को बहोर कहते हैं-गयी बहोर गरीब नेवाजू सरल सबल साहिब रघुराजू। (रामचरितमानस, बाल काण्ड, 12/4)। चान्द्र मास में भी जब अमावास्या के बाद चन्द्र सूर्य से दूर जाता है तब शुक्ल पक्ष की शुद्ध तिथि होती है। जब सूर्य के निकट लौटता है तब बहुल तिथि होती है।परब्रह्म के अव्यय पुरुष रूप को जगन्नाथ कहा गया है। इसे गीता (15/1) में विपरीत वृक्ष कहा गया है। भगवान बलभद्र को बलराम, दाऊ और बलदाऊ के नाम से भी जाना जाता है। बागियों में श्रेष्ठ होने के कारण इन्हें बलभद्र भी कहा जाता है। बलभद्र को शेषनाग के नाम से जाना जाता है और भगवान जग अर्थात श्री कृष्ण को भगवान कृष्ण का अवतार माना जाता है।. कहा जाता है कि जब कंस ने देवकी-वसुदेव के छह पुत्रों को मार डाला था, तब देवकी के गर्भ से शेषावतार और भगवान बलराम का जन्म हुआ था। योगी आदित्यनाथ ने उन्हें आकर्षित कर नंद बाबा के यहां रह रही श्री रोहिणी जी के गर्भ में निषेचित करवा दिया था। इसलिए उनका नाम संकर्षण पड़ा। श्री कृष्ण और बलराम की माताएं अलग-अलग हैं, लेकिन वे एक ही हैं। ध्यान से देखा जाए तो वे पहले देवकी के गर्भ में थे। बलराम सत्ययुग के राजा कुकुदनी की पुत्री रेवती के वंशज थे। रेवती बलराम से काफी लंबी थी, इसलिए बलराम ने उसे अपने हल से पराजित कर दिया था। संसार की रथयात्रा में बलभद्र का भी रथ है। वे गदा धारण करते हैं। बलराम ने अपनी गदा से योगेन्द्र और भीम दोनों को मार डाला था। कौरव और पांडव दोनों ही उनके बराबर थे, इसलिए उन्होंने युद्ध में भाग नहीं लिया। मौसूलम युद्ध में यवंश के विनाश के बाद बलराम ने समुद्र तट पर बैठकर अपने प्राण त्याग दिए।सुभद्रा श्री कृष्ण की बहन भी थीं।

- संजय गोस्वामी

जलविद्युत परियोजनाः हिमाचल में भूस्खलन का खतरा बढ़ा

पंकज चतुर्वेदी

सुंदर, शांत, सुरम्य हिमाचल प्रदेश में इन दिनों मौत का सन्नाटा है। राज्य का बड़ा हिस्सा अचानक तेज बरसात और जमीन खिसकने से कब्रिस्तान बना हुआ है तो जहां आपदा आई नहीं वहां के लोग भी आशंका में जी रहे हैं। कई जिलों विशेषकर कुल्लू और धर्मशाला में भारी बारिश और बादल फटने की घटनाएं हुई हैं। कई जगहों पर भूस्खलन हुआ है, सड़कें अवरुद्ध हो गई और यातायात बाधित हुआ। सेंज घाटी में 2000 से अधिक पर्यटक फंसे हुए हैं।

गंभीरता से देखें तो ये हालात भले ही आपदा से बने हों लेकिन इन आपदाओं को बुलाने में इंसान की भूमिका भी कम नहीं है। जब दुनिया भर के शोध कह रहे थे कि हिमालय पर्वत जैसे युवा पहाड़ पर पानी को रोकने, जलाशय बनाने और सुरंग बनाने के लिए विस्फोटक के इस्तेमाल के अंजाम अच्छे नहीं होंगे तब हिमाचल की जलधाराओं पर छोटे-बड़े बिजली संयंत्र लगा कर उसे विकास का प्रतिमान निरुपित किया जा रहा था। नेशनल रिमोट सेंसिंग एजेंसी, इसरो द्वारा तैयार देश के भूस्खलन नक्शे में हिमाचल प्रदेश के सभी 12 जिलों को बेहद संवेदनशील की श्रेणी में रखा गया है। देश के कुल 147 ऐसे जिलों में संवेदनशीलता की दृष्टि से मंडी को 16वें स्थान पर रखा गया है। यह आंकड़ा और चेतावनी फाइल में सिसकती रही और इस बार मंडी में तबाही का भयावह मंजर सामने आ गया। ठीक यही हाल शिमला का हुआ जिसका स्थान इस सूची में 61वें नम्बर पर दर्ज है।

हिमाचल सरकार के डिजास्टर मैनेजमेंट सेल द्वारा प्रकाशित अध्ययन 'लैंड्डस्लाइड हैजार्ड रिस्क असेसमेंट' ने पाया कि बड़ी संख्या में हाइड्रोपावर स्थल पर धरती खिसकने का खतरा है। लगभग 10 ऐसे मेगा हाइड्रोपावर प्लांट, स्थल मध्यम और उच्च जोखिम वाले भूस्खलन क्षेत्रों में स्थित हैं। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने विभिन्न एजेंसियों के माध्यम से सर्वेक्षण कर भूस्खलन संभावित 675 स्थल चिन्हित किए हैं। चेतावनी के बाद भी किन्नौर में एक हजार मेगा वॉट की करचम और 300 मेगा वॉट की बासपा परियोजनाओं पर काम चल रहा है। एक बात और समझना होगा कि 'वर्तमान में बारिश का तरीका बदल रहा है और गर्मियों में तापमान सामान्य से कहीं अधिक पर पहुंच रहा है। ऐसे में मेगा जल विद्युत परियोजनाओं को बढ़ावा देने की राज्य की नीति को एक नाजुक और पर्यावरण के प्रति संवेदनशील क्षेत्र में लागू किया जा रहा है।

वैसे हिमाचल प्रदेश में पानी से बिजली बनाने का कार्य 120 सालों से हो रहा है। हिमाचल प्रदेश में ऊर्जा दोहन का कार्य इसके पूर्ण राज्य घोषित होने से पहले ही शुरू हो गया था। 1908 में चंबा में 0.10 मेगावॉट क्षमता की एक छोटी जल विद्युत परियोजना के निर्माण के कार्य से शुरू हुई थी। इसके बाद 1912 में औपचारिक रूप से शिमला जिले के चाबा में 1.75 मेगावॉट क्षमता का बिजली संयंत्र शुरू हुआ जिसे ब्रिटिश भारत की बिजली संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए स्थापित किया गया था। इसका सफल परिचालन होने पर यहां और बिजली संयंत्र लगाने की संभावनाएं तलाशी जाने लगीं। इसी योजना के तहत मंडी जिले के जोगिन्द्र नगर में 48 मेगावॉट की बड़ी परियोजना का निर्माण कार्य शुरू किया गया जो 1932 में पूरा हुआ। आज हिमाचल में 130 से अधिक छोटी-बड़ी बिजली परियोजनाएं चालू हैं जिनकी कुल बिजली उत्पादन क्षमता 10,800 मेगावॉट से अधिक है। सरकार का इरादा 2030 तक राज्य में 1000 से अधिक जलविद्युत परियोजनाएं लगाने का है जो कुल 22,000 मेगावॉट बिजली क्षमता की होगी।

कई शोधपत्र कह चुके हैं कि हिमाचल प्रदेश में अंधाधुंध जल विद्युत परियोजनाओं से चार किस्म की दिक्कतें आ रही हैं। पहली, इसका भूवैज्ञानिक प्रभाव है, जिसके तहत भूस्खलन, मिटटी का ढहना शामिल है। दूसरी दिक्कत जल भूवैज्ञानिक है जिसमें देखा गया कि झीलों और भूजल स्त्रोतों में जल स्तर कम हो रहा है। तीसरा नुकसान है-बिजली परियोजनाओं में नदियों के किनारों पर खुदाई और बह कर आए मलवे के जमा होने से वनों और चरागाहों में जलभराव बढ़ रहा है, और ऐसी परियोजनाओं का चौथा खतरा है सुरक्षा में कोताही के चलते हादसों की आशंका। इसलिए ऐसी परियोजनाओं से बचा जाना चाहिए जो कुदरत की अनमोल देन कहे जाने वाले हिमाचल प्रदेश को हादसों का प्रदेश बना दें।

एयर इंडिया विमान के केबिन में जलने की गंध, चेन्नई जा रहा विमान मुंबई में उतरा

मुंबई (एजेंसी)। अहमदाबाद विमान हादसे के बाद एयर इंडिया के विमानों में परेशानियों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब एक ऐसी घटना सामने आई है जिसमें मुंबई से चेन्नई जा रहे एयर इंडिया के विमान AI639 को केबिन में जलने की गंध आने के बाद मुंबई हवाईअड्डे पर तत्काल इमरजेंसी लैंडिग करवाई गई। घटना शुक्रवार को हुई और एयर इंडिया ने कल इस घटना की पुष्टि की। एयर इंडिया के प्रवक्ता ने बताया कि पायलट एहतियात के तौर पर विमान को वापस मुंबई ले आया। विमान के केबिन में जलने की गंध आने के बाद विमान को मुंबई हवाईअड्डे पर उतारा गया। विमान मुंबई में सुरक्षित उतर भी गया। इसके बाद यात्रियों की सुविधा के लिए वैकल्पिक उड़ान की व्यवस्था की गई। एयर इंडिया के प्रवक्ता ने यह भी बताया कि कर्मचारियों ने यह सुनिश्चित करने का हर संभव प्रयास किया कि यात्रियों को कोई असुविधा न हो। इसी तरह, शुक्रवार को एयर इंडिया के एक अन्य विमान को गैर-विशिष्ट सुरक्षा अलर्ट मिला। हालांकि, सभी सुरक्षा मापदंडों की पुष्टि करने के बाद विमान को अपनी उड़ान जारी रखने की अनुमति दी गई। एयर इंडिया के प्रवक्ता ने कहा कि यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

दुनिया का करोड़पति भिखारी

मुंबई (एजेंसी)। भारत की आर्थिक राजधानी मुंबई में दुनिया का ऐसा अनोखा भिखारी है। जो लगभग 7.5 करोड रुपए की संपत्ति का मालिक है। 40 साल से वह भीख मांगने का धंधा कर रहा है। इसकी संपत्ति मुंबई में लगभग 7.5 करोड रुपए की है। यह अमीर भिखारी भरत जैन के नाम से जाना जाता है। जैन समुदाय के लोग कभी भीख नहीं मांगते है। यह जैन भीख मांगने का धंधा करता है। इसने पिछले 40 वर्षों में करोड़ों रुपए की संपत्ति अर्जित की है। मुंबई के दो फ्लैट में इसका परिवार रहता है। जिनकी कीमत 1.4 करोड रुपए है। ठाणे के एक बहुत बडे कामर्शियल स्पेस का मालिक है। किराए के माध्यम से हजारों रुपए महीने की आय है। हजारों रुपए रोज यह भीख मे कमाता है। इसके बच्चे मुंबई के महंगे कान्वेंट स्कूल में पढ़ रहे हैं। भीख का धंधा होने के कारण इसका कोई खर्च नहीं है। भीख की कमाई को जोड़ जोड़कर यह करोड़पति भिखारी बन गया।

जालंधर-अमृतसर नेशनल हाईवे पर कार-पिकअप में टक्कर, 3 की मौत, 17 घायल

कपूरथला (एजेंसी)। पंजाब के कपूरथला जिले के जालंधर-अमृतसर नेशनल हाईवे पर गुडाणा पुल के पास एक कार और पिकअप की आमने-सामने की टक्कर हो गई। हादसे में दंपती समेत तीन लोगों की मौत हो गई और 17 गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। मृतकों की पहचान पिकअप का चालक कल्याण सिंह (60) होशियारपुर व उसकी पत्नी प्रवीण कुमारी के अलावा संजना पुत्री पवनजीत वासी बिरड़ों तहसील गढ़शंकर जिला होशियारपुर के रूप में हुई है। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। हादसे के बाद आर्टिगा कार पुल से नीचे गिर गई जिससे कार में सवार 7 व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और घायलों को उपचार के लिए अस्पताला पहुंचाया। एसएसआई ने बताया कि शनिवार सुबह 5 बजे कार जालंधर से अमृतसर की तरफ जा रही थी। जब वह गांव गुडाना पुल के नजदीक पहुंची तो सामने से आ रहे महिंद्रा पिकअप से टक्कर हो गई। हादसे में पिकअप में बैठी दो सवारियों की मौत हो गई और करीब 14 लोग घायल हो गए हैं। एक व्यक्ति की मौत अस्पताल में हुई। उन्होंने बताया कि कार को भीम पुत्र धर्मपाल वासी करनाल हरियाणा चला रहा था। पिकअप व आर्टिगा कार में सवार सभी लोग ब्यास जा रहे थे। कार में चालक समेत सात सवारियां थी। पुलिस घटना की जांच कर रही है।

ट्रेन में नहीं चल रहा एसी, कोई बात नहीं आईआरसीटीसी पूरा पैसा रिफंड देगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के करोड़ रेल यात्रियों के लिए एक बड़ी खुशखबरी है। भारतीय रेलवे की टिकट बुकिंग वेबसाइट आईआरसीटीसी ने एक नई सुविधा शुरू की है। अब अगर आपकी ट्रेन लेट होती है या एसची कोच में ठंडक नहीं मिलती, तब आपको पूरा टिकट का पैसा वापस मिल सकता है। यह फैसला यात्रियों की परेशानी को कम करने के लिए हुआ है। दरअसल कई बार लोग ट्रेन में देरी या एससी न चलने की शिकायत करते हैं, लेकिन अब आईआरसीटीसी ने उनकी मदद के लिए यह कदम उठाया है। आईआरसीटीसी की नई पॉलिसी यात्रियों को राहत देगी। मान लीजिए आप दिल्ली से मुंबई जा रहे हैं, और ट्रेन 5 घंटे लेट होती है, या एससी कोच में ठंडक नहीं मिलती। पहले आपको सिर्फ आंशिक रिफंड मिलता था, लेकिन अब अगर ये दिक्कतें होती हैं, तब पूरा टिकट का पैसा वापस मिलेगा। यह सुविधा खास तौर पर उन लोगों के लिए फायदेमंद है जो लंबी यात्रा करते हैं और समय की कीमत समझते हैं। ट्रेन अगर 3 घंटे से ज्यादा लेट होती है। एससी कोच में ठंडक 2 घंटे से ज्यादा समय तक न मिले। तब आपको आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शिकायत दर्ज करानी होगी। रिफंड के लिए 24 घंटे के अंदर अप्लाई करना जरूरी है। रिफंड लेना बहुत आसान है, और इसके लिए आपको आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर जाना होगा। फिर रिफंड या परेशानी ऑप्शन ढूंढें और क्लिक करें। अपनी टिकट का पीएनआर नंबर, यात्रा की तारीख, और परेशानी (ट्रेन लेट या एसी खराब) बताएं। सारी जानकारी भरने के बाद सबमिट बटन दबाएं। 7 से 10 दिन में आपका पैसा बैंक अकाउंट में वापस आ जाएगा।

बेटी ने लगाए मां पर सेक्स ट्रेनिंग देने के आरोप, पुलिस ने महिला को किया गिरफ्तार

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु में नौवीं कक्षा में पढ़ने वाली एक छात्रा ने अपनी ही मां पर आरोप लगाया है। छात्रा का आरोप है कि उसकी मां, उसे सेक्स करने की ट्रेनिंग देती है। छात्रा के मुताबिक मां कहती हैं कि यह ट्रेनिंग शादी के बाद पति के साथ संबंध बनाने में काम आएगी। हालांकि महिला अपने बेटी के इन आरोपों से इनकार कर रही। अब पुलिस इस मामले में जांच में जुट गई है।

महिलाओं के साथ ऐसा व्यवहार किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता: पात्रा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा ने कोलकाता के कस्बा स्थित लॉ कॉलेज में 25 जून को एक छात्रा से हुई गैंगरेप को राज्य प्रायोजित अपराध बताते हुए कहा कि अब सिर्फ सफाई नहीं, ममता बनर्जी को माफी मांगते हुए इस्तीफा देना चाहिए। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं सांसद डॉ संबित पात्रा ने शनिवार को केन्द्रीय कार्यालय में प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए ने कहा कि मुख्य आरोपी मनोजित मिश्रा टीएमसी स्टूडेंट विंग से जुड़ा, पूर्व सेक्रेटरी और पार्टी के नेताओं के करीबी है। पीड़िता की लिखित शिकायत में बलात्कार, ब्लैकमेल, धमकी और मेडिकल सहायता से इनकार तक भयावह विवरण सामने आए हैं। इस मामले में गार्ड की चुप्पी और कॉलेज यूनियन की भूमिका ने मामले को और गंभीर बना दिया है। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने इस अमानवीय घटना की जांच के लिए एक चार सदस्यीय समिति का गठन किया है, जो जल्दी ही घटनास्थल का दौरा करेगी और अपनी रिपोर्ट भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष को सौंपेगी। साथ ही, डॉ. पात्रा ने आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ पर इंदिरा गांधी के संविधान बदलने की मंशा उजागर करते हुए कांग्रेस के लोकतंत्र के रक्षक होने के झूठे दावों को उजागर किया। डॉ. पात्रा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने इस अमानवीय घटना की पूरी जानकारी ली और तमाम तथ्यों को देखने के बाद साफ कहा कि यह एक क्रूरता की हद पार करने वाला कृत्य है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने इस मामले की जांच के लिए एक चार सदस्यीय समिति का गठन किया है। इस समिति में मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर और पूर्व केंद्रीय मंत्री सत्यपाल सिंह, पूर्व केंद्रीय मंत्री श्रीमती मीनाक्षी लेखी, लोकसभा सांसद बिप्लब कुमार देब और राज्यसभा सांसद मनन कुमार मिश्रा को शामिल किया गया है। यह जांच समिति जल्द ही घटनास्थल का दौरा करेगी और अपनी रिपोर्ट भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष को सौंपेगी। बंगाल में जो कुछ हो रहा है, उसने हम सबको भीतर तक झकझोर दिया है। यह सिर्फ जवाब मांगने का वक्त नहीं है, अब ममता बनर्जी से माफी और इस्तीफा दोनों की मांग हो रही है। इस देश में महिलाओं के साथ ऐसा व्यवहार किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. पात्रा ने कहा कि 25 जून के दिन कोलकाता के कस्बा स्थित लॉ कॉलेज में एक जघन्य गैंगरेप की घटना घटी। लगभग 24-25 वर्षीय एक छात्रा के साथ जिस प्रकार से सामूहिक दुष्कर्म हुआ, वह बेहद अमानवीय और शर्मनाक है। इस घटना को लेकर आज पूरे भारतवर्ष में शोक और आक्रोश का माहौल है।

ब्रह्मपुत्र का बढ़ा जलस्तर, कई बीघा जमीन पानी में डूबी, खाना-पानी बना चुनौती

गुवाहाटी। असम में ब्रह्मपुत्र नदी का जलस्तर बढ़ने से जनजीवन पर असर पड़ा है, जिससे नदी किनारे के इलाकों में पानी घुस गया है। इससे लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और उनकी दिनचर्या प्रभावित हो चुकी है। प्रभावित लोगों ने बताया कि कई बीघा खेती की जमीन पानी में डूब गई है, जिससे न केवल उनकी उगाई गई सब्जियों और फसलों को नुकसान हुआ है, बल्कि भोजन-पानी की व्यवस्था भी चुनौती बन गई है।

जानकारी के मुताबिक डिब्रूगढ़, जोरहाट, माजुली और कामरूप जिलों के पानीखैती, राजाबारी इलाकों में ब्रह्मपुत्र नदी का पानी घुसने के कारण सैकड़ों हेक्टेयर कृषि भूमि पानी में डूब गई है। लोगों के मुताबिक ब्रह्मपुत्र नदी का जलस्तर 3 से 4 दिनों से जिस तरह बढ़ रहा है, अगर ऐसा ही रहा तो उससे उनका गांव भी जलमग्न हो जाएगा। एक स्थानीय शख्स ने बताया कि यहां पिछले दो दिन में ही चार फीट तक पानी भर गया है। यह खेती का क्षेत्र है। करीब 500 बीघा क्षेत्र में पानी भरा है, जिससे सब्जियां और धान की फसलें बर्बाद हो गई। स्थिति बहुत खराब है। अगर पानी ज्यादा भरा तो हालत और भी ज्यादा खराब हो जाएंगे। मीडिया रिपोर्ट में स्थानीय लोगों ने बताया कि यहां रहने की समस्या भी बनी हुई है। साथ ही भोजन की व्यवस्था करना चुनौतीपूर्ण है। पानी ज्यादा भरने से बिजली काट दी जाती है। पीने का पानी उपलब्ध नहीं है। इसके लिए हमें बाहर से नाव के जरिए पानी की व्यवस्था करनी पड़ रही है। एक और स्थानीय शख्स ने बताया कि हम लोग केवल मछली मारकर ही अपने लिए भोजन की व्यवस्था कर रहे हैं।

उत्तराखंड में बारिश से हुई तबाही के चलते रोकना पड़ी चारधाम यात्रा

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड में भारी बारिश और भूस्खन को ध्यान में रखते हुए चारधाम यात्रा को फिलहाल रोक दिया गया है। यह फैसला यात्रियों की सुरक्षा और बारिश के अलर्ट को देखते हुए लिया गया है। बता दें कि अलग-अलग जिलों में पहाड़ी इलाकों में बारिश के कारण तबाही आई हुई है। कहीं सड़कों पर मलबे गिर रहे हैं, तो कहीं बड़े-बड़े बोल्डर। ऐसे में हाईवे बंद हो गए हैं। जिसके चलते हजारों श्रद्धालु फंसे हुए हैं। इस बीच मौसम विभाग ने भारी बारिश को लेकर अलर्ट भी जारी कर दिया है। इसी अलर्ट को देखते हुए प्रशासन ने एहतियात बरता है।

चमोली में चार धाम यात्रियों को सुरक्षित स्थान पर रोका गया है। बद्रीनाथ, पांडुकेश्वर, चमोली, जोशीमठ ,कर्णप्रयाग में सभी यात्री रोके गये हैं। पीपलकोटी में भी कुछ तीर्थयात्री रोके गए हैं। लगातार हो रही है बारिश के बाद यात्रा रोकने का फैसला लिया गया है। तीर्थ यात्रियों के जोशीमठ से आगे नहीं जाने दिया जाएगा। लैंडस्लाइड की वजह से जगह-जगह यात्री फंस रहे हैं। पुलिस अधीक्षक सर्वेश पंवार ने जानकारी दी है। इस बीच मौसम विज्ञान केंद्र देहरादून द्वारा मौसम पूर्वानुमान भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। चारधाम यात्रा को अगले 24 घंटों के लिए रोका गया है। जनपद में तीर्थ यात्रियों को सुरक्षित स्थानों में रुकवाने के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों को हरिद्वार, ऋषिकेश, श्रीनगर, रुद्रप्रयाग, सोनप्रयाग और विकासनगर में तीर्थयात्रियों को रोकने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं पहाड़ों पर लगातार हो रही बारिश से गंगा का जलस्तर बढ़ गया है। ऋषिकेश में गंगा वार्निंग लेबल से 65 सेंटीमीटर नीचे बह रही हैं। प्रमुख घाटों तक गंगा जी का पानी पहुंच गया है। प्रमुख गंगा घाटों के प्लेटफॉर्म जल में डूबने लगे हैं, जिससे मैदानी इलाकों में गंगा बढ़ा जल मुसीबत बढ़ा सकता है। वहीं देर रात से हो रही भारी बारिश के चलते रुद्रप्रयाग जिले कई जगह भारी नुकसान हुआ है। जखोली के बांगर क्षेत्र में बारिश से जमकर तबाही हुई है। बांगर पट्टी की आवाजाही वाले मुख्य मयाली-रणधार मोटरमार्ग पर पोंठी और मुन्याघर के बीच में स्थित मोटरपुल बह गया है। पूरी पट्टी की आवाजाही बंद हो गयी है और लोग घरों में कैद हो गये हैं। इसके अलावा क्षेत्र के जखवाड़ी तल्ली थापला में भी नुकसान हुआ है।

अगर हिंदी पढ़ानी ही है तो... 5वीं कक्षा से पढ़ाएं: अजीत पवार

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने कहाकि राज्य विधानमंडल के मॉनसून सत्र से पहले मंत्रिमंडल की बैठक में इस मुद्दे पर चर्चा की जाएगी। बारामती में संवाददाताओं से बात करते हुए राकांपा अध्यक्ष ने अपने विचार को दोहराया कि अगर पढ़ानी ही है तो हिंदी पांचवीं कक्षा से पढ़ाई जानी चाहिए। उन्होंने कहाकि हमारा कभी यह मत नहीं रहा कि हिंदी को (स्कूल में) शुरू से ही थोपा जाना चाहिए। हिंदी सीखने की कोई बाध्यता नहीं है। इस बीच, अभिनेता सयाजी शिंदे ने भी पहली कक्षा से हिंदी पढ़ाने का विरोध किया।

बता दें कि महाराष्ट्र सरकार ने पिछले हफ्ते एक संशोधित आदेश जारी किया था। इसमें कहा गया था कि मराठी और अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में पहली से पांचवी कक्षा तक के विद्यार्थियों को हिंदी सामान्यतः तीसरी भाषा के रूप में पढ़ाई जाएगी, जिसके बाद इस पर विवाद पैदा हो गया। सरकार ने कहाकि हिंदी अनिवार्य नहीं होगी तथापि उसने हिंदी के अलावा किसी अन्य भाषा का अध्ययन करने के लिए स्कूल में प्रत्येक कक्षा में कम से कम 20 छात्रों की सहमति अनिवार्य कर दी।

विपक्षी दलों ने भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार के आदेश की आलोचना की है। इस आदेश के अनुसार मराठी और अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में कक्षा 1-5 तक हिंदी सामान्य रूप से तीसरी भाषा होगी। उपमुख्यमंत्री पवार ने कहाकि हिंदी की कोई बाध्यता नहीं है। हमारा मानना है कि अपने-अपने राज्य में सभी को अपनी मातृभाषा सीखनी चाहिए। हमने कहा है कि पांचवीं कक्षा से हिंदी पढ़ाने के बारे में सोचना चाहिए। अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में पढ़ने वालों को मराठी सीखनी चाहिए, क्योंकि यह एक अनिवार्य विषय है। लोगों को पांचवीं कक्षा से (वैकल्पिक भाषा के बारे में) निर्णय लेना चाहिए। अजित पवार ने कहाकि छात्रों को मराठी सीखने की अनुमति दी जानी चाहिए, जो एक बहुत ही समृद्ध भाषा है। उन्हें कम उम्र में ही मराठी में पारंगत होना चाहिए और

उन पर किसी अन्य भाषा का बोझ नहीं डालना चाहिए। अगर इसे अनिवार्य बनाना ही है, तो इसे पांचवीं कक्षा के बाद ही पढ़ाया जाना चाहिए। अजित पवार ने कहाकि विधानसभा सत्र परसों शुरू होगा। हम कल (मंत्रिमंडल बैठक में) इस मुद्दे पर चर्चा करेंगे। हमारा कभी भी यह मत नहीं रहा कि हिंदी को शुरू से ही थोपा जाना चाहिए।

भारत-पाक सीमा के पास मिला युवक-युवती का शव, आईडी और सिम कार्ड बरामद

-जांच एजेंसियां अलर्ट, जैसलमेर पुलिस कर रही हर पहलू की जांच

जैसलमेर (एजेंसी)। राजस्थान के जैसलमेर में भारत-पाकिस्तान बॉर्डर के पास एक युवक और नाबालिग लड़की का शव मिला है। मौके से पाकिस्तानी सिम और आईडी कार्ड भी मिला है। इसकी पुष्टि जिले के एसपी ने की। एसपी के मुताबिक ये दोनों शव जैसलमेर जिले के साधेवाला क्षेत्र में स्थित भारत-पाकिस्तान सीमा के पास मिले। मृतकों में एक 18 साल का युवक और एक 15 साल की नाबालिग लड़की हैं। शवों की हालत से लगता है कि दोनों की मौत करीब सात दिन पहले हुई होगी। शव भारत-पाक तारबंदी से 10-12 किलोमीटर अंदर भारतीय क्षेत्र में मिले हैं। आईडी कार्ड के मुताबिक युवक का नाम रवि कुमार है। भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास दो शव मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां भी सतर्क हो गईं। मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस और बीएसएफ के अधिकारी मौके पर पहुंचे और उन्होंने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जैसलमेर एसपी ने बताया कि मामला संवेदनशील है और हर पहलू से जांच की जा रही है। घटनास्थल के आसपास के गांवों में भी पूछताछ जारी है। शुरुआती जांच में शवों के पास कोई हथियार या जहरीला पदार्थ नहीं मिला है। मौत का कारण जानने के लिए पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है। पाकिस्तानी सिम कार्ड और आईडी कार्ड मिलने से कई सवाल खड़े हो हैं। क्या यह सीमा पार प्रेम प्रसंग का मामला है या घुसपैठ की कोशिश या फिर कोई साजिश? हालांकि, यह साफ नहीं हो सका है कि वे दोनों भारतीय सीमा में क्या करने आए थे। फिलहाल मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए तनोट पुलिस, जैसलमेर पुलिस और बीएसएफ संयुक्त रूप से जांच कर रही हैं। खुफिया एजेंसियां भी सक्रिय हैं।

संविधान बदलने की बात कोई आकस्मिक बयान नहीं, बल्कि एक गहरी साजिश है: सैलजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी और उसकी मातृ संस्था राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की ओर से बार-बार भारतीय संविधान को बदलने की बात कोई आकस्मिक बयान नहीं, बल्कि एक गहरी साजिश का हिस्सा है। यह एक सुव्यवस्थित एजेंडा है, जिसका उद्देश्य डॉ. भीमराव आंबेडकर द्वारा रचित हमारे संविधान की आत्मा पर सीधा आघात करना है।

बयान में सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि आरएसएस और भाजपा की विचारधारा को संविधान असहज करता है क्योंकि यह संविधान समता, सामाजिक न्याय, धर्मनिरपेक्षता और लोकतांत्रिक मूल्यों की गारंटी देता है। यही संविधान सदियों से वंचित समाजों को अधिकार, सम्मान और अवसर प्रदान करता आया है। अब उन्हीं अधिकारों को छीनने की कोशिश की जा रही है। कभी आरएसएस के वरिष्ठ पदाधिकारी सार्वजनिक रूप से संविधान को बदलने की बात करते हैं, तो कभी भाजपा सरकार के मंत्री ऐसे बयानों और नीतियों को बढ़ावा देते हैं जो सीधे संविधान की मूल भावना के विरुद्ध हैं। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी मानती है कि भारतीय संविधान केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि देश की आत्मा है। यह संविधान ही है जिसने भारत को विविधता में एकता के सूत्र में पिरोया, हर नागरिक को समान अधिकार और अवसर दिए। इसे कमजोर करने या बदलने की किसी भी कोशिश को हम बर्दाश्त नहीं करेंगे।

सांसद सैलजा ने कहा कि वे स्पष्ट करना चाहती है कि कांग्रेस पार्टी ऐसे किसी भी विचार, नीति या प्रयास का डटकर विरोध करेगी जो संविधान के मूल सिद्धांतों के विरुद्ध हो। बाबा साहेब आंबेडकर ने जिस संविधान का निर्माण किया, वह करोड़ों दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों और महिलाओं के संघर्ष का परिणाम है। उस पर हमला करना दरअसल इन सभी वर्गों की आवाज को दबाने की कोशिश है। हम भाजपा और आरएसएस के इस संविधान विरोधी एजेंडे को देश के हर कोने में बेनकाब करेंगे। हम जनता को जागरूक करेंगे, और लोकतंत्र की रक्षा के लिए हर संभव कदम उठाएंगे। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि संविधान की रक्षा के लिए यह समय एकजुट होने का है।

ओवैसी बोले- बिहार में एनडीए को रोकना है तो एकजुट हो जाओ

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव में असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम महागठबंधन के साथ मिलकर चुनाव लड़ने की कवायद में जुटी है। पार्टी की तरफ से दावा किया गया है कि आरजेडी और कांग्रेस के नेताओं के साथ उनकी बातचीत चल रही है। हालांकि महागठबंधन को लीड कर रहे तेजस्वी यादव ने एक इंटरव्यू में कहा था कि इस मामले पर कोई चर्चा नहीं हुई है। इस बीच एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने बिहार में इंडिया अलायंस को खुला ऑफर दिया है। उन्होने कहा कि अगर महागठबंधन बिहार में एनडीए की सत्ता में वापसी को रोकना चाहता है, तो हम साथ चलने को तैयार हैं। लेकिन फैसला महागठबंधन के सहयोगी दलों को लेना है। अगर वो तैयार नहीं होते हैं। तो हमारी पार्टी सीमांचल के बाहर भी चुनाव लड़ेगी।

एआईएमआईएम प्रमुख ने कहा कि अगर वो गठबंधन को तैयार नहीं होते हैं, तो हम सीमांचल और सीमांचल के बाहर भी चुनाव लड़ेंगे। मैं हर जगह चुनाव लड़ने के लिए तैयार हूं। आने वाले समय का इंतजार करें। सीटों की सटीक संख्या की घोषणा करना अभी जल्दबाजी होगी। हालांकि बहादुरगंज और ढाका की सीट के प्रत्याशियों का ऐलान कर चुका हूं। ओवैसी ने कहा कि हमारे प्रदेश अध्यक्ष अख्तरुल ईमान ने महागठबंधन के कुछ नेताओं से बात की है, और उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा है कि हम नहीं चाहते कि बिहार में भाजपा या एनडीए की सत्ता में वापसी हो। अब यह उन राजनीतिक दलों पर निर्भर है, जो एनडीए को बिहार में सत्ता में वापसी से रोकना चाहते हैं। 5 साल पहले, मैंने व्यक्तिगत रूप से भी इसकी कोशिश की थी। लेकिन इसका कोई नतीजा नहीं निकला। इस बार भी हमारे प्रदेश अध्यक्ष कोशिश कर रहे हैं, लेकिन यह उन पर निर्भर है। इससे पहले ओवैसी 50 सीटों पर चुनाव लड़ने की बात कह चुके हैं। बता दें 2020 में एआईएमआईएम ने 20 सीटों पर चुनाव लड़ा था। जिसमें से पांच सीटें जीती थीं। हालांकि बाद में एआईएमआईएम के 4 विधायक राजद में चले गए थे। और अब सिर्फ एक मात्र विधायक अख्तरूल ईमान हैं। पार्टी को इन 20 सीटों पर डाले गए वोटों का 14.28 प्रतिशत वोट मिला था। एआईएमआईएम ने जो पांच सीटें जीती थीं, वो सभी पूर्वी बिहार के मुस्लिम बहुल सीमांचल क्षेत्र में आती हैं।

नाइजीरियन गिरोह का मुंबई से नेपाल तक फैला है नशे का कारोबार

-नारकोटिक्स क्राइम ब्रांच ने अब तक 400 से ज्यादा तस्करों को किया गिरफ्तार

गुरुग्राम(एजेंसी)। दिल्ली में नाइजीरियन गिरोह के तार मुंबई और नेपाल तक फैले हैं। नाइजीरियन गिरोह कोकेन और एमडीएमए जैसे मादक पदार्थों को बाजार में तस्करों के जरिए सप्लाई करता है। गुरुग्राम एंटी नारकोटिक्स क्राइम ब्रांच ने बीते एक महीने में कई ऐसे तस्करों को दबोचा है, जो गिरोह के लिए मुंबई और नेपाल में भी काम कर रहे थे।

जानकारी के मुताबिक पिछले सप्ताह गुरुग्राम पुलिस ने दिल्ली से सात नाइजीरियन समेत नौ लोगों को गिरफ्तार किया था। इसमें एक नेपाली तस्कर गुरुग्राम में नाइजीरिया के नागरिक को मादक पदार्थ देने आया था। इससे पूछताछ के बाद गिरोह में शामिल एक महिला समेत आठ लोगों को पकड़ा गया था। यह गिरोह विदेश से डार्क वेब के जरिए कच्चा माल मंगवाता था और एनसीआर व अन्य राज्यों के साथ नेपाल में कोकेन की सप्लाई करता था। क्राइम सेल ने 24 जून को एक और नाइजीरियन को सेक्टर 57 हुडा मार्केट में एमडीएमए की सप्लाई करने के दौरान पकड़ा था। यह पहले मुंबई में नाइजीरियन गिरोह के लिए काम करता था। वहां डेढ़ साल तक जेल में रहने के बाद यह दिल्ली के नाइजीरियन गिरोह के लिए काम करने लगा। ताजा मामला मुंबई का है। यहां पिछले दिनों छह किलो कोकेन बरामद की गई। इसकी कीमत करीब 53 करोड़ की थी। मुंबई में इसकी सप्लाई करने वाले दो लोग दुबई से पहले दिल्ली आए। यहां लोकल रूट का इस्तेमाल कर मुंबई पहुंचे। पुलिस सूत्रों के मुताबिक दिल्ली में इनकी मदद यहां के मादक पदार्थ गिरोह में शामिल कुछ लोगों द्वारा की गई। नारकोटिक्स सेल ने बताया कि मादक पदार्थ की तस्करी करने वाले कुछ गिरोह हिमाचल से सुल्फा व अन्य तरह का कच्चा माल भी मंगाते हैं।

नारकोटिक्स सेल ने बताया कि पकड़े गए कई तस्करों से पूछताछ में इनके द्वारा मादक पदार्थों की तस्करी में डार्क वेब और सिग्नल एप के इस्तेमाल की जानकारी मिली है। पकड़े गए तस्कर एक-दूसरे को जानते भी नहीं है। इन्हें गिरोह में रखवाने वाला कोई तीसरा व्यक्ति होता है। इसलिए पूछताछ में इनसे चेन में शामिल अन्य ज्यादा लोगों के बारे में या गिरोह के सरगना की जानकारी नहीं मिल पाती। नारकोटिक्स सेल के अनुसार पिछले एक साल में नशा तस्करी करने के मामले में 400 से ज्यादा आरोपितों को पकड़ा जा

चुका है। इनमें 25 से ज्यादा नाइजीरियन शामिल हैं।

नई दिल्ली। आयुर्वेद और प्राकृतिक चिकित्सा में चमत्कारी औषधि के ''खिताब' से नवाजी गई हल्दी वैज्ञानिकों की भी पसंद बन गई है और उन्होंने अपने शोध में कैंसर, दिल की बीमारी, डिमेंशिया, गठिया एवं सोरायसिस समेत कई बीमारियों की रोकथाम में भारतीय मसालों की इस ''सरताज' को कारगर पाया है।

कैंसर व दिल की बीमारी में भी कारगर : राष्ट्रपति के निजी चिकित्सक पद्मश्री प्रोफसर (डॉ.) मोहसिन वली ने बृस्पतिवार को कहा कि हल्दी का लोहा अब वैज्ञानिक भी मान रहे हैं। रंग में ही नहीं गुणों में भी ''सोना' हल्दी को सर्दी-जुकाम से लेकर कैंसर और दिल से जुड़ी बीमारियों से लड़ने में सक्षम पाया गया है।

हल्दी ''प्लाक' नहीं जमने देती : हृदय रोग विशेषज्ञ प्रो. मोहसिन वली ने कहा वैज्ञानिक इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि हल्दी का मुख्य घटक ''करक्यूमिन' न केवल कैंसर की कोशिकाओं को मारने और उनकी वृद्धि रोकने में सक्षम है बल्कि वह हमारे दिल का सबसे अच्छा दोस्त भी है। करक्यूमिन हमारे शरीर में पहुंच कर धमनियों के भीतर ''प्लाक' नहीं जमने देता है जिससे खून में क्लॉट नहीं बन पाता है। क्लॉट बनने से हृद्याघात का गंभीर खतरा हो जाता है। इसके अलावा प्लाक नसों को संकरा बना देता है जिससे खून का प्रवाह बाधित होने लगाता है।

खराब कोलेस्ट्रॉल कम करे: हल्दी का उचित मात्रा में सेवन करने से हल्दी का यह पीला घटक खराब कोलेस्ट्रॉल को 56 फीसदी तक घटाकर कोलेस्ट्रॉल ऑक्सिडेशन को कम करता है। यह हमारे खून के सीरम ट्राइग्लिसराइड्स स्तर को भी 27 फीसद तक कम करता है। कुल मिलकर यह टोटल कोलेस्ट्रॉल को भी 33.8 फीसद कम करके दिल को मजबूती से धड़कने में अहम भूमिका निभाता है। इसमें एंटी-इन्फ्लैमटोरी और एंटी-ऑक्सिडेंट गुण भी हैं।

कैंसर और करक्यूमिन का 36 का आंकड़ा है : करक्यूमिन तेजी से बढ़ते कैंसर की कोशिकाओं पर लगाम लगाता है। हल्दी परविदेशों में भी लगातार शोध हो रहे हैं। ब्रिटेन के ''कॉर्क कैंसर रिसर्च सेंटर' में किए गए परीक्षण में करक्यूमिन का प्रयोग में गले की कैंसर कोशिकाओं को खत्म करने में बेहद कारगर पाया गया। डॉ. शैरन मैक्केना और उनकी टीम के अनुसार करक्यूमिन ने 24 घंटों के भीतर कैंसर की कोशिकाओं को मारना शुरू कर दिया।

सोरायसिस में कारगर : अमेरिका और ईरान में भी हल्दी पर नए शोध हुए हैं जिसमें करक्यूमिन को सोरायसिस की बीमारी में कारगर पाया गया है। इस संबंध में ''अमेरिकन एकेडमी ऑफ डरमाटोलोजी' और ईरान की फार्मास्यूटीकल रिसर्च पत्रिका में शोध पत्र प्रकाशित हुआ है।

प्रतिदिन हल्दी खाएं : खाने में पांच ग्राम हल्दी रोज आवश्यक है। दूध में उबालकर लेने से इसका बेहतर नतीजा मिलता है। कच्ची हल्दी का रस त्वचा पर लगाने और उसका सेवन करने से सोरायसिस की बीमारी में भी बहुत लाभ मिलता है। यह ऊर्जा देने के साथ खून को साफ रखती है।

गठिया में कारगर : हर बीमारी की शुरुआत इन्फ्लैमेशन से ही होती है और कई तरह के ''धारधार हथियारों से लैस' हल्दी ऐसे दुश्मनों को तो पहले ही पटकनी दे देती है। यह हमारे शरीर से फ्री रेडिकल्स को निकाल बाहर करती है। फ्री रैडिकल्स शरीर के जोड़ों पर सूजन पैदा करते हैं जिससे हमें असहनीय दर्द होता है और कालांतर में जोड़ों को बेहद नुकसान भी पहुंचता है। यह गठिया की बीमारी में भी कारगर है।

दो एंटी कैंसर मॉलिक्यूल ढूढ़ें : भोपाल में राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विवि के कुलपति पीयूष द्विवेदी बताया कि हमने अपने पिछले शोध में हल्दी से दो एंटी कैंसर मॉलिक्यूल ढूढ़ें हैं जो बिना किसी दुष्प्रभाव के कैंसर की कोशिकाओं को तेजी से मारने में सक्षम होगें। सीटीआर-17 और सीटीआर-20 मॉलिक्यूल विभिन्न प्रकार के कैंसर के उपचार में कारगर साबित हो सकते हैं। हल्दी एंटीसेप्टिक और हीलिंग प्रोपट्रीज पर 12 से अधिक सालों के शोध के बाद इन दो मॉलिक्यूल की खोज हो पाई है। शोध एडवांस स्टेज में है और पूरा होने पर कैंसर के खिलाफ बेहद कारगर हथियार साबित हो सकता है।

अवसाद पीड़ित अधिकतर लोगों का नहीं हो पाता है बेहतर इलाज

विकसित देशों में भी अवसाद से ग्रस्त 20 फीसद लोगों का ही इलाज बेहतर तरीके से हो पाता है, गरीब देशों में तो यह स्थिति काफी भयावह है

गरीब देशों में अवसाद से ग्रस्त 27 लोगों में से केवल एक को ही बेहतर उपचार मिल पाता है

लंदन। दुनिया भर में अवसाद से ग्रस्त लगभग लगभग 35 करोड़ लोगों को न्यूनतम उपचार भी प्राप्त नहीं हो पाता है। ''विश्व स्वास्य संगठन' द्वारा 21 देशों के 50,000 लोगों पर करवाए गए एक अंतरराष्ट्रीय अध्ययन के अनुसार अच्छी स्वास्य सुविधाएं वाले विकसित देशों में भी अवसाद से ग्रस्त 20 फीसद लोगों का ही इलाज बेहतर तरीके से हो पाता है। गरीब देशों में तो यह स्थिति काफी भयावह है। अध्ययन के अनुसार गरीब देशों में अवसाद से ग्रस्त 27 लोगों में से केवल एक को ही बेहतर उपचार मिल पाता है। शोध की अगुवाई कर रहे ''किंग्स कॉलेज',लंदन के प्रोफेसर ग्राहम थोरनीक्रोफ्ट ने बताया, अवसाद से ग्रस्त अधिकतर लोगों का इलाज बहुत कम हो पाता है। उन्होंने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संगठनों से आह्वान किया कि मानसिक स्वास्य सेवा में बढ़ोतरी के लिए संसाधन और उपाय बढ़ाने चाहिए ताकि अवसाद से ग्रस्त सभी लोगों का बेहतर इलाज हो सके। ''विश्व स्वास्य संगठन' के अनुसार दुनिया भर में सभी उम्र के लगभग 35 करोड़ लोग अवसाद से ग्रस्त हैं जिससे दुनिया भर में कार्य हीनता की स्थिति बढ़ रही है। अध्ययन में सामने आया है कि हालांकि इस बात को लेकर लोगों में जागरुकता बढ़ रही है कि अवसाद का इलाज हो सकता है और मनोवैज्ञानिक उपचारों और ध्यान लगाकर इसका उपचार किया जा सकता है। यह शोध बृहस्पतिवार को ''ब्रिटिश जर्नल ऑफ साइकिएट्री' में प्रकाशित हुआ है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। शुभांक-3-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे। शुभांक-5-6-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। किसी नजदीकी शुभचिंतक सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-2-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। पुराने मित्र से मिलन होगा। पुरुषार्थ का सहारा लें। शुभांक-5-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-4-6-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। आलस्य का त्याग करें। शुभांक-6-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-गोष्ठियों में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आनन्ददायक दिन रहेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-6-7-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की दौड़-भाग से यदि बचा जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। आय के अच्छे योग बनेगें। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-5-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-5-6-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-5-8-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। शुभांक-3-7-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। लाभ में आशातीत वृद्धि तय हैं मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। ''आगे-आगे गौरख जागे'' वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-1-6-9

लॉफिंग ज़ोन

राकेश (सुनील से)- यार, तुम्हारी बीवी को जब गुस्सा आता था तो वह काटना शुरूकर देती थी. अब काटती है या नहीं?

सुनील (राकेश)- नहीं.

राकेश (सुनील)- क्यों क्या उसे अब गुस्सा नहीं आता?

सुनील (राकेश)- ऐसी बात नहीं है. गुस्सा तो आता है, पर अब दांत नहीं रहे.

☺ ☺ ☺

भाषणकर्ता - धीरज रखना बहुत बड़ा गुण है. इससे बडे-बडे काम हो सकते हैं.....

एक श्रोता - इससे छलनी में पानी नहीं भरा जा सकता.

भाषणकर्ता - क्यों नही भरा जा सकता? सिर्फ पानी के जम जाने तक हमें धीरज रखना होगा.

☺ ☺ ☺

एक नाई बहुत तेज धार वाले उस्तरे से शेव कर रहा था. उसने ग्राहक से पूछा- आप कितने भाई है?

ग्राहक - तुम्हारे उस्तरे से बच गये तो चार होंगे, वरना तीन ही समझो!

☺ ☺ ☺

मालिक (नए चपरासी से)- तुम्हें मैनेजर ने काम समझा दिया है न?

चपरासी (मालिक से)- जी हां, उन्होंने समझा दिया है कि जब आप दफ्तर में आएं तब मैं उन्हें जगा दिया करुं.

काकुरो पहेली - 736

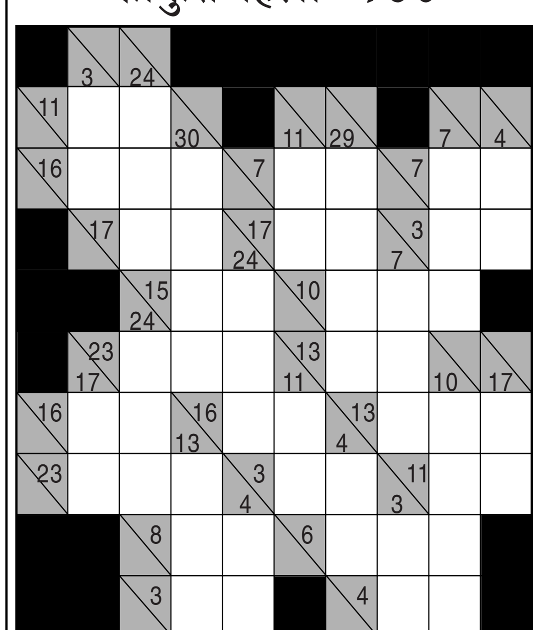

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

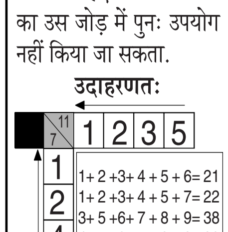

काकुरो - 735 का हल

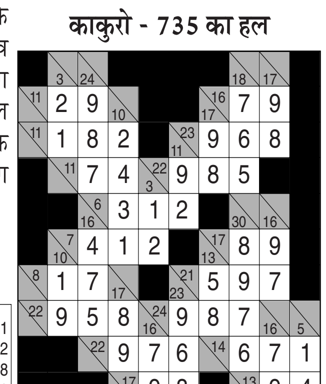

फिल्म वर्ग पहेली- 736

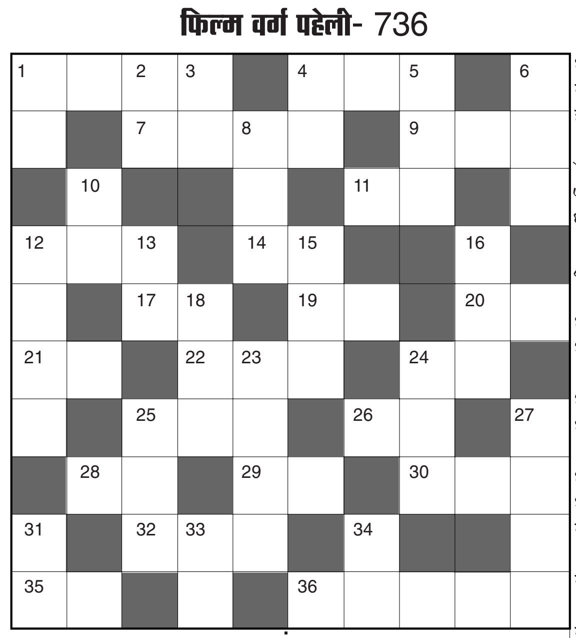

बायें से दायें:-

१. 'इश्क कभी करियो' गीत वाली फिल्म-४
४. 'किस कारण नैया डोली' गीतवाली सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
७. मिथुन, रंभा, वैष्णवी की 'कारी कजरारी कंवारी' गीत वाली फिल्म-४
९. 'मैं एक प्यासी' गीत वाली सनी, संजय, धर्मेन्द्र, रवीना, दिव्या की फिल्म-३
११. विनोद खन्ना, शबाना आजमी की अरूणा विकास निर्देशित फिल्म-२
१२. 'जब दिल चुराये कोई' गीत वाली दिनो मोरिया, बिपाशा की फिल्म-३
१४. अनिलकपूर, अक्षय, ऐश्वर्या की 'इस टूटे दिल की पीर' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'मैं इश्क उसका' गीत वाली अर्जुन रामपाल, जायेद, अमीषा की फिल्म-२
१९. सलमान खान, शिल्पा की 'फरियाद क्या करें हम' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'प्यार काहे बनाया' गीत वाली विनोद खन्ना, भानुप्रिया की फिल्म-२
२१. 'प्रहार' में डिम्पल का नायक कौन-२
२२. जैकी श्रॉफ, मनीषा कोइराला की 'एक बात बताऊं' गीतवाली फिल्म-३
२४. लक्की अली, गौरी की एक फिल्म-२
२५. फिल्म 'बड़े दिलवाला' में प्रिया गिल के साथ नायक-३
२६. संजयकपूर, माधुरी की 'तूने अगर प्यार से देखा' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'जूली' में प्रियांशु की नायिका-२
२९. जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'मेरे चेहरे पे लिखा है' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
३२. सनी देओल, अमीषा पटेल की 'घर आजा परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
३५. 'राज की बात कह दूं तो' गीत वाली नवीननिश्चल, प्राण, रेखा की फिल्म-२
३६. मिथुन, मधु की तू चीज बड़ी है सख्त सख्त' गीत वाली फिल्म-५

ऊपर से नीचे:-

१. संजीवकुमार, विद्या सिन्हा की फिल्म-२
२. 'एक मैं हूं एक तू है' गीत वाली फिल्म-२
३. 'बड़े नाजुक दौर से' गीत वाली अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
४. सनी, शाहरूख खान, जूही चावला फिल्म-२
५. 'तन्हा तन्हा दिल अपना' गीत वाली फिल्म-३
६. तुषार कपूर, अंतरा माली की 'मैं लव तुम से' गीत वाली फिल्म-३
८. 'चूड़े वाली छमिया मिला' गीत वाली सनी देओल, जयाप्रदा की फिल्म-३
१०. फिल्म 'विश्वनाथ' में नायिका कौन थी?-२
१२. मनोजकुमार, नंदा की 'जाने चमन शोला बदन' गीत वाली फिल्म-४
१३. इमरान, शाहबाज, तब्बू की फिल्म-२
१५. परीक्षित साहनी, नूतन की 'एक छोरा है गोरा' गीत वाली फिल्म-३
१६. आफताब, लिसा रे की फिल्म-३
१८. 'बिन साजन झूला झूलू' गीत वाली फिल्म-३
२३. राजेंद्रकुमार, धर्मेन्द्र, मालासिन्हा की 'बोल मेरे साथिया' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'जलते हैं जिसके लिये' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-३
२५. अक्षय, अजय, करिश्मा, नगमा की 'तेरे लिए जानम' गीत वाली फिल्म-३
२७. अक्षय कुमार, करीना, प्रियंका की फिल्म-४
३१. 'कहाँ गये ममता भरेदिन' गीतवाली फिल्म-२
३३. 'बाबूजी जरा धीरे चलो' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया की फिल्म-२
३४. अमिताभ, ओमपुरी, फरदीन, करीना की 'जब नही' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 735

बे	व	फा		ब		प्रे	म	रो	ग
खु		य	ल	गा	र		हा		ब
दी	वा	र		व		आ	न	बा	न
	दा		श	त	रं	ज		जी	
स		श	क्ति		ग		जं	ग	ली
हे	मा		मा	या		सा	ग	र	
ली		शा	न		का	ज	ल		स
	स	र		जु	नू	न		फू	ल
शा	न	दा	र		न		शू		मा
	म		वि	द्या		ब	ल	वा	न

सूडोकु -736

				5	1	4		
			7				2	
		8						3
	1							8
5				4				9
7							6	
4						7		
	2				6			
		3	9	8				

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -735 का हल

4	7	6	3	5	2	9	1	8
5	9	8	6	7	1	4	3	2
2	3	1	8	9	4	7	6	5
6	8	5	7	3	9	2	4	1
3	2	4	5	1	6	8	7	9
7	1	9	4	2	8	3	5	6
8	4	3	2	6	5	1	9	7
1	5	2	9	4	7	6	8	3
9	6	7	1	8	3	5	2	4

शब्द पहेली - 736

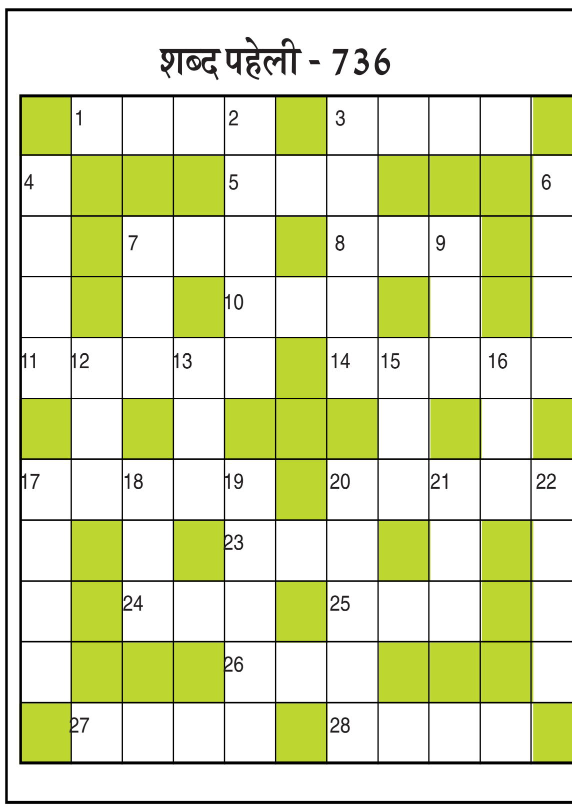

बाएँ से दाएँ

1.छुट्टी,रजा-4
3.वध,आघात-4
5.दशानन-3
7.अनमोल,अनूठा-3
8.अनाथ,बेसहारा-3
10.खजूर-3
11.रहम करना-2,3
14.गहराई नापना-2,3
17.लगातार,सतत-5
20.संतुष्ट होना-2,3
23.बीच में,दौरान-3
24.खुश,आनंदित-3
25.शिक्षा-3
26.शोक-3
27.जांचना,परखना-4
28.धार्मिक विधि का आयोजन करने वाला-4

ऊपर से नीचे

2.मयखाना,मधुशाला-5
3.प्रेमकहानी-5
4.चापलूसी-4
6.नटना,वचन तोड़ना-4
7.फिजूल,व्यर्थ-3
9.अव्यवस्थित समूह,भीड़-3
12.गुजर करना-3
13.वेग,गति-3
15.खूबसूरत-3
16.पर्वतीय मैदान, समतल पर्वत-3
17.गुजारिश,मांग-4
18.सुअर-3
19.गुस्सा होना-5
20.ममतापूर्ण-5
22.अयोग्य, असंगत-4

शब्द पहेली - 735 का हल

क	ल	र	व				मु	का	ब	ला
मी			त	म	त	मा	ना			ज
श	व		न	या		न	दी		जी	वा
न	र	क		न	म	क		ख	रा	ब
	दा	म	न		जा		न	फा		
	न		ख	त		म	न		म	
		सा	रा		आ		द	म	न	
अ	ना	र		र	स	म		त	ह	री
मा	ता		ल	क		सौ	त		र	त
न			च	म	क	दा	र			स
त	क	दी	र				ल	ल	का	र

कोलकाता गैंगरेप मामला: केंद्रीय मंत्री मेघवाल ने बंगाल सरकार की कानून व्यवस्था को बताया चिंताजनक

एजेंसी

कोलकाता। कोलकाता लॉ कॉलेज परिसर में सामूहिक दुष्कर्म की घटना को लेकर केंद्रीय कानून और न्याय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने शनिवार को पश्चिम बंगाल की कानून व्यवस्था पर गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने राज्य की तृणमूल कांग्रेस सरकार पर तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए इसे राज्य की गिरती कानून व्यवस्था का मुख्य कारण बताया। मंत्री मेघवाल ने कोलकाता में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल में कानून व्यवस्था की स्थिति बेहद चिंताजनक है। तुष्टिकरण की राजनीति के कारण हालात लगातार बिगड़ रहे हैं। यह बंगाल के लिए दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है और राज्य की छवि पर एक कलंक है। इस मामले में कोलकाता पुलिस ने अब तक कुल चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है, जिनमें कॉलेज का सुरक्षा गार्ड पिनाकी बनर्जी (55) भी शामिल है। पुलिस के अनुसार, यह अपराध बुधवार को कॉलेज परिसर के अंदर हुआ, जिसमें छात्रा को कथित रूप से कॉलेज से जुड़े कुछ पूर्व छात्रों और कर्मियों ने निशाना बनायागिरफ्तार किए गए अन्य तीन आरोपितों की पहचान मनोजित मिश्रा (31), जैब अहमद (19) और प्रमित मुखोपाध्याय (20) के रूप में हुई है। ये सभी या तो कॉलेज के पूर्व छात्र हैं या किसी रूप में संस्थान से जुड़े रहे हैं। इस बीच, राष्ट्रीय महिला आयोग ने घटना का स्वतः संज्ञान लेते हुए कोलकाता पुलिस आयुक्त को पत्र लिखकर समयबद्ध जांच की मांग की है।

रेल मंत्री ने सांतरागाछी से पुरुलिया-बांकुड़ा-हावड़ा मेमू ट्रेन को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया

कोलकाता। केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सांतरागाछी रेलवे स्टेशन से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पुरुलिया-बांकुड़ा-हावड़ा मेमू ट्रेन (मसाग्राम के रास्ते) को पहली सेवा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के रेलवे विस्तार, आधुनिकीकरण और यात्री सुविधाओं को लेकर प्राथमिकताओं का उल्लेख करते हुए कहा कि लगभग 12 लाख रेलवे कर्मचारी इस सपने को साकार करने के लिए सतत परिश्रम कर रहे हैं। वैष्णव ने बताया कि वर्ष 2009 से 2014 के दौरान जहां पश्चिम बंगाल में रेलवे पर लगभग 4380 करोड़ रुपये का निवेश हुआ था, वहीं वर्तमान में यह आंकड़ा बढ़ कर लगभग 14 हजार करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि 2014 से 2025 के बीच कोलकाता मेट्रो के नेटवर्क में 41 किलोमीटर की वृद्धि हुई है, जबकि 1972 से 2014 के बीच केवल 28 किलोमीटर ही जोड़े जा सके थे। उन्होंने कोलकाता मेट्रो और अन्य रेलवे परियोजनाओं से जुड़ी भूमि अधिग्रहण, यातायात अनुमति जैसी चुनौतियों का उल्लेख करते हुए राज्य सरकार और संबंधित अधिकारियों से आग्रह किया कि वे राजनीति से ऊपर उठकर जनसेवा को प्राथमिकता दें।

बिहार बना देश का पहला राज्य जहां 6 नगरपालिका में मोबाइल से हुआ मतदान

पटना। बिहार ने भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में एक नई डिजिटल क्रांति की शुरुआत कर दी है। देश में पहली बार मोबाइल से ई-वोटिंग की सुविधा को जमीनी हकीकत में बदलते हुए, तीन जिलों की 6 नगरपालिका में हुए उपचुनावों में हजारों मतदाताओं ने घर बैठे अपने मताधिकार का प्रयोग किया। पूर्वी चंपारण जिले के पकड़ी दयाल की निवासी विभा देवी ने देश की पहली महिला ई-वोटर बनकर इतिहास रच दिया, जबकि मुन्ना कुमार पहले पुरुष ई-वोटर के रूप में वोट डाला। ई-वोटिंग के माध्यम से कुल 67 प्रतिशत लोगों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। बक्सर जिले की प्रेमावती देवी, जो उम्र के कारण पहले मतदान केंद्र नहीं जा पाती थीं, उन्होंने भी आज मोबाइल से पहली बार वोट डालकर गर्व महसूस कर रही हैं। उन्होंने कहा कि मोबाइल से वोट डालना आसान नहीं था, पर बच्चों ने सिखाया और मैंने घर बैठे ही लोकतंत्र में हिस्सा ले लिया।

अमृतसर उत्तरी के विधायक कुंवर विजय प्रताप आआपा से निलंबित

चंडीगढ़। पंजाब की सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आआपा) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अमृतसर उत्तरी विधानसभा सीट से विधायक कुंवर विजय प्रताप सिंह को पांच साल के लिए पार्टी से निलंबित कर दिया है। कुंवर विजय प्रताप सिंह पंजाब कैडर के पूर्व आईपीएस अधिकारी हैं और वे अपनी सरकार की कार्य प्रणाली से असंतुष्ट थे। बिक्रमजीत सिंह मजीठिया की गिरफ्तारी के बाद कुंवर प्रताप के बयानों से पार्टी उनसे नाराज चल रही थी। अमृतसर उत्तरी विधानसभा सीट से विधायक कुंवर विजय प्रताप सिंह पंजाब कैडर के आईपीएस अधिकारी रह चुके हैं। उन्हें आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल ने आम आदमी पार्टी में शामिल किया था। कुंवर विजय प्रताप सिंह पंजाब में विभिन्न पदों पर रहते हुए कई बड़े मामलों को बेनकाब करने को लेकर जहां सुर्खियों में रहे, वहीं वर्ष 2022 में हुए चुनाव से पहले उन्होंने आम आदमी पार्टी ज्वाइन की। आम आदमी पार्टी ने उन्हें अमृतसर उत्तरी सीट से उम्मीदवार बनाया था और वे जीत गए थे। कुंवर विजय प्रताप सिंह बरगाड़ी गोली कांड पर दी गई अपनी रिपोर्ट पर सरकार की ओर से कोई कार्रवाई न किए जाने को लेकर नाराज थे। वह विधानसभा के भीतर और बाहर कई बार मौजूदा सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठा चुके थे। हाल ही में उन्होंने विजिलेंस ब्यूरो द्वारा अकाली नेता विक्रमजीत सिंह मजीठिया को गिरफ्तार किए जाने के बाद मजीठिया के पक्ष में बयान दिया था। जिसके बाद पार्टी हाईकमान उनसे नाराज चल रही थी।

हिन्दुत्व की लहर से नवोत्थान की ओर अग्रसर है भारत : डॉ. सुरेन्द्र जैन

एजेंसी

कानपुर। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के केंद्रीय संयुक्त महामंत्री डॉ सुरेंद्र जैन ने कहा कि हिंदुत्व की बढ़ती लहर के कारण आज सम्पूर्ण देश नवोत्थान की ओर अग्रसर है। राष्ट्र जीवन का हर क्षेत्र प्रगति के पथ पर है और वैश्विक जगत भी अब भारत को एक आशा की किरण के रूप में देख रहा है। अब हम समाज को अवैध धर्मांतरण के कलंक से मुक्ति तथा हिंदू मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से बाहर करके रहेंगे। धर्मांतरणकारी ईसाई मिशनरियों और इस्लामिक जिहादी तत्वों को भी अब समझना होगा कि उनके कुत्सित षडयंत्र अब सफल नहीं हो पाएंगे। विहिप के केंद्रीय संयुक्त महामंत्री डॉ जैन शनिवार को यहां सर्किट हाउस में पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे। डॉ जैन ने कहा कि अयोध्या में रामलला के भव्य मंदिर की प्राण

प्रतिष्ठा ने सम्पूर्ण विश्व में एक नवीन चेतना व ऊर्जा का संचार किया है। जिहादी आतंकवाद व नक्सलवाद पर नकेल तथा देश के शत्रुओं को स्वदेशी तकनीकी से करारे जवाब ने प्रत्येक भारतीय को अपनी कर्मठ सरकार व सशक्त नेतृत्व के प्रति गौरवान्वित किया है।

उन्होंने कहा कि देश के दर्जनभर राज्यों में धर्मांतरण के विरुद्ध कठोर कानून व उसके कड़ाई से पालन करने वाली सरकारों के बावजूद चर्च और जिहादी तत्व लगातार भोले भाले हिंदू समाज को छल या बलपूर्वक धर्मांतरित कराने से बाज नहीं आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि मस्जिदों व मदरसों में बढ़ती बच्चों के साथ व्यभिचार व अलगाववाद की घटनाएं भी किसी कलंक से कम नहीं हैं। अब लव जिहाद समेत इस प्रकार की सभी घटनाओं पर उन्हें पूर्ण विराम लगाना ही होगा, अन्यथा सरकार ही नहीं समाज भी इनसे निपटना अच्छी तरह जानता है।

इन मामलों में चर्च व मुस्लिम संगठनों को भी आत्म चिंतन की आवश्यकता है। डॉ जैन ने कहा कि मंदिरों पर सरकारी नियंत्रण हिंदू समाज के साथ एक धोखा है। मंदिरों की संपत्ति व प्रबंधन पर कुठाराघात हो या आंध्र प्रदेश में तिरुपति मंदिर के प्रसाद की बात हो और या फिर अभी हाल ही में, बंगाल सरकार द्वारा दीघा के जगन्नाथ धाम के प्रसाद की ठेकेदारी हलाल व्यापारियों को देने की बात हो।

संसदीय पैनल ने जम्मू-कश्मीर में माता वैष्णो देवी मंदिर का किया दौरा

एजेंसी

जम्मू। कार्मिक, लोक शिकायत, कानून और न्याय संबंधी संसदीय स्थायी समिति ने श्रीमाता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड की सुविधाओं, लोक शिकायतों और निवारण प्रणाली की समीक्षा के लिए जम्मू-कश्मीर के कटरा क्षेत्र में माता वैष्णो देवी मंदिर का दौरा किया। सांसद बृज लाल के नेतृत्व में समिति वर्तमान में जम्मू-कश्मीर के तीन दिवसीय दौरे पर है। लाल ने कटरा में संवाददाताओं से कहा कि मैं यहां माता जी के दर्शन करने आया हूं। मेरे दौरे का मुख्य उद्देश्य यहां की सुविधाओं और शिकायत व्यवस्था के बारे में मुख्य कार्यकारी अधिकारी और अन्य अधिकारियों से बात करना है। इस दौरे के बाद हम संसद को एक रिपोर्ट सौंपेंगे लेकिन इसका विवरण सार्वजनिक नहीं किया जा सकता है। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि मेरा यहां बहुत अच्छा अनुभव रहा है। 2023 में अपनी पिछली यात्रा के बाद से मैंने महत्वपूर्ण बदलाव देखे हैं। लाल ने कहा कि मंदिर की अपनी यात्रा के दौरान उन्होंने इससे जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि वह जम्मू में पंजाब और सिंध बैंक, पावर ग्रिड और अन्य सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। लाल ने कहा कि जम्मू दौरे के बाद हम श्रीनगर जाएंगे और वहां मुख्य सचिव और सरकारी अधिकारियों से मिलेंगे। उसके बाद हम संसद को एक रिपोर्ट सौंपेंगे। उन्होंने कहा कि यहां मुख्य मुद्दा जन शिकायतों से संबंधित है। लोगों की समस्याओं को समझना और देखना कि बोर्ड तथा अधिकारी उनका समाधान कैसे करते हैं।

विमान दुर्घटना: सभी 260 मृतकों के पार्थिव शरीर परिजनों को सौंपे गए

एजेंसी

गांधीनगर। बीते 12 जून को अहमदाबाद में हुई विमान दुर्घटना में सभी यात्रियों और क्रू सदस्यों की डीएनए जांच पूरी हो चुकी है और इन सभी 241 मृतकों के पार्थिव शरीर उनके परिजनों को सम्मानपूर्वक सौंप दिए गए हैं। स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेश पटेल ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विमान दुर्घटना में अब तक डीएनए टेस्ट से 254 और चेहरे की पहचान से 6, इस प्रकार कुल 260 मृतकों की पहचान की जा चुकी है और सभी पार्थिव शरीर परिजनों को सौंप दिए गए हैं।मंत्री ने इस हादसे के बाद उत्कृष्ट कार्य और समुचित प्रबंधन करने वाले स्वास्थ्यकर्मियों, पुलिसकर्मियों, एफएसएल, एएमसी की टीम, स्वयंसेवकों तथा अन्य सभी लोगों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इन सभी विभागों के तालमेल के कारण डीएनए मिलान और पार्थिव शरीर सौंपने की प्रक्रिया बहुत ही तेज़ी से संपन्न हो सकी है और उन्होंने सभी को बधाई भी दी। मंत्री ने बताया कि पहचाने गए 260 मृतकों में 181 भारत के नागरिक, 7 पुर्तगाल के, 52 ब्रिटिश नागरिक, 1

कनाडाई और 19 गैर-यात्री शामिल हैं। 260 पार्थिव शरीरों में से 31 को हवाई मार्ग और 229 को सड़क मार्ग से भेजा गया है।

उन्होंने आगे बताया कि 254 मृतकों के डीएनए सैंपल मैच हुए हैं, जिनमें 241 यात्री और 13 गैर-यात्री शामिल हैं। कुल 19 गैर-यात्रियों के पार्थिव शरीर सौंपे गए हैं, जिनमें 13 की पहचान डीएनए रिपोर्ट से और 6 की पहचान चेहरे से की गई है।

सौंपे गए पार्थिव शरीरों की संख्या इस प्रकार हैं:

उदयपुर- 07, वडोदरा- 24, खेड़ा- 11, अहमदाबाद-73, मेहसाणा-07, बोटाद- 01, जोधपुर-01, अरावली-02, आणंद-29, भरूच-07, सूरत-12, पालनपुर-01, गांधी नगर-07, महाराष्ट्र-13, दीव-14, जूनागढ़-01, अमरेली-02, गिर सोमनाथ-05, महीसागर-01, भावनगर-03, लंदन-13, पटना-01, राजकोट-03, राजस्थान-02, नडियाद-01, बनासकांठा-02, जामनगर-02, पाटन-04, द्वारका-02, साबरकांठा-01, नागालैंड-01, मोडासा-01, कच्छ-01, खंभात-02, मणिपुर-01, केरल-01 और मध्य प्रदेश-1। है।

कांग्रेस का इमरजेंसी काल उत्पीड़न, भ्रष्टाचार, तानाशाही और एकनायकवाद का चरम उदाहरण: सोनोवाल

एजेंसी

डिब्रूगढ़ (असम)। भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में काले अध्याय के रूप में दर्ज इमरजेंसी की 50वीं बरसी के अवसर पर डिब्रूगढ़ के हनुमानबक्स सुरजमल कनोई महाविद्यालय में भारतीय जनता युवा मोर्चा और महिला मोर्चा, असम प्रदेश द्वारा आयोजित 'मॉक पार्लियामेंट' के उद्घाटन समारोह में केंद्रीय बंदरगाह, नौवहन व आयुष मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने कांग्रेस पर तीखा प्रहार किया। सोनोवाल ने इस इवसर पर कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर और उनके साथियों ने तीन वर्षों की अथक मेहनत के बाद देशवासियों को जो संविधान दिया, उसकी हत्या कांग्रेस ने इमरजेंसी लगाकर की थी। और अब वही कांग्रेस जब 'संविधान बचाओ' का नारा देती है, तो यह न तो न्यायोचित है और न ही नैतिक। उन्होंने कहा कि इमरजेंसी में जिस तरह जनता के मौलिक अधिकारों को कुचला गया, मीडिया का गला घोंटा गया, नेताओं को जेल में डाला गया और संविधान को तोड़ा-मरोड़ा गया, वह देश के लोकतांत्रिक इतिहास का सबसे काला अध्याय था। सोनोवाल ने कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा कि संजय गांधी ने सरकार के भीतर

अनाधिकृत रूप से शासन चलाया। उस समय मंत्रिमंडल तक को फैसले लेने से पहले संजय गांधी से पूछना पड़ता था। 'इंडिया इज इंदिरा, इंदिरा इज इंडिया' जैसे नारे और महात्मा गांधी की तस्वीर हटाकर इंदिरा गांधी की तस्वीर लगवाना, कांग्रेस के तानाशाही रवैये को दर्शाता है। उस समय किशोर कुमार के गाने तक प्रतिबंधित कर दिए गए थे। उन्होंने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी, जयप्रकाश नारायण जैसे नेताओं ने लोकतंत्र की रक्षा के लिए आंदोलन चलाया। असम में गोलाप बरबोरा जैसे वरिष्ठ नेता भी कांग्रेस की तानाशाही के खिलाफ जनता को एकजुट करने में अग्रणी रहे। करोड़ों भारतीयों ने मिलकर उस संविधान को बचाया जिसकी नींव अंबेडकर ने रखी थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार की नीतियों का उल्लेख करते हुए सोनोवाल ने कहा कि आज भारत की हर नीति में लोकतांत्रिक चेतना, आदर्श और भावना स्पष्ट रूप से परिलक्षित होती है। समान अवसर, समान सम्मान और प्रगति ही आज के भारत की पहचान है। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि कांग्रेस द्वारा थोपी गई इमरजेंसी और उस दौरान हुए अत्याचारों को कभी न भूलें।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव और अर्जुन मेघवाल ने किया उद्यमी सम्मेलन 2025 का उद्घाटन

एजेंसी

कोलकाता। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को प्रोत्साहित करने और व्यापार सुगमता को बढ़ाने के उद्देश्य से 'उद्यमी सम्मेलन 2025' का उद्घाटन कोलकाता स्थित राष्ट्रीय पुस्तकालय में केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और केंद्रीय कानून एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल ने संयुक्त रूप से किया। यह आयोजन 'लघु उद्योग भारती' द्वारा आयोजित किया गया, जिसमें पूर्वी भारत के नीति निर्माताओं, उद्योगपतियों, कानूनी विशेषज्ञों और उद्यमियों ने भाग लियाइस मौके पर केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि किसी भी अर्थव्यवस्था के विकास के लिए रेल प्रणाली का सशक्त होना अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि वर्तमान सरकार ने रेलवे बजट को आम बजट में मिलाकर संसाधनों का

बेहतर आवंटन सुनिश्चित किया है। पहले रेल बजट का आकार मात्र 24-25 हजार करोड़ के बीच होता था, जो अब बढ़कर 2.5 लाख करोड़ पहुंच गया है। बीते 11 वर्षों में देश में लगभग 35 हजार किलोमीटर नई रेल पटरियों का विस्तार हुआ है, जबकि वर्ष 2023-24 में अकेले 5300 किलोमीटर ट्रैक जोड़ा गया। हर साल रेलवे में लगभग 1400 इंजन और 35 हजार वैगन जोड़े जा रहे हैं। पश्चिम बंगाल में रेल विकास पर मंत्री ने कहा कि न्यू जलपाईगुड़ी-कोलकाता रेल कॉरिडोर को विश्व स्तरीय बनाया जाएगा। इसके लिए मास्टर प्लान तैयार किया जा चुका है, जिसमें नई रेल लाइनों, गति शक्ति कार्गो टर्मिनल्स जैसी योजनाओं को शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य के 'चिकन नेक' क्षेत्र में फिलहाल केवल दो लाइनें हैं, जिन्हें जल्द ही चार लाइनों में बदला जाएगा। सिवोक-सिलीगुड़ी-न्यू माल जंक्शन को भी मुख्य कॉरिडोर से जोड़ा जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि पिछली सरकार के समय पश्चिम बंगाल के लिए रेल बजट तीन हजार करोड़ था, जिसे वर्तमान सरकार ने बढ़ाकर 14 हजार करोड़ कर दिया है।

दुर्दांत नक्सली मन्नू सुलगे पल्लो गिरफ्तार, 15 जवानों की जान लेने वाले आईईडी विस्फोट में था शामिल

एजेंसी

गढ़चिरौली। महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ सीमा पर कवंडे गांव में सुरक्षा बलों ने दुर्दांत नक्सली मन्नू सुलगे पल्लो उर्फ अंकल को गिरफ्तार कर लिया। छह साल पहले गढ़चिरौली के जांभुलखेडा में हुए आईईडी विस्फोट में वह शामिल था, जिसमें 15 जवान बलिदान हुए थे। सरकार ने मन्नू सुलगे पल्लो पर 6 लाख रुपए का इनाम घोषित किया था।वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने बताया कि 27 जून को पुलिस दल और राज्य रिजर्व बल बटालियन की टीम भामरागड़ तालुका के कवांडे में गश्त पर थी, तभी एक संदिग्ध व्यक्ति दिखा। उसे हिरासत में लेकर सख्ती से पूछताछ की गई तो पता चला कि वह नक्सलियों के कोरची दलम का डिप्टी कमांडर मन्नू सुलगे पल्लो उर्फ अंकल है। मन्नू को गिरफ्तार कर उसे कुरखेड़ा पुलिस के हवाले कर दिया गया। पुलिस ने शनिवार को उसे कुरखेड़ा प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया जहां कोर्ट ने उसे 7 दिनों की पुलिस हिरासत में भेज दिया।भामरागढ़ तालुका के कवांडे गांव का रहने वाला मन्नू पल्लो उर्फ अंकल 13 साल की उम्र में नक्सली गतिविधियों में शामिल हुआ था। उसे छत्तीसगढ़ में माओवादी एनआईबी कंपनी के सदस्य के रूप में भर्ती किया गया था। 2017 में उसे भामरागड़ दलम भेजा गया।इसके बाद उसने कोरची दलम में नक्सली संगठन में डिप्टी कमांडर के रूप में कार्य किया। वह 2020 से महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ सीमा पर कावंडे वन क्षेत्र में रह कर माओवादी गतिविधियों में सक्रिय था। गढ़चिरौली के कुरखेड़ा तालुका के जांभुलखेड़ा जंगल में 2 मई 2019 को हुए आईईडी विस्फोट में 15 जवान बलिदान हो गए थे। इस हमले में मन्नू पल्लो सक्रिय रूप से शामिल था।

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने लाहौल-स्पिति को दी करोड़ों की सौगात

एजेंसी

शिमला। हिमाचल प्रदेश के जनजातीय जिला लाहौल-स्पीति के क्षेत्र स्पिति पहुंचे केंद्रीय संसदीय कार्य एवं जनजातीय मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने काजा में करोड़ों की विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री जन विकास योजना के तहत कई कल्याणकारी योजनाओं की घोषणा करते हुए क्षेत्र के चहुंमुखी विकास का भरोसा दिलाया। काजा पहुंचने पर केंद्रीय मंत्री का लोगों ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ स्वागत किया। कार्यक्रम स्थल पर बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार जनजातीय क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है।कहा कि काजा में उच्च ऊंचाई खेल प्रशिक्षण केंद्र, आइस हॉकी रिंग और अत्याधुनिक खेल प्रशिक्षण केंद्र की

आधारशिला रखी गई है, जिससे स्थानीय युवाओं को खेलों के क्षेत्र में बेहतर अवसर मिल सकेंगे। कहा कि अल्पसंख्यक मंत्रालय का प्रभार मिलने के तुरंत बाद उन्होंने लाहौल-स्पिति के दौरे की योजना बनाई ताकि क्षेत्र की वास्तविक समस्याओं को जानकर समाधान की दिशा में काम किया जा सके। उन्होंने ताबो से आगे सड़क की खराब हालत का भी जिक्र किया और बताया कि सड़क की टेंडर प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। आने वाले वर्षों में शिमला से रामपुर होकर किन्नौर, लाहौल-स्पिति तक की सभी मुख्य सड़कें डबल लेन की जाएंगी, जिससे आवागमन में सुगमता आने के साथ-साथ स्थानीय लोगों के जीवन स्तर में भी सुधार होगा। स्पिति में तेजी से लोकप्रिय हो रहे होम स्टे मॉडल की भी सराहना की और इसे आत्मनिर्भरता की दिशा में एक सकारात्मक पहल बताया।

कहा कि, यह मॉडल न केवल रोजगार के अवसर सृजित कर रहा है, बल्कि पर्यटकों को स्थानीय संस्कृति से जुड़ने का अवसर भी दे रहा है। इस अवसर पर मंडी से सांसद कंगना रनौत और स्थानीय विधायक अनुराधा राणा भी उपस्थित रहीं। विधायक अनुराधा राणा ने क्षेत्र की जनता को विकास की बहुमूल्य सौगात देने के लिए केंद्र सरकार और केंद्रीय मंत्री का आभार जताया। केंद्रीय मंत्री रिजिजू रविवार को भी लाहौल-स्पिति जिले के अन्य हिस्सों के दौरे पर रहेंगे और विभिन्न विकास कार्यों की समीक्षा करेंगे।

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में 23 लाख के इनामी 13 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

एजेंसी

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर में नक्सलियों के पश्चिम बस्तर डिवीजन कमेटी में कंपनी नंबर 2 में सक्रिय 23 लाख के 13 इनामी नक्सलियों ने शनिवार को आत्मसमर्पण किया है। इस दौरान बीजापुर रेंज के केंद्रीय रिजर्व पुलिस (केरिपु) डीआइजी बीएस नेगी, बीजापुर एसपी डॉ. जितेंद्र यादव सहित सीआरपीएफ, कोबरा, एसटीएफ, डीआरजी और बस्तर फाइटर के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। आत्मसमर्पित 13 नक्सली पिछले कई सालों में बस्तर में हुई अलग-अलग वारदातों में कंपनी नंबर-2 की पार्टी सदस्य, एसीएम, केएएमएस अध्यक्ष सहित अन्य पीएलजीए, एलओएस सदस्य शामिल थे।आत्मसमर्पण करने वालों में नक्सलियों के 'कंपनी नंबर दो' की पार्टी सदस्य देवे मुचाकी ऊर्फ

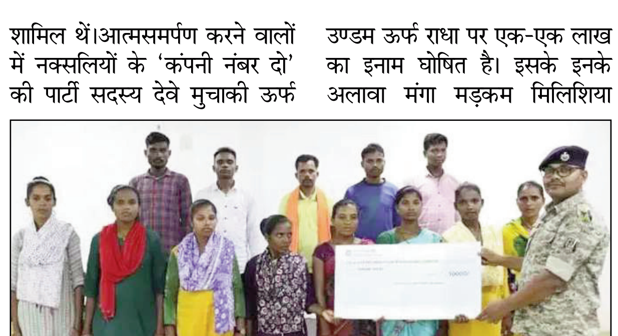

प्रमिला पर 8 लाख, एरिया कमेटी सदस्य कोसा ओयाम ऊर्फ राजेन्द्र पर 5 लाख, कोसी पोड़ियाम पर 2 लाख तथा सम्मी सेमला, छोटू परसीक, मोती ताती, सुनीता हेमला, मंजुला कुंजाम, सायबो पोड़ियम और हुंगी उण्डम ऊर्फ राधा पर एक-एक लाख का इनाम घोषित है। इसके इनके अलावा मंगा मड़कम मिलिशिया प्लाटून सदस्य, बुधराम कोडमे मिलिशिया प्लाटून, जमली कोडमे केएएमएस सदस्य ने आत्मसमर्पण कर दिया है। बीजापुर एसपी जितेंद्र यादव ने बताया कि एक जनवरी, 2025 से अब तक बीजापुर जिले में 270 नक्सली गिरफ्तार किए गए हैं। इसके अलावा 241 ने आत्मसमर्पण किया और 126 मुठभेड़ों में मारे गए हैं। छत्तीसगढ़ सरकार की पुनर्वास नीति, सुरक्षा बलों की निरंतर उपस्थिति और सामाजिक पुनर्स्थापन के प्रयासों के कारण बस्तर में शांति और विकास की प्रक्रिया तेज हो रही है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने ट्वीट कर कहा कि 13 हार्डकोर नक्सलियों का आत्मसमर्पण राज्य सरकार की 'आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति 2025' और 'नियद नेल्ला नार योजना' की प्रभावशीलता का प्रत्यक्ष प्रमाण है। इसके माध्यम से नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विश्वास का वातावरण और बदलाव की सकारात्मक लहर सृजित हो रही है।

कोलकाता गैंगरेप के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार को पुलिस ने हिरासत में लिया

एजेंसी

कोलकाता। कोलकाता के एक लॉ कॉलेज में छात्रा के साथ गैंगरेप की घटना को लेकर पश्चिम बंगाल की राजनीति गरमा गई है। इसके विरोध में प्रदर्शन कर रहे केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री और पश्चिम बंगाल भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार को कोलकाता पुलिस ने हिरासत में ले लिया। यह घटना गड़ियाहाट क्रॉसिंग, दक्षिण कोलकाता में हुई, जहां भाजपा कार्यकर्ता और नेता विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। सुकांत मजूमदार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स' पर एक पोस्ट में आरोप लगाया कि पुलिस ने यह कार्रवाई मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के निर्देश पर की है। उन्होंने लिखा है कि जब हम कोलकाता के लॉ कॉलेज की छात्रा के साथ गैंगरेप के

खिलाफ गड़ियाहाट क्रॉसिंग पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे थे, तब मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के निर्देश पर कोलकाता पुलिस ने मुझे और भाजपा के राज्य एवं जिला स्तर के नेताओं को अन्यायपूर्ण तरीके से हिरासत में ले लिया। इस दौरान भाजपा के कई अन्य नेता और कार्यकर्ता भी प्रदर्शन में शामिल थे, जिन्हें हिरासत में लिया गया। पार्टी ने इस कार्रवाई को राजनीतिक प्रतिशोध बताते हुए ममता सरकार पर बलात्कारियों को संरक्षण देने का आरोप लगाया है।

कांग्रेस ने मुसलमानों को केवल वोट बैंक समझा: जफर इस्लाम

रांची। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और पूर्व राज्यसभा संसद जफर इस्लाम ने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। कहा कि मोदी सरकार सबका साथ-सबका विकास में विश्वास करती है। भाजपा किसी का तुष्टीकरण नहीं करती। जो जरूरतमंद हैं उन तक योजनाओं का लाभ पहुंचे यह मोदी सरकार की सोच है। आज केंद्र सरकार की योजनाएं बिना भेदभाव के मुस्लिम समाज तक पहुंच रही है। जफर भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रेसवार्ता को संबोधित कर रहे थे। कांग्रेस ने 60 वर्षों तक अपने शासन काल में मुसलमानों को केवल वोट बैंक समझाऔर आज भी ऐसा ही समझ रही, लेकिन आज समाज जाग चुका है। प्रधानमंत्री मोदी गरीब मुस्लिम समाज को विकास की मुख्य धारा से जोड़ना चाहते हैं। इसलिए धार्मिक मामलों में बिना हस्तक्षेप किये समाज के हित में कानून बनाए जा रहे। वक्फ संशोधित कानून में धार्मिक मामलों में कोई हस्तक्षेप नहीं किया गया है। केवल कानून के दुरुपयोग को रोकने की दिशा में संशोधन किए गए है जिससे करोड़ों लोगों को लाभ पहुंचेगा। वक्फ में मुस्लिम समाज के लोग गरीबों के कल्याण के लिए दान देते हैं। लेकिन चंद लोग उसपर मनमानी करते हुए उसका या तो निजी उपयोग करते हैं यह फिर औने-पौने दाम पर करोड़ों की संपत्ति को लीज में दे देते है। जिस कारण जो लाभ समाज को मिलना चाहिए था वह नहीं मिल पाता। जितनी संपत्ति वक्फ के पास है उससे करोड़ों गरीब मुसलमानों तक स्कूल, अस्पताल, यूनिवर्सिटी, कॉलेज की सुविधा पहुंचाई जा सकती है लेकिन इस दिशा में कोई सार्थक प्रयास नहीं किए गए। आज मोदी सरकार ने इस दिशा में कानून के माध्यम से पहल की है। वक्फ संपत्ति के प्रबंधन में गैर मुस्लिम को शामिल किया गया जो बिल्कुल सही है। योग्य लोगों की सहायता से वक्फ संपत्ति का प्रबंधन ठीक होगा। आय में कई गुना वृद्धि होगी, इसका फायदा समाज को मिलेगा। धार्मिक मामले तो मुस्लिम समाज के लोग ही देखेंगे। न्यायालय ने भी नए कानून को सही ठहराते हुए केवल कुछ जानकारियां चाही है। कहा कि, कांग्रेस सांसद इमरान प्रतापगढ़ी भले ही शायरी के माध्यम से शब्दों का खेल खेल सकते हैं लेकिन संशोधित वक्फ कानून का विरोध कर मुस्लिम समाज का भला नहीं कर सकते। कांग्रेस के दुष्प्रचार और विरोध के बावजूद यह संसद के दोनों सदनों में लोकतांत्रिक तरीके से पारित और राष्ट्रपति के हस्ताक्षर से बना हुआ कानून है। यह गरीब मुस्लिम समाज के चेहरों पर मुस्कान लाने वाला है। कांग्रेस को लोगों को गुमराह करने से बाज आना चाहिए। प्रेसवार्ता में मीडिया प्रभारी शिवपूजन पाठक, प्रवक्ता अविनेश कुमार सिंह आदि लोग उपस्थित थे।

आर्ट्स स्ट्रीम के विद्यार्थियों के लिए भी पिछले कुछ वर्षो में कैरियर संभावनाओं का विस्तार हुआ है. इसलिए अब प्रतिभावान छात्रों ने भी 12वीं से ही इस ओर रुख करना शुरू कर दिया है. जाहिर है, आर्ट्स स्ट्रीम की 12वीं की बोर्ड परीक्षा को हल्के में लेना आपके कैरियर के लिए घातक हो सकता है. इस अंक में आप विस्तार से जानेंगे कि बाकी बचे दिनों में आर्ट्स स्ट्रीम के प्रमुख विषयों की तैयारी कैसे करें.

जानें आर्ट्स की तैयारी की कला

बारहवीं की परीक्षा महज एक परीक्षा नहीं होती, बल्कि यह किसी छात्र के भविष्य की बुनियाद तैयार करती है. बारहवीं कक्षा में अपने लिए विषय चयन के साथ ही छात्र तय करते हैं कि उन्हें आगे चल कर क्या करना है और उनके इस लक्ष्य को पूरा करने में बारहवीं बोर्ड परीक्षा के अंकों का महत्वपूर्ण योगदान होता है.

बोर्ड परीक्षा में अब ज्यादा दिन शेष नहीं बचे हैं, इसलिए इसे लेकर छात्रों में उहापोह स्वाभाविक है. लेकिन यही वह वक्त है, जब आप अपनी अब तक की तैयारी को पूरे आत्मविश्वास के साथ अंतिम रूप प्रदान करें. परीक्षा कोई भी हो, उसमें परीक्षार्थियों के आत्मविश्वास की अहम भूमिका होती है. आम तौर पर देखा गया है कि बोर्ड परीक्षा नजदीक आने पर बहुत से विद्यार्थियों के मन में परीक्षा पैटर्न, मार्किंग स्कीम, प्रमुख प्रश्नों, मॉडल/ सैंपल पेपर्स, टाइम टेबल आदि को लेकर बेचैनी पैदा होने लगती है. कुछ विद्यार्थी अपने आत्मविश्वास के दम पर इस समस्या से आसानी से निजात पा लेते हैं, जबकि कुछ के लिए इस स्थिति से गुजरना बेहद कठिन साबित होता है. आज हम अवसर की कवर स्टोरी में आर्ट्स स्ट्रीम के विषयों की तैयारी के लिए विशेषज्ञों की सलाह प्रस्तुत कर रहे हैं, जो परीक्षा से पहले के शेष कुछ दिनों में आपके लिए मददगार हो सकती है.

विषयवार तैयारी की जानकारी से पहले कुछ जरूरी बातें. आर्ट्स विषयों में छात्रों को अधिक अंक तभी मिलते हैं, जब प्रस्तुतीकरण, तथ्यों, चित्र और आंकड़ों की कसौटी पर वे पूरी तरह से खरे उतरें. 12वीं में आर्ट्स स्ट्रीम के विषय सरसरी तौर पर देखने में भले ही आसान प्रतीत होते हों, लेकिन इसमें छात्रों को अन्य स्ट्रीम की अपेक्षा अधिक लिखना होता है. इसलिए बोर्ड परीक्षा की तैयारी के दौरान ही यह तय करें कि आपको पहले किस तरह के प्रश्नों को हल करना हैं. इस संदर्भ में यह कहा जा सकता है कि ज्यादातर छात्र पहले उन्हीं प्रश्नों को हल करते हैं, जो उन्हें अच्छी तरह से याद हों. पेपर हल करने का सही तरीका भी यही है. इस पद्धति से छात्रों का आत्मविश्वास बढ़ता है और समय की भी बचत होती है.

इसके अलावा प्रश्नों का उत्तर लिखते समय तिथियों को लिखने में सावधानी बरतें. जो तथ्य बेहद महत्वपूर्ण लगे, उसे अंडरलाइन कर दें. जहां उदाहरण देना अथवा कोट लिखना जरूरी हो वहां इसे जरूर लिखें. आर्ट्स के ज्यादातर पेपरों की प्रकृति विस्तृत होती है, इसलिए छात्रों को सलाह दी जाती है कि वे इन्हें हल करते समय अपने विचारों को खुला रखें. आर्ट्स के विभिन्न विषयों की तैयारी के लिए एनसीइआरटी की पुस्तकों को बहुत ही कारगर माना जाता है. इसलिए छात्र अध्ययन और तैयारी में उन्हें अवश्य शामिल करें. बोर्ड परीक्षा के लिए शेष बचे समय में अपने टाइम टेबल को कुछ इस तरफ बनाएं कि सभी महत्वपूर्ण चीजों का पर्याप्त रिवीजन हो सके.अगर आपने सालभर पढ़ाई का रुटीन सही रखा है और सभी विषयों का कोर्स पूरा हो चुका है, तो अब आपको टाइम टेबल में कुछ ऐसे अध्यायों को भी जोड़ना चाहिए, जो आपको कुछ कठिन लगते हों. इससे उन चैप्टर्स की तैयारी बेहतर की जा सकती है. रिवीजन की रणनीति इस तरह बनाएं कि ज्यादा अंकों के टॉपिक्स समय से पहले तैयार हो जायें. इससे आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा और परीक्षा से जुड़ा दबाव कम होगा.

बुलंद हौसले से पार होगी आर्ट्स स्ट्रीम की नैया

बोर्ड परीक्षा से पहले के कुछ दिनों में आर्ट्स स्ट्रीम के विषयों की तैयारी के लिए सही रणनीति और बेहतर समय प्रबंधन की आवश्यकता होती है. बचे हुए दिनों में कैसे करें आर्ट्स के प्रमुख विषयों की तैयारी, जानते हैं इस आलेख में.

अर्थशास्त्र

संख्यात्मक प्रश्नों का अध्ययन

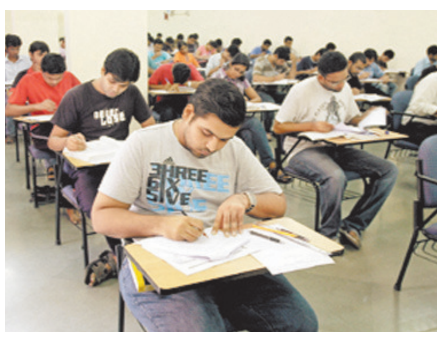

अर्थशास्त्र के अध्ययन में देश की समस्त आर्थिक नीतियों, अर्थव्यवस्था आदि बिंदुओं को शामिल किया जाता है. इस विषय में छात्रों की समझ विकसित हो जाये, तो उन्हें परीक्षा में पूरे अंक मिलते हैं. विशेषज्ञों की मानें तो अर्थशास्त्र एक कंज्यूमर बिहैवियर की तरह है. इसके अंतर्गत उपभोक्ताओं के सोच को रखा जाता है. अर्थशास्त्र में थ्योरी व न्यूमेरिकल दोनों का मिश्रण होता है. अच्छे अंक पाने के लिए छात्र एक सधी रणनीति के तहत परीक्षा की तैयारी करें. 12वीं कक्षा के अर्थशास्त्र को दो भागों में बांटा जा सकता है- माइक्रो इकोनॉमिक्स व मैक्रो इकोनॉमिक्स.

माइक्रो इकोनॉमिक्स में जहां अर्थव्यवस्था की केंद्रीय समस्याएं अनधिमान वक्र विषण से उपभोक्ता के संतुलन का अध्ययन, मांगी गयी मात्र में परिवर्तन व मांग में परिवर्तन में अंतर, स्थिर व परिवर्तित लागत में अंतर, एमसी-एआर में संबंध, मांग को मापने की विधियां, बाजार पूर्ति का अर्थ, मांग व पूर्ति के खिसकाव का संतुलन, पूर्ण प्रतियोगिता बाजार, कीमत पर प्रभाव आदि बिंदुओं को शामिल किया जाता है, वहीं मैक्रो इकोनॉमिक्स में आय के संतुलन स्तर का निर्धारण, अभावी व अतिरेक मांग, मुद्रा के कार्य, व्यापारिक बैंकों द्वारा साख सृजन, केंद्रीय बैंकों को कार्य, बजट का अर्थ, पूंजीगत व्यय का अर्थ, विदेशी विनियम दर का अर्थ व निर्धारण, व्यापार संतुलन के घटक आदि से प्रश्न पूछे जाते हैं. छात्रों को चाहिए कि वे आय की गणना के संख्यात्मक प्रश्नों की तैयारी अवश्य करें. कई बार प्रश्नों को हल करते समय रेखाचित्रों का प्रयोग जरूरी होता है. छात्र इसके प्रयोग में कोताही न बरतें. रेखाचित्र बनाने के लिए आपको अंश का सटीक नामांकन होना चाहिए और चित्र का अनुपात सही होना चाहिए.

महत्वपूर्ण

रेखाचित्र बनाने में पेंसिल का प्रयोग करें.
उत्तर में मुख्य बिंदुओं को रेखांकित करें.
ग्राफ का नियमित अभ्यास जरूरी.
न्यूमेरिकल के लिए नियमित अभ्यास करें.
प्रश्नों को चुनते समय सावधानी बरतें.

राजनीति विज्ञान

कम शब्दों में स्पष्ट करें

भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में राजनीति विज्ञान बहुत मायने रखता है. यदि छात्र की रुचि इसमें है, तो यह विषय आगे चल कर उनके कैरियर पर रोचक प्रभाव छोड़ता है. इसकी तैयारी के लिए समसामयिक जानकारी होना अत्यंत आवश्यक है. इसलिए देश-विदेश की घटनाओं व प्रमुख हलचलों के प्रति अपडेट रहें. एनसीइआरटी की पुस्तकें इसमें बेहद कारगर होती हैं. इस विषय को दो पुस्तकों में बांटा गया है. समकालीन विश्व राजनीति व स्वतंत्र भारत की राजनीति. इन दोनों के अंक समान हैं और दोनों का अध्ययन भी अनिवार्य है. विश्व राजनीति में मुख्यत- अमेरिकी वर्चस्व, सत्ता के वैकल्पिक केंद्र, समकालीन दक्षिण एशिया आदि से अधिक प्रश्न पूछे जाते हैं. जबकि स्वतंत्र भारत में राष्ट्र निर्माण की चुनौतियां, नियोजित विकास की राजनीति, आपातकाल के कारण व परिणाम, संयुक्त राष्ट्र एवं भारत की विदेश नीति से कई प्रश्न पूछे जाते हैं. छात्रों को चाहिए कि राजनीति के सिद्धांतों, अवधारणाओं, चुनौतियों आदि को अच्छी तरह समझें. इसमें शुरू के जो 15 मिनट प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए मिलते हैं, उसी समय उसे हल करने की रूपरेखा भी तैयार कर लें.

इस विषय में चार तरह के प्रश्न पूछे जाते हैं. एक-एक अंक के 10 प्रश्न, दो-दो अंक के 10 प्रश्न, चार-चार अंक के 10 प्रश्न और छह अंक वाले पांच प्रश्न शामिल होते हैं. ध्यान से पढ़ने के साथ ही छात्रों के लिए यह जरूरी होता है कि वे यह देखें कि वास्तव में प्रश्न में पूछा क्या गया है. उत्तर लिखते समय जो बिंदु जरूरी लगे, उसे अंडरलाइन करते जायें.

महत्वपूर्ण

प्रश्नों को समय के अनुसार बांट लें.
उत्तर देते समय शब्दों की सीमा पर विशेष ध्यान दें.
हेडिंग को मोटे अक्षरों में लिखें.
सरल व आसान भाषा में लिखें.
जहां जरूरी हो, वहां चित्र व काटरून का प्रयोग करें.

इतिहास

घटनाओं को जरूर याद रखें

इतिहास का अध्ययन वर्तमान और भविष्य को समझने में मदद करता है. इसके साथ ही यह सामाजिक परिवर्तनों पर भी गहराई से प्रकाश डालता है. जरूरी बात है कि यदि इसकी तैयारी अच्छी तरह की जाये, तो भविष्य के लिए अच्छा होता है. अतीत की घटनाओं को वर्तमान समय की कसौटी पर कसने में इससे काफी मदद मिलती है. इसमें अच्छे अंक लाने के लिए अपने पाठ्यक्रम को भलीभांति पढ़ें. फिर अपनी रणनीति बनाएं. भले ही इसका पाठ्यक्रम विस्तृत हो, लेकिन छात्रों को इसका उत्तर तय शब्दों में देना होता है. धर्म का इतिहास, भक्ति व सूफी संतों के आचार-विचार, विजय नगर की राजनीतिक व्यवस्था, वास्तुकला, उपनिवेशवाद व ग्रामीण समाज, महात्मा गांधी का राष्ट्रीय आंदोलन, विभाजन व संविधान का निर्माण आदि का अध्ययन पूरी तन्मयता से करें. अध्ययन के समय महत्वपूर्ण तिथियों, घटनाचक्र, ऐतिहासिक कड़ियों को एक जगह नोट करते जाएं. इसके अलावा राजवंशों के कालचक्र में विदेशी यात्रियों के यात्र वृत्तांत को ध्यान से पढ़ें और उनके अनुभवों को अपने शब्दों में लिखने का अभ्यास करें. इन ऐतिहासिक तथ्यों को एक कहानी के रूप में समझने का प्रयास करें. इससे वे आपके मानस पटल पर अंकित हो जायेंगे. जहां जरूरी हो वहां मैप का अध्ययन करें, क्योंकि परीक्षा में मैप आधारित प्रश्न भी होते हैं. कुछ प्रश्न विस्तृत होने के अलावा वैल्यूबेस्ड होते हैं. इनका उत्तर आप अच्छे से देते हैं, तो इसके पूरे अंक मिलते हैं. पैसेज से संबंधित प्रश्नों के लिए पुराने प्रश्नपत्रों को हल करने की कोशिश करें.

महत्वपूर्ण

अपना कांसेप्ट क्लीयर रखें.
तिथियों व घटनाओं को तिथिवार याद रखें.
नपे-तुले शब्दों में उत्तर लिखने की कोशिश करें.
पुराने प्रश्नपत्र व मॉडल पेपर हल करें.
मैप का नियमित अभ्यास करें.

गृह विज्ञान

लें आधारभूत जानकारी

आर्ट्स संकाय में गृहविज्ञान अत्यंत उपयोगी एवं महत्वपूर्ण विषय है. इसके अंतर्गत घर के प्रबंधन से लेकर शिशुओं व बुजुर्गो की देखभाल का अध्ययन किया जाता है. कई प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता का दारोमदार भी इसी पर होता है. इसका अध्ययन जीवन के कई मौकों पर काम आता है. इसकी तैयारी के क्रम में छात्रों को सबसे पहले उन्हें विषय की आधारभूत जानकारी से अवगत होना जरूरी है. इसमें गृह विज्ञान का इतिहास, विकास में योगदान, सिद्धांत, ह्यूमन फिजियोलॉजी आदि के बारे में सही जानकारी हासिल की जाती है. प्रसार शिक्षा, आहार एवं पोषण, वस्त्र विज्ञान व परिधान, गृह प्रबंध एवं आंतरिक सज्जा, बाल विकास एवं पारिवारिक संबंध इसके प्रमुख भाग हैं. इस विषय के 100 अंकों में से 30 अंक प्रैक्टिकल और 70 अंक थ्योरी के होते हैं. इसमें सभी महत्वपूर्ण बिंदुओं से प्रश्न आ सकते हैं.

महत्वपूर्ण

कोई टॉपिक छूटे नहीं.
रटने की बजाय समझने का प्रयास करें.
पुराने प्रश्नपत्रों को हल करने की आदत डालें.
जो प्रश्न नहीं आता है, उसे छोड़ कर आगे बढ़ जायें.
प्रमाणित सामग्री से ही अध्ययन आरंभ करें.

भूगोल

एनसीइआरटी की पुस्तकें तैयारी में सहायक

कला विषयों में भूगोल एक ऐसा विषय है जो छात्रों को न सिर्फ 12वीं की परीक्षा में अच्छे अंक दिलाता है, बल्कि आगे चल कर सिविल व अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता का आधार बनता है. इसकी खासियत यह भी है कि मौसम का आकलन, जनसंख्या, नगर नियोजन, आर्थिक नियोजन, जीपीएस, उपग्रह प्रणाली, आधुनिक व विकसित संचार प्रणाली में इसका ज्ञान काफी सहूलियत प्रदान करता है. इसमें मुख्य रूप से नगरीय व ग्रामीण जनसंख्या, आंकड़ों संबंधी जानकारी, रॉ मटेरियल क्लाइमेट, रोड ट्रांसपोर्ट, कृषि अध्याय से संबंधित विभिन्न कृषि व डेयरी आदि की जानकारी रखनी पड़ती है. जबकि प्रैक्टिकल परीक्षा के लिए मिन्स, मीडियन व मोड के बारे में अच्छे तरीके से समझ लें. मानचित्रों के अभ्यास में कोई कोताही न बरतें अन्यथा आपकी पूरी मेहनत बेकार हो सकती है. पंचवर्षीय योजनाओं सहित सूखा संभावित क्षेत्रों और पहाड़ी क्षेत्रों के विकास के लिए भारत सरकार द्वारा उठाये गये कदम का विस्तृत अध्ययन करें. रेखाचित्रों पर नाम अंकित करने के लिए भारत के प्रमुख पत्तन, वायु पत्तन, कृषि राज्यों के नाम, कोयला व लोहा क्षेत्र, सॉफ्टवेयर पार्क, नाभिकीय ऊर्जा संयंत्र आदि प्रमुख शहरों का अभ्यास करें. विभिन्न प्रदेशों में उत्पादित होने वाले विभिन्न वस्तुओं पर भी प्रश्न पूछे जाते हैं, इनका अध्ययन कुंजी बना कर करें.

महत्वपूर्ण

लिख कर प्रश्नों का उत्तर देने का अभ्यास करें. आंकड़ों पर आधारित प्रश्नों का उत्तर देते समय सावधानी बरतें.
त्रविज्ञान से संबंधित पत्रिकाओं का अध्ययन जरूरी.
प्रैक्टिकल परीक्षा के लिए भी कमर कसें.
रेखाचित्रों पर नाम अंकित करने का अभ्यास करें.

सच्ची प्रशंसा पाने का सही तरीका

लोगों के हाथों अपनी प्रसन्नता-अप्रसन्नता बेच नहीं देनी चाहिए। कोई प्रशंसा करे तो हम प्रसन्न हों और निंदा करने लगे तो दुखी हो चलें। यह तो पूरी पराधीनता हुई। हमें इस संबंध में पूर्णतया अपने ही ऊपर निर्भर रहना चाहिए और निष्पक्ष होकर अपनी समीक्षा आप करने की हिम्मत इकट्ठी करनी चाहिए। निंदा से दु:ख लगता हो तो अपनी नजर में अपने कामों को ऐसे घटिया स्तर का साबित न होने दें। जिसकी निंदा करनी पड़े। यदि प्रशंसा चाहते हैं तो अपने कार्यों को प्रशंसनीय बनाएं। सच्ची प्रशंसा पाने का सही तरीका एक ही है की अपने को दिन-दिन सुधारते चले जाएं और भावना तथा क्रिया की दृष्टि से उस स्तर पर जा पहुंचे जिस पर पहुंचने में आत्मसंतोष प्राप्त होता है और आतंरिक उल्लास प्रस्फुटित होता है। अपनी दृष्टि में अपना प्रशंसित होना सारे संसार के मुंह से गाई जाने वाली प्रशंसा की अपेक्षा कहीं बेहतर है। जीवन की यात्रा के दौरान यदि व्यक्ति को प्रशंसा मिलती है तो उसका अपने कार्य के प्रति उत्साह बढ़ जाता है और वे अधिक ऊर्जा से अपने कर्तव्य का निर्वाह करता है। निंदा जहां होती है, खुशी वहां से पलायन कर जाती है। जिनका स्वभाव है निंदा करना, वे किसी भी परिस्थिति में निंदा प्रवृत्ति का त्याग नहीं कर सकते हैं इसलिए समझदार इंसान वही है जो ऐसे लोगों द्वारा की गई विपरीत टिप्पणियों की उपेक्षा कर अपने काम में मस्त रहता है।

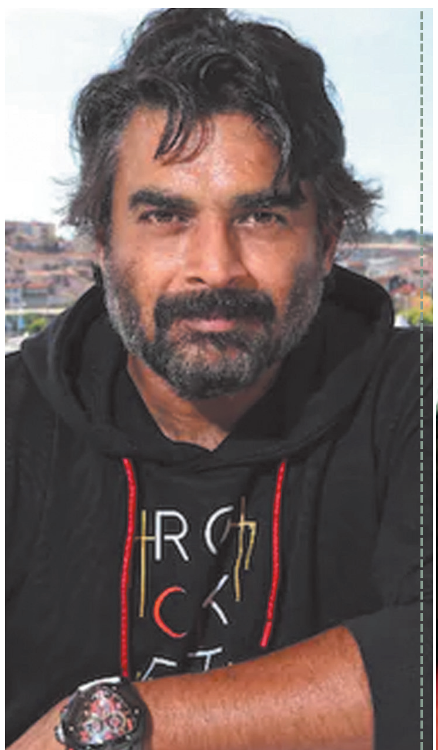

22 साल छोटी फातिमा के साथ रोमांस करते नजर आएंगे माधवन

बुधवार को आर माधवन और फातिमा सना शेख की आने वाली फिल्म आप जैसा कोई का ट्रेलर रिलीज किया गया। यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर 11 जुलाई को स्ट्रीम होगी। फिल्म में आर माधवन और फातिमा सना शेख की जोड़ी काफी हटकर नजर आ रही है। प्यार और उसके खूबसूरत अहसास फिल्म के ट्रेलर में नजर आते हैं। मगर आर माधवन और फातिमा सना शेख के किरदारों का प्यार अंजाम तक नहीं पहुंच पता है। आखिर ऐसा क्यों होता है? जानिए।

अलग तरह की लव स्टोरी दिखी

फिल्म के ट्रेलर में नजर आता है कि 42 साल के श्रीरेणु (आर माधवन) की अब तक शादी नहीं हुई। वह एक संस्कृत टीचर हैं। अचानक एक 32 साल की मधु (फातिमा सना शेख) का रिश्ता श्रीरेणु के लिए आता है। लड़की भी टीचर है। दोनों जब मिलते हैं तो इनके बीच प्यार का रिश्ता पनपता है। दस साल का फर्क भी मायने नहीं रखता है। श्रीरेणु ओल्ड स्कूल रोमांस में विश्वास करता है। वहीं मधु काफी मॉर्डन लड़की है। इनकी शादी भी तय होती है, मगर एक कारण से रिश्ता टूट जाता है।

प्यार पर हावी पितृसत्ता वाली सोच

शादी टूटने का कारण बस इतना है कि श्रीरेणु और उसके घर के पुरुष की सोच पितृसत्ता से घिरी है। महिलाओं को एक सीमा में रहकर कोई काम करना चाहिए, ऐसा वे लोग सोचते हैं। मगर मधु को यह सोच बर्दाश्त नहीं है। इसी कारण से श्रीरेणु और मधु की राहें शादी से पहले ही अलग हो जाती हैं।

एक्टिंग के लिए न्यूट्रल रहना जरूरी

एक्ट्रेस कोंकणा सेन शर्मा स्टारर फिल्म 'मेट्रो... इन दिनों' रिलीज को तैयार है, जिसे लेकर कोंकणा काफी उत्साहित हैं। उन्होंने बताया कि एक्टिंग से पहले कलाकार को शांत और न्यूट्रल रहना चाहिए। कोंकणा ने कहा कि काम के दौरान बाहरी शोर और निजी भावनाओं से दूरी बनाना एक्टिंग के लिए बेहद जरूरी है। इससे फोकस करने में मदद मिलती है। कोंकणा ने बताया कि निर्देशक अनुराग बसु के साथ काम करने का अनुभव बेहतरीन रहा और वह अक्सर उनके साथ सीन, किरदार और कहानी को लेकर सेट पर चर्चा करती थीं। उन्होंने बताया, हमने किरदारों और उनकी दुनिया के बारे में थोड़ी बात की। सेट पर सब कुछ मूड पर निर्भर करता है। कोंकणा ने बताया कि सेट का माहौल निर्देशक से शुरू होता है, जो फिर विभाग प्रमुखों (एचओडी) और एक्टर्स तक पहुंचता है। उन्होंने बताया, अनुराग के सेट पर होने से निगेटिव, स्ट्रेस या आलोचना का माहौल नहीं बनता। एक एक्टर को न्यूट्रल रहना पड़ता है, क्योंकि आपको किसी और किरदार को जीना होता है। अगर आप तनाव या नकारात्मक भावनाओं से भरे हैं, तो यह आपकी एक्टिंग में भी दिखाई देता है। कोंकणा ने इस बात पर जोर दिया कि अभिनय से पहले अपनी निजी भावनाओं को पीछे छोड़ना जरूरी है, ताकि किरदार को पूरी तरह जिया जा सके।

मेट्रो इन दिनों साल 2007 में रिलीज हुई लाइफ इन ए मेट्रो का सीक्वल है। लाइफ इन एज मेट्रो में धर्मेंद्र, नफीसा अली, शिल्पा शेट्टी, के.के. मेनन, शाइनी आहूजा, इरफान खान, कोंकणा सेन शर्मा, कंगना रनौत और शरमन जोशी नजर आए थे। वहीं, मेट्रो इन दिनों की बात करें तो इसमें कोंकणा सेन शर्मा के साथ पंकज त्रिपाठी के अलावा कई जाने-माने कलाकार हैं, जिनमें आदित्य रॉय कपूर, सारा अली खान, अली फजल, फातिमा सना शेख, अनुपम खेर और नीना गुप्ता भी हैं। यह फिल्म 4 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

मैंने हर किरदार से कुछ न कुछ सीखा है

लोकप्रिय टीवी शो ये रिश्ता क्या कहलाता है फेम अभिनेता रोहित पुरोहित ने टेलीविजन करियर के शुरुआती दिनों को याद किया। रोहित ने बताया कि जब उन्होंने अभिनय की दुनिया में कदम रखा था, तब वह नए थे, लेकिन समय के साथ वह लगातार सीखते गए और खुद को बेहतर बनाया। अभिनेता का मानना है कि उन्होंने अपने हर एक किरदार से कुछ न कुछ सीखा है। रोहित ने बताया, जब मैंने अभिनय करियर की शुरुआत की थी, तब मुझे कुछ नहीं पता था। मैं काम में बहुत कच्चा था। अब मैं अपने काम में ज्यादा आत्मविश्वास महसूस करता हूं। मैंने हर किरदार से कुछ न कुछ सीखा है और लगातार सीख रहा हूं। यह बड़ी उपलब्धि की तरह है। रोहित ने जानकारी दी कि उन्होंने कभी किसी एक्टिंग स्कूल में ट्रेनिंग नहीं ली, लेकिन उनके साथ काम करने वाले प्रतिभाशाली निर्देशकों और को-एक्टर्स ने बहुत कुछ सिखाया। करियर में अब तक 20 से ज्यादा शो कर चुके रोहित का मानना है कि हर किरदार में पूरी मेहनत और दिल लगाना जरूरी है। काम को दिल से करना चाहिए। उन्होंने बताया, मेरा हमेशा से मानना रहा है कि छोटा हो या बड़ा सीन, हर पल को खास बनाना चाहिए। हर शॉट में सच्चाई लानी पड़ती है। आप सिर्फ किरदार नहीं निभाते, बल्कि हर पल को जीते हैं। अपने किरदार को मजबूत करने के लिए दिल से काम करना जरूरी है।

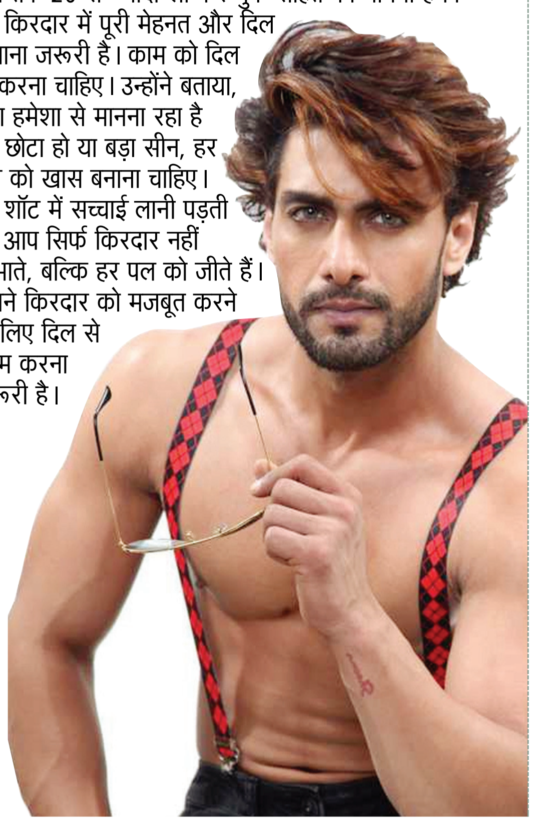

पर्दे पर 'मां' का किरदार निभाना चुनौतीपूर्ण

अभिनेत्री काजोल अपनी अपकमिंग हॉरर फिल्म मां को लेकर उत्साहित हैं। हॉरर फिल्म में काजोल 'मां' के किरदार में नजर आएंगी। उन्होंने बताया कि इस फिल्म में काम करना और पर्दे पर मां के किरदार को निभाना काफी चुनौतीपूर्ण रहा। बातचीत में काजोल ने बताया कि हर सीन में तनाव, चिंता और मां की भावनाओं को दिखाना था, जो आसान नहीं था। इसी वजह से यह किरदार उनके लिए खास और चुनौतीपूर्ण बन गया।

काजोल का मानना है कि वह पहले भी कई फिल्मों में मां का किरदार निभा चुकी हैं, लेकिन मां में उनका किरदार अलग है। हॉरर फिल्म होने के कारण इसके हर सीन में एक खास तनाव और भावनात्मक गहराई की जरूरत थी। काजोल ने कहा, मुझे हॉरर फिल्में ज्यादा पसंद नहीं हैं, इसलिए मुझे नहीं पता था कि इस तरह की फिल्मों में पूरे समय एक खास भावनात्मक स्तर बनाए रखना पड़ता है। एक एक्टर के तौर पर आपको हर पल, हर शॉट में अलर्ट रहना पड़ता है। यह भावनात्मक रूप से बहुत थका देने वाला था। पूरे दिन उस तनाव को बनाए रखना आसान नहीं था। उन्होंने कहा, 'मां' हॉरर फिल्म है, लेकिन इसमें इमोशन्स भी हैं। यही वजह है कि मैंने इस फिल्म में काम करने का फैसला लिया। अगर इसमें इतना मजबूत भावनात्मक आधार न होता, तो शायद मैं इस फिल्म को हां नहीं कहती। यह सिर्फ हॉरर नहीं, बल्कि माइथोलॉजिकल हॉरर है, जिसमें कल्चर और थ्रिलर का सही मिश्रण है।

माइथोलॉजिकल-हॉरर की दुनिया में कदम रखने जा रहीं काजोल ने फिल्म के टाइटल की तारीफ करते हुए कहा कि इस फिल्म के लिए 'मां' से बेहतर कोई टाइटल नहीं हो सकता था। काजोल का मानना है कि 'मां' वह पहला शब्द है जिसे बच्चे न केवल सबसे पहले बोलते हैं बल्कि महसूस भी करते हैं। बच्चा सबसे पहले अपनी मां की ओर मुड़ता है। यह वर्किंग टाइटल था, लेकिन इसे बनाते समय यह शब्द टीम को इतना गहरा लगा कि इसे ही स्थाई टाइटल बनाने का फैसला लिया गया।

माय मेलबर्न पार्ट टू में साथ काम करेंगे राजकुमार हिरानी और शूजित सरकार

एंथोलॉजी फिल्म माय मेलबर्न के निर्माता इसका अगला पार्ट लेकर आ रहे हैं। इसका निर्देशन भारत के मशहूर निर्देशक राजकुमार हिरानी, अंजलि मेनन, शूजित सरकार और ओनिर करेंगे। यह चारों निर्देशक माय मेलबर्न के लिए अलग-अलग कहानियां बनाएंगे। हर कहानी में मेलबर्न शहर की संस्कृति, लोग और अनुभवों को दिखाया जाएगा। माय मेलबर्न फिल्म माइंड ब्लोइंग फिल्म्स कंपनी बना रही है और इसे इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न (आईएफएफएम) पेश कर रहा है। इस फिल्म का मकसद भारत और ऑस्ट्रेलिया के रिश्तों को और मजबूत करना और दोनों देशों की सांस्कृतिक विविधता का सम्मान करना है। राजकुमार हिरानी ने कहा, मैं इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनकर बहुत खुश हूं। यह प्रोजेक्ट फिल्म के जरिए अलग-अलग तरह के इंसानी अनुभवों को दिखाता है और साथ ही दो विभिन्न संस्कृतियों को जोड़ता है। माय मेलबर्न मुझे एक ऐसी कहानी कहने का मौका देती है जो दिल से जुड़ी हुई है। इसमें संस्कृति की झलक मिलती है। शूजित सरकार ने कहा, कहानियां सुनाने की कोई सीमा नहीं होती। माय मेलबर्न एक ऐसा प्रोजेक्ट है जो यह साबित करता है कि कहानियां चाहे किसी भी जगह से जुड़ी होती हैं, पूरी दुनिया के लोगों के दिलों को छू सकती हैं। मैं इस तरह की फिल्म का हिस्सा बनकर खुश हूं, जो अलग-अलग संस्कृतियों के बीच बातचीत और समझ को बढ़ावा देती है।

माय मेलबर्न फिल्म मार्च 2025 में भारत और ऑस्ट्रेलिया में रिलीज हुई थी। इसमें चार जाने-माने डायरेक्टर्स ने काम किया, जिनमें रीमा दास, ओनिर, इम्तियाज अली और कबीर खान शामिल रहे। इन सभी ने मिलकर अलग-अलग विषयों, पहचान, लिंग, नस्ल/जाति, सेक्सुअलिटी और विकलांगता जैसे मुद्दों पर कहानियां बनाईं। अंजलि मेनन ने कहा, माय मेलबर्न का विषय और इसका मकसद मेरी पसंदीदा कहानियों के जैसा है। ऐसी कहानियां जो लोगों में समझ और भावना जगाती हैं और उन्हें एक-दूसरे के करीब लाती हैं। मैं इस इंटरनेशनल प्रोजेक्ट का हिस्सा बनकर उत्साहित हूं। डायरेक्टर ओनिर, जो पहले भी माय मेलबर्न में काम कर चुके हैं, उन्होंने कहा, माय मेलबर्न के दूसरे पार्ट में वापस आना ऐसा है जैसे किसी अधूरी कहानी को फिर से शुरू करना। नई कहानियां और नए नजरिए के साथ काम करने का मौका मिलना, और उस सफर को जारी रखना जिसमें मैं दिल से यकीन करता हूं, मेरे लिए बहुत खुशी और संतुष्टि की बात है।

सितारे जमीन पर से लेकर चीनी कम तक, अमिताभ से लेकर आमिर तक ने निभाए बुजुर्ग किरदार

फिल्म सितारे जमीन पर इन दिनों बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है। फिल्म में एक कोच की कहानी दिखाई गई है, जो दिव्यांग बच्चों को बास्केटबॉल सिखाता है। हालांकि कोच बच्चों को देखकर भड़क जाता है लेकिन उसे करतार पाजी नाम का किरदार समझाता है। इस किरदार को गुरपाल सिंह ने बहुत दमदार तरीके से निभाया है। ऐसे में हम आपको उन फिल्मों के बारे में बता रहे हैं, जिसमें उम्र दराज लोगों ने दमदार किरदार निभाया है।

चीनी कम

साल 2007 में रिलीज हुई फिल्म चीनी कम में एक ऐसे उम्र दराज आदमी की कहानी दिखाई गई है, जिसे 64 साल की उम्र में इश्क हो जाता है। कई परेशानियां उठाने के बाद दोनों शादी कर लेते हैं। फिल्म में अमिताभ बच्चन और तब्बू ने बेहतरीन अदाकारी की है।

आंखों देखी

आंखों देखी फिल्म में एक ऐसे आम इंसान की कहानी दिखाई गई है जिसकी बेटी अपने पसंदीदा लड़के से शादी करना चाहती है। हालांकि उम्र दराज शख्स अपनी बेटी की शादी कहीं और करना चाहता है। जब उम्र दराज शख्स लड़के से मिलता है तो उसकी राय बदल जाती है। फिर वह आंखों देखी चीजों पर भरोसा करने लगता है। फिल्म में संजय मिश्रा ने उम्र दराज शख्स का किरदार निभाया है।

निशब्द

साल 2007 में फिल्म निशब्द रिलीज हुई थी। इस फिल्म में एक उम्र दराज आदमी को अपनी बेटी की सहेली से इश्क हो जाता है। लड़की भी उम्र दराज शख्स से प्यार करने लगती है। इस रिश्ते की वजह से उम्र दराज शख्स की पत्नी और बेटी से रिश्ता खराब हो जाता है। फिल्म में अमिताभ बच्चन ने उम्र दराज शख्स का किरदार बहुत अच्छे तरीके से निभाया है।

बुड्ढा होगा तेरा बाप

साल 2011 में रिलीज हुई फिल्म बुड्ढा होगा तेरा बाप में ऐसे उम्र दराज आदमी की कहानी दिखाई गई है जिसे लोग बेबस और कमजोर समझते हैं लेकिन वह उम्र दराज शख्स अपने आपको उम्र दराज कहलाना बिलकुल पसंद नहीं करता है। फिल्म में उम्र दराज शख्स को एक्शन करते हुए दिखाया गया है। इसमें अमिताभ बच्चन ने उम्र दराज शख्स का किरदार बखूबी निभाया है।

विजय 69

साल 2024 में रिलीज हुई इस फिल्म में एक पूर्व तैराकी प्रशिक्षक की कहानी दिखाई गई है। फिल्म की कहानी तब दिलचस्प हो जाती है जब एक उम्र दराज व्यक्ति अपनी पूर्व पत्नी के ट्रायथलॉन के सपने को पूरा करने की ठान लेता है। फिल्म में उम्र दराज शख्स के जज्बे को दिखाया गया है। इस किरदार को अनुपम खेर ने निभाया है।

सैयारा पहले थी आशिकी 3 की कहानी

फिल्ममेकर मोहित सूरी ने बताया है कि उन्हें रोमांटिक फिल्मों से खास आशिकी है। उनकी आने वाली फिल्म सैयारा को पहले आशिकी 3 नाम दिया जाने वाला था, लेकिन बाद में कुछ बदलाव किया गया और अब यह सैयारा के नाम से रिलीज होने वाली है। मोहित ने कहा, हर किसी की लव स्टोरी अलग, खास और दिल को छूने वाली होती है। मोहित ने कहा, रोमांटिक फिल्मों से मेरी गहरी आशिकी है। मैं अपने करियर में प्यार जैसे जज्बात के हर पहलू को दिखाना चाहता हूं। मोहिन ने बताया कि उन्होंने पहले जो कहानी सोची थी, वह आशिकी 3 के लिए थी, लेकिन उस समय आशिकी 3 नहीं बन पाई। अब वही कहानी सैयारा बन गई है। मोहित ने कहा, सैयारा एक मजबूत लव स्टोरी है, जो बहुत कम उम्र में होने वाले प्यार को दिखाती है। यही बात इस फिल्म को खास और नया बनाती है।